{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 20 मार्च 2026
चैत्र शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 174
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,207.24
निफ्टी	-	23,002.15
सोना	-	1,50,280
चांदी	-	2,60,000
डॉलर	-	93.04

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

जल रहा मिडिल ईस्ट... खार्ग से साउथ पार्स तक तेल-गैस के कुएं बने वॉर में प्राइम टारगेट, ईरानी हमले में धधक रहा खाड़ी का तेल, जल रही सऊदी की रिफाइनरी, कतर-कुवैत के तेल कुएं

तेल युद्ध में बदली जंग!

ईरान-इजराइल टकराव से तेल बाजार में भूचाल; ब्रेंट क्रूड का भाव 114 डॉलर तक पहुंचा, सप्लाई पर संकट

तेल अवीव/तेहरान। मिडिल ईस्ट की जंग को 20 दिन हो गए हैं। मिलिट्री बेस और नेताओं पर अटैक के साथ शुरू हुई इस जंग में अब टारगेट एनर्जी फील्ड बन गए हैं। अब वॉर में तेल-गैस के कुएं प्राइम टारगेट बन गए हैं। पहले ईरान के खर्ग द्वीप पर अटैक और अब साउथ पार्स गैस फील्ड पर बड़ा हमला बता रहा है कि अमेरिका और इजरायल ईरान को आर्थिक रूप से चौपट करने की ओर कदम रख चुके हैं। जवाबी कार्रवाई में अब ईरान भी एनर्जी साइट को निशाना बना रहा है। ऐसे में जानते हैं कि कैसे ये जंग अब एनर्जी साइट्स की ओर बढ़ गई है और अभी तक कितने एनर्जी फील्ड को निशाना बनाया गया है।

ईरान ने गल्फ देशों के तेल और गैस रिफाइनरी पर प्रचंड हमला किया है। बदले की आग में दहक रहे ईरान ने कुवैत की दूसरी तेल रिफाइनरी पर अटैक किया है। ईरान ने कुवैत की मीना अब्दुल्लाह रिफाइनरी पर हमला किया है। इसके बाद इस प्लांट में आग लग गई है। ईरान का दूसरा टारगेट सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरामको की रिफाइनरी है।

ईरान की जंग में सबसे पहले पावर स्ट्रक्चर को फोकस किया गया और सीधे सैन्य ठिकानों और नेताओं का निशाना बनाया गया। इसके बाद जंग का दायरा समुद्र तक पहुंचा, जहां टॉरपीडो हमलों और जहाजों को उड़ाने जैसी घटनाओं से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे रास्ते असुरक्षित बन गए। लेकिन, अब यह टकराव एक और खतरनाक मोड़ ले चुका है। जहां सीधे देशों की एनर्जी लाइफलाइन पर हमला हो रहा है। यानी जंग अब सिर्फ सैन्य ताकत की नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर नुकसान पहुंचाने की हो रही है। हालांकि, इसका असर दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इजरायल के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले के बाद ईरान ने कतर के एलएनजी गैस फैसिलिटी को निशाना बनाया। इससे पहले भी 7-8 मार्च की रात को इजरायल ने तेहरान के तेल डिपो पर एयरस्ट्राइक किया था। शहरान तेल डिपो और करज में भी बड़ी तबाही हुई थी।

खर्ग द्वीप (ईरान)- अमेरिका ने अटैक किया

इस जंग में खर्ग द्वीप पर हमले से ही एनर्जी फील्ड पर अटैक का सिलसिला तेज हुआ था। दरअसल, शनिवार को ईरान की लाइफलाइन कहे जाने वाले खर्ग द्वीप पर अमेरिका ने हमला किया था। ये खर्ग द्वीप ईरान के तट से करीब 30 किलोमीटर दूर है और यहां से देश का लगभग 90 प्रतिशत कच्चा तेल एक्सपोर्ट होता है। डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करता है, तो इस द्वीप के ऑयल इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया जाएगा।

साउथ पार्स गैस फील्ड (ईरान)- इजरायल ने अटैक किया

इसके बाद इजरायल की ओर से ईरान के सबसे बड़े गैस फील्ड साउथ पार्स गैस फील्ड को निशाना बनाया गया। यह फील्ड कतर के नॉर्थ डोम के साथ मिलकर दुनिया का सबसे बड़ा गैस भंडार है। ईरान की करीब 70 फीसदी घरेलू गैस सप्लाई यहीं से आती है। हमले के बाद यहां आग लग गई, जिसकी पुष्टि ईरान के सरकारी टीवी ने की। इस हमले की आलोचना कतर और यूएई जैसे खाड़ी देशों ने की, क्योंकि उनके एनर्जी ठिकानों पर भी लगातार हमले हो रहे हैं। लेकिन, यहां अटैक को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह हमला इजरायल ने किया और अमेरिका को इसके बारे में पता नहीं था। इसके साथ अमेरिका ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान कतर पर हमला करता है तो वो ईरान के साउथ पार्स को तबाह कर देगा।

रास लाफान (कतर)- ईरान ने निशाना बनाया

इजरायल के हमलों का जवाब देते हुए ईरान ने कतर के रास लाफान को निशाना बनाया। ये दुनिया का सबसे बड़ा एलएनजी हब है, जो कतर में है। जंग शुरू होने के बाद से इस पर बार-बार ईरान की तरफ से हमले किए गए हैं। बताया जा रहा है कि ईरान को यहां काफी नुकसान हुआ है और कई प्लांट्स प्रभावित होने की खबर है। गुरुवार सुबह यहां कई जगहों पर बड़ी आग लगने की खबर आई। कतर दुनिया के सबसे बड़े गैस भंडार को ईरान के साथ शेयर करता है। कतर एनर्जी की रिपोर्ट के अनुसार, कतर के हिस्से में ही दुनिया की करीब 10 प्रतिशत गैस रिजर्व मौजूद है। बता दें कि कतर ने फ्रांस, भारत समेत की देशों की कंपनियों से एलएनजी समझौते किए हुए हैं।

रुवैस रिफाइनरी (अबू धाबी)- ईरान ने हमला किया

ईरान ने जवाबी कार्रवाई में अबू धाबी में मौजूद रुवैस रिफाइनरी को निशाना बनाया है, जो दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सिंगल-साइट रिफाइनरी है। इस महीने की शुरुआत में ड्रोन हमले के बाद एहतियात के तौर पर यहां काम रोक दिया गया था। हालांकि यह साफ नहीं है कि रिफाइनरी को सीधा नुकसान हुआ या नहीं और इसका संचलान करने वाले एडीएनओसी ने इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया।

रास तनुरा (सऊदी अरब)- ईरान का हमला किया

रास तनुरा रिफाइनरी सऊदी अरब में है। ये मिडिल ईस्ट की सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से एक है। ये सऊदी अरब के लिए काफी अहम है। इसकी क्षमता करीब 5.5 लाख बैरल प्रतिदिन है। जंग के दौरान इस पर भी कई बार हमले हुए, जिसमें एक ड्रोन अटैक के बाद आग लगी और आंशिक रूप से काम बंद करना पड़ा।

सारी उम्मीदें बिखर गईं- सऊदी

सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने गुरुवार को ईरान की कड़ी आलोचना की। ईरान ने पिछली रात को सऊदी अरब पर अटैक किए थे। उन्होंने कहा- पहले जो थोड़ा-बहुत भरोसा था, वह पूरी तरह से टूट गया है। विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने यह बात गल्फ अरब देशों और अन्य देशों के विदेश मंत्रियों की एक बैठक के बाद कही। प्रिंस फैसल ने कहा कि मेरे देश पर और मेरे पड़ोसी देशों पर हुए हमले, जो इस संघर्ष में शामिल नहीं हैं, बस मेरी दिलचस्पी इन्हीं बातों में है। उन्होंने आगे कहा कि हम इन हमलों को रोकने के लिए अपने पास मौजूद हर तरीके का इस्तेमाल करेंगे, चाहे वह राजनीतिक हो, आर्थिक हो, कूटनीतिक हो या कोई और।

पहले ईरान के गैस फील्ड पर हुआ हमला

इजरायल ने बुधवार को ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर बड़ा हमला किया। ये दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस क्षेत्र है। इसे ईरान और कतर दोनों साझा करते हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार मिसाइल और एयरस्ट्राइक से गैस प्रोसेसिंग फैसिलिटी, टैंकों और आसालुयेह क्षेत्र में आग लग गई, जिससे उत्पादन प्रभावित हुआ और कई फेज बंद हो गए। यह युद्ध शुरू होने के बाद ईरान की ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर अब तक का सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को इस हमले की जानकारी नहीं थी और इजरायल आगे ऐसा नहीं करेगा, लेकिन अगर ईरान कतर पर फिर हमला करे तो अमेरिका साउथ पार्स को पूरी तरह तबाह कर देगा। इसके बाद से ही ईरान गल्फ देशों पर बिफरा हुआ है।

ईरान ने न्यूक्लियर प्रोग्राम दोबारा शुरू नहीं किया

अमेरिका की खुफिया एजेंसी की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने कहा है कि ईरान ने अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू नहीं किया है। उनके मुताबिक, पिछले साल जून के हमलों के बाद ईरान की यह ताकत लगभग खत्म हो गई थी। यह बात राष्ट्रपति ट्रम्प के दावों से अलग है। ट्रम्प कहते रहे हैं कि ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम खतरा है और इसी वजह से हाल का युद्ध जरूरी था। गबार्ड ने कहा कि 2025 में अमेरिका और

इजराइल के हमलों के बाद ईरान ने इसे दोबारा शुरू करने की कोई कोशिश नहीं की। वहीं, डेमोक्रेटिक नेता मार्क वार्नर ने कहा कि गबार्ड ने अपनी बात का वह हिस्सा सार्वजनिक रूप से नहीं बताया, जो ट्रम्प की बात से अलग था। ईरान पहले से कहता आया है कि वह परमाणु हथियार नहीं बना रहा। कुछ एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि ईरान से तुरंत कोई बड़ा खतरा नहीं है।

खास खबर

एक्स में फिर आई तकनीकी खराबी, न पोस्ट लोड हो रही, न फीड चल रही

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक बार फिर तकनीकी समस्या आ गई। बुधवार शाम को अचानक सर्विस प्रभावित होने लगी, जिसके चलते बड़ी संख्या में यूज़र्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोगों ने शिकायत की कि प्लेटफॉर्म सही तरीके से काम नहीं कर रहा है। आउटेज के दौरान यूज़र्स को वेबसाइट और मोबाइल ऐप दोनों पर परेशानी झेलनी पड़ी। अलग-अलग ब्राउज़र्स पर साइट धीमी या पूरी तरह से अनरिस्पांसिव नजर आई, जबकि एन्डॉड और आईओएस ऐप पर भी कंटेंट लोड नहीं हो रहा था। कई यूज़र्स अपनी फीड रिफ्रेश नहीं कर पा रहे थे और नए पोस्ट देखने या करने में समस्या थी। आंकड़ों के मुताबिक इस तकनीकी गड़बड़ी का सबसे ज्यादा प्रभाव भारत में पड़ा। जैसे-जैसे समस्या बढ़ी, यूज़र्स ने अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर जाकर अपनी परेशानी साझा करनी शुरू कर दी। फिलहाल एक्स की तरफ से इस समस्या को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

बाहुबली अनंत सिंह को मिली जमानत

पटना। पटना हाईकोर्ट ने गुरुवार 19 मार्च 2026 को जेडीयू के बाहुबली विधायक अनंत सिंह को दुलारचंद यादव हत्या मामले में जमानत दे दी है। अनंत सिंह पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान हुए इस हत्याकांड के आरोप में पटना की बेऊर जेल में बंद थे। कोर्ट ने बाहुबली विधायक की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए उन्हें रिहा करने का आदेश दिया। हत्याकांड से जुड़ा यह मामला अक्टूबर 2025 का है, जब मोकामा में चुनावी प्रचार के दौरान जन सुराज पार्टी के समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद पुलिस ने अनंत सिंह को मुख्य आरोपी मानते हुए गिरफ्तार किया था।

अस्पताल अग्निकांड में 4 अफसर सस्पेंड

कटक। कटक के श्रीराम चंद्र भंज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आग लगने की घटना के दो दिन बाद ओडिशा सरकार ने 4 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इनमें अग्निशमन सेवा के 3 और विद्युत विभाग का एक अफसर शामिल है। इस बीच, विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल ने चार जूनियर अधिकारियों के निलंबन को सिर्फ दिखावा बताया। बीजद के प्रवक्ता लेनिन मोहंती ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने इतने संवेदनशील मामले को लेकर बहुत ही लापरवाही भरा रवैया अपनाया है। दरअसल, एससीबी मेडिकल कॉलेज में 14-15 मार्च की दरमियानी रात करीब 3 बजे आग लगी थी। हादसे में मरने वाले मरीजों की संख्या 12 हो गई है।

एसबीआई फ्रॉड मामले में पूछताछ के लिए सीबीआई के सामने पेश होंगे अनिल अंबानी

नई दिल्ली। एसबीआई फ्रॉड मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी से सीबीआई पूछताछ करेगी। सीबीआई की पूछताछ रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम) से जुड़ी हुई है, जिसे लेकर एसबीआई ने एफआईआर दर्ज कराई थी। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने बताया कि रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के संबंध में एसबीआई द्वारा दायर शिकायत के आधार पर दर्ज एफआईआर के सिलसिले में अनिल डी. अंबानी 19 और 20 मार्च को दिल्ली में सीबीआई के समक्ष पेश होंगे। प्रवक्ता ने कहा कि यह पेशी अंबानी इस मामले में सभी एजेंसियों को पूरा सहयोग करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले सप्ताह अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी से सीबीआई ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े 228 करोड़ के धोखाधड़ी मामले में पूछताछ की थी। प्रमुख जांच एजेंसी ने उनसे दो दिनों तक पूछताछ की। एजेंसी ने उनसे एक कथित बैंक धोखाधड़ी मामले के संबंध में पूछताछ की, जिसमें उनके साथ रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के पूर्व सीईओ और पूर्व पूर्णकालिक निदेशक रविंद्र सुधालकर और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने 6 दिसंबर, 2025 को रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल), जय अनमोल अनिल अंबानी, रविंद्र सुधालकर, अज्ञात व्यक्तियों और अज्ञात सरकारी कर्मचारियों से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में केस दर्ज किया था।

बंगाल चुनाव से पहले चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन, 40 से ज्यादा अफसरों का तबादला

शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर पुलिस महकमे तक व्यापक फेरबदल, राजनीतिक माहौल गरमाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद निर्वाचन आयोग ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए राज्य में व्यापक फेरबदल किया है। अब तक 40 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पदों से हटाया या स्थानांतरित किया जा चुका है, जिसे लेकर अब राजनीतिक गलियारे में भी हड़कंप मचा हुआ है।

राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा को उनके पदों से हटाकर चुनाव से जुड़े कार्यों से दूर कर दिया गया है। उनकी जगह दुश्मंता नरिवाला को नया मुख्य सचिव और संगमित्रा घोष को गृह सचिव नियुक्त किया गया है। प्रशासनिक स्तर पर इतनी तेजी से बदलाव को राज्य के इतिहास में दुर्लभ माना जा रहा है।

यह कार्रवाई केवल शीर्ष अधिकारियों तक सीमित नहीं रही। पुलिस विभाग में भी बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), कानून-व्यवस्था के महानिदेशक, दक्षिण बंगाल के अतिरिक्त महानिदेशक और उत्तर बंगाल के महानिरीक्षक सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों को बदला गया है। इसके साथ ही बैरकपुर, हावड़ा, आसनसोल और चंदननगर जैसे प्रमुख शहरों के पुलिस आयुक्तों का भी स्थानांतरण किया गया है।

क्षेत्रीय स्तर पर भी इसका व्यापक असर देखने को मिला है। मुर्शिदाबाद, बर्दवान, प्रेसिडेंसी रेंज, रायगंज और जलपाईगुड़ी के पांच डीआईजी को हटाया गया है, जबकि कूचबिहार, बीरभूम, हुगली ग्रामीण, मालदा और पूर्व-पश्चिम मेदिनीपुर समेत 12 जिलों के पुलिस अधीक्षकों का तबादला किया गया है। साथ ही 15 आईपीएस अधिकारियों को अन्य राज्यों में चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।

राजनीतिक मोर्चे पर भी इस कार्रवाई को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने जहां चुनावी जीत का दावा किया है, वहीं ममता बनर्जी ने आयोग की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है।

दारा सिंह की रिहाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा सरकार से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के तहत वर्ष 1999 में ऑस्ट्रेलियाई मिशनरी ग्राहम स्टीवर्ट स्टेन्स और उनके दो नाबालिग बेटों की हत्या के दोषी दारा सिंह की रिहाई को लेकर सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत ने मामले में तत्काल कोई अंतिम निर्णय न देकर ओडिशा सरकार से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई की तारीख 13 मई निर्धारित की है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की द्वि-न्यायाधीशीय पीठ ने स्पष्ट किया कि जब तक राज्य की सजा समीक्षा प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक अदालत आगे की सुनवाई नहीं करेगी। इस दौरान अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह सभी आवश्यक रिपोर्टों और तथ्यों की समीक्षा कर अपना निर्णय तय समय सीमा के भीतर प्रस्तुत करे।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ए.के. सिंह ने दलील दी कि दारा सिंह, जिनका वास्तविक नाम रबींद्र कुमार पाल है, पिछले 26 वर्ष 6 माह से अधिक समय से जेल में हैं। उन्होंने कहा कि यह अवधि आजीवन कारावास की सामान्य व्याख्या से भी अधिक है, इसलिए उन्हें रिहाई के लिए विचार किया जाना चाहिए। वकील ने यह भी बताया कि जेल रिकॉर्ड के अनुसार दोषी का व्यवहार संतोषजनक रहा है। वह योग, धार्मिक गतिविधियों और अनुशासन में सक्रिय रहा है तथा उसके खिलाफ किसी भी प्रकार की हिंसात्मक या अनुशासनहीन गतिविधि दर्ज नहीं है। दूसरी ओर, ओडिशा सरकार की तरफ से एडवोकेट जनरल पीतांबर आचार्य ने अदालत को जानकारी दी कि दारा सिंह की रिहाई से संबंधित सभी पहलुओं पर विचार किया जा रहा है।

कुछ ना कहना

बिना टोल चुकाए निकलना अब पड़ेगा मंहगा...दोगुना भरना होगा जुर्माना

नई दिल्ली,। अगर आप हाईवे पर सफर करते हैं और कभी-कभी टोल देना भूल जाते हैं, तब अब सावधान हो जाए। मोदी सरकार ने नए नियम लागू कर दिए हैं, इसके तहत बिना टोल चुकाए निकलना अब काफी महंगा साबित हो सकता है। नए नियमों के अनुसार, अगर कोई वाहन चालक टोल टैक्स नहीं देता है, तब वाहन चालक को अब टोल की रकम का दोगुना जुर्माना भरना होगा, यानी अगर आपका टोल 100 था, तब अब आपको 200 तक का भुगतान करना होगा। यह कदम टोल चोरी को रोकने और सिस्टम को ज्यादा पारदर्शी बनाने के लिए उठाया गया है। सबसे खास

बात यह है कि अब मोदी सरकार टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर सीधे आपके मोबाइल पर नोटिस भेजेगी। ये ई-नोटिस संदेश, ईमेल और मैसेजिंग ऐप के जरिए भेजे जाएंगे, यानी अब आप यह बहाना नहीं बना सकते कि आपको जानकारी नहीं मिली। अगर कोई व्यक्ति नोटिस मिलने के बाद भी 15 दिनों के अंदर जुर्माना नहीं भरता है, तब उसके लिए परेशानी और बढ़ सकती है। केंद्र सरकार ने इसतरह के मामलों में वाहन पोटर्ल की सेवाएं बंद कर सकती है। इसका मतलब है कि आप अपने वाहन से जुड़े जरूरी काम जैसे आरसी अपडेट, ट्रांसफर या अन्य ऑनलाइन सुविधाएं नहीं कर पाएंगे। इन नियमों का मकसद टोल कलेक्शन सिस्टम को मजबूत बनाना और नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। खासकर फास्टटैग सिस्टम लागू होने के बाद भी कुछ लोग जानबूझकर टोल से बचने की कोशिश करते हैं, जिसे अब रोकने की तैयारी की गई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त की मतदाताओं से अपील...

बिना किसी डर, दबाव या पक्षपात के वोट करें

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच भारत निर्वाचन आयोग ने असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने की बात कही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मतदाताओं से अपील की है कि वे बिना किसी डर, दबाव या पक्षपात के अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोग किसी भी प्रकार की हिंसा, धमकी या लालच को बिल्कुल सहन नहीं करेगा। विपक्षी दलों, विशेष रूप से तृणमूल कांग्रेस द्वारा आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त पर उठाए गए सवालों पर प्रतिक्रिया देकर उन्होंने कहा कि आयोग आलोचनाओं से प्रभावित हुए बिना अपने संवैधानिक दायित्वों का पालन करेगा। आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी राजनीतिक दलों को समान मौके मिले और चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष हों।

इस दिशा में आयोग ने बड़े स्तर पर प्रशासनिक बदलाव किए हैं। चुनाव वाले राज्यों में कुल 1,111 केंद्रीय पर्यवेक्षकों की

नियुक्ति की गई है। इसके अलावा, पुलिस अधीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट, जिला निर्वाचन अधिकारी से लेकर उच्च स्तर के अधिकारियों—जैसे पुलिस महानिदेशक, गृह सचिव और मुख्य सचिव—तक के तबादले के आदेश दिए गए हैं। यह कदम उन अधिकारियों के खिलाफ उठाया गया है जिन पर किसी विशेष राजनीतिक दल के प्रति झुकाव होने का संदेह था। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में आयोग ने सख्ती दिखाई, जहां यह पाया गया कि कुछ अधिकारी सत्तारूढ़ दल के पक्ष में कार्य कर रहे थे, जबकि निष्पक्ष अधिकारियों को दंडित किया जा रहा था। एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी पुष्टि की कि पिछले चुनावों में निष्पक्ष अधिकारियों को नुकसान उठाना पड़ा था।

चैत्र नवरात्र के पहले दिन मंदिरों में उमड़ी भीड़

महाआरती और घट स्थापना में शामिल हुए श्रद्धालु, देर रात तक मंदिरों में लगा रहा भक्तों का ताता, माता के पहले स्वरूप शैलपुत्री की हुई विशेष पूजा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

गुरुवार का दिन जिले भर में भक्ति के नाम रहा।जहां चैत्र नवरात्र के पहले दिन माता के भक्त, भक्ति भाव में डूबे नजर आए। जिले के विभिन्न माता मंदिरों में चैत्र नवरात्र की शुरुआत विशेष आराधना के रूप में की गई। इस दौरान विभिन्न माता मंदिरों में भक्तों ने विशेष पूजा-अर्चना महाआरती ज्योति कलश सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों मे भाग लिया।तो वही इस विशेष पर्व पर घर-घर ज्योति कलश, ज्वारे स्थापित कर माता रानी की विशेष आराधना की गई।नगर सहित जिले के विभिन्न माता मंदिरो, व घरों में चैत्र नवरात्र के पहले दिन माता के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा अर्चना की गई।वहीं भक्तजनों द्वारा मनोकामनाओ के ज्योति कलश प्रजलित किए गए।वही गुरुवार को दिन भर चैत्र नवरात्र पर सुबह से लेकर देर रात तक मंदिरों में भक्तों का ताता लगा रहा।

शक्ति की भक्ति का महापर्व है चैत्र नवरात्र

आपको बताए कि हिंदू धर्मावलंबियों के प्रमुख पर्वो में से एक चैत्र नवरात्र पर्व की शुरुवात आज 19 मार्च गुरुवार से हो गई है।जहां 27 मार्च तक चैत्र नवरात्र का पर्व मनाया जाएगा।जहां इस पर्व विशेष पर जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा 9 दिनों तक माता रानी के विभिन्न रूपो की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। शक्ति की भक्ति के इस महापर्व चैत्र नवरात्र में विभिन्न माता मंदिरो में अखंड ज्योति कलश, ज्वारे स्थापना, महाआरती, हवन-पूजन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन किए जाएंगे।जिसकी शुरुवात गुरुवार सुबह से कर दी गई है।

धार्मिक अनुष्ठान के लिए मन्दिरो में उमड़ी भीड़

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां दुर्गा को शक्ति का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि नवरात्रि में विधि पूवर्क पूजा करने से मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है और कष्ट, रोग, शत्रु से मुक्ति मिलती है। जिसको लेकर गुरुवार को सुबहा से लेकर देर रात तक नगर सहित जिले के तमाम माता मन्दिरो में भक्तों का जनसैलाब देखने को मिला।जहां श्रद्धालु भक्तो ने पूजा पाठ महाआरती सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों ने भाग लेकर चैत्र नवरात्र व हिन्दू नूतन वर्ष की शुरुवात की।जहा माता रानी की पूजा अर्चना का यह सिलसिला सुबहा से लेकर देर रात तक देखने को मिला। तो वही माता रानी के दर्शन के लिए श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ नजर आई।

मंत्रोच्चारण के साथ स्थापित किए गए मनोकामनाओं के कलश

चैत्र नवरात्रि के अवसर पर गुरुवार को जिले के प्रमुख मंदिरों के साथ घर-घर घट स्थापना की गई।शहर के माता मंदिरों में सुबह घट स्थापना के दौरान बड़ी तादाद में भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। यहां दुर्गा माता का आकर्षक श्रृंगार करने के बाद मन्त्रोच्चार के साथ मनोकामनाओ की पूर्ति के लिए घट स्थापना की गई। इस दौरान शहर के लोगों ने बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचकर माताजी के दर्शन किए व महा आरती में शामिल होकर परिवार की खुशहाली व सुख-समृद्धि की कामना की।इस दौरान नगर के काली पाठ मंदिर, त्रिपुर सुंदरी मंदिर, हनुमान चौक दुर्गा माता मंदिर, साईं मंदिर, सहित नगर के विभिन्न देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ देखने को मिली,जहा सुबहा लेकर देर रात तक भक्तों की आवाजाही बनी रही।

माता के शैलपुत्री स्वरूप की हुई विशेष आराधना

नवरात्रि के प्रथम दिन आज माता के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा की गई। मां शैलपुत्री को सौभाग्य और शांति की देवी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा करने से हर तरह के सुख और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। इस तरह 9 दिनों तक शक्ति की देवी माता दुर्गा के शक्ति स्वरूपों की पूजा अलग-अलग दिन की जाएगी। वही चैत्र नवरात्र के पावन पर्व पर नगर के समस्त माता मंदिर ट्रस्ट द्वारा 09 दिनों तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। जिसमें अखंड ज्योति कलश स्थापना, दीपो से महाआरती, प्रसाद वितरण, नवमी पर हवन पूजन यज्ञ व कन्या भोज का आयोजन किया जाएगा।वही 27 मार्च को शोभायात्रा निकालकर, कलश ज्योति विसर्जन व महाप्रसाद का वितरण कर पर्व विशेष का समापन किया जाएगा।

माँ के ब्रह्मचारिणी स्वरूप की पूजा आज

चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन आज शुक्रवार को माता रानी के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा अर्चना की जाएगी। शास्त्रों के अनुसार मां ब्रह्मचारिणी की पूजा अर्चना करने से सर्व सिद्धि की प्राप्ति होती है इसी वजह से मां के इस द्वितीय स्वरूप की पूजा अर्चना के लिए भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।।

प्रेम नगर दुर्गा मंदिर में भी हुए विभिन्न आयोजन

प्रेम नगर स्थित दुर्गा मंदिर में 19 मार्च दिन गुरुवार को चैत्र नवरात्री पर्व, हिन्दू नव वर्ष के साथ शुरू किया गया।जहा माता रानी की पूजा, घट स्थापना कर ज्वारे बोये गये।जहा प्रेम नगर दुर्गा मंदिर के पुजारी पूडेश द्विवेदी द्वारा विधि विधान से पूजन अर्चन कराया गया।इस अवसर पर मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों में मनोज, मिर्दुल शुक्ला, अमित पांडे, श्री कटरे, विश्वास शुक्ला, दिनेश नेमा, दीपक प्राथनी शुभम, श्रीमति इंदिरा धारने, श्रीमति यू कटरे, श्रीमती शुक्ला, श्रीमती, पूर्णिमा चावले, श्रीमती पिप्लेवार, श्रीमति घूरसरिया, श्रीमति सरोज नेमा आदि भक्तजनों की उपस्थिति रही।

शिकायत पर हैंडपंप खुला तो सही, पर लगना भूल गए जिम्मेदार

भानपुर के राम मंदिर क्षेत्र में जल संकट निर्मित, श्रद्धालु रहवासी प्यासे

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत भानपुर में हैंडपंप को लेकर एक नया मामला प्रकाश में आया है। जहां पानी की किल्लत से निपटने हैंडपंप खोला तो गया परंतु उसे लगाना जिम्मेदार भूल चुके हैं। जहां आसपास के क्षेत्र में जल संकट की स्थिति बनी हुई है तो वही रहवासी एवं श्रद्धालुओं को पानी की समस्या बनी हुई है। जिसको लेकर बीते २ महीने से पूर्व सरपंच भरतलाल डहारे के द्वारा जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी श्री माहुले पिपरिया निवासी से कार्य को पूर्ण करने की मांग की जा रही है। परंतु उक्त विषय पर गंभीरता से कोई ध्यान नहीं दे रहा है जो प्रशासन की एक गंभीर लापरवाही के रूप में समस्या बनी हुई है। इस संबंध में पूर्व सरपंच भरतलाल डहारे ने बताया कि हमारे भानपुर ग्राम में भगवान श्री राम का मंदिर है जहां पर एक हैंडपंप स्थित है जिससे बहुत कम पानी निकलता था। काफी समस्या होती थी जिसको लेकर गर्मी के समय में होने वाली समस्या को देखते हुए विभाग को इसकी शिकायत की गई थी। जिस पर पिपरिया निवासी श्री माहुले के द्वारा ग्राम में आकर श्री राम मंदिर के पास के हैंडपंप को सुधार कार्य करने के लिए खोला गया था। जिसका सुधार कार्य उनके द्वारा पूरा नहीं किया गया और वैसे ही खुला छोड़ दिया गया। यह घटना को २ महीने बीत चुके हैं परंतु वर्तमान तक हैंडपंप मैकेनिक श्री माहुले के द्वारा हैंडपंप का सुधार कार्य या उसे व्यवस्थित बंद करने का कार्य नहीं किया गया है। जिसको लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कटंगी एवं अन्य जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों को मौखिक और लिखित शिकायत की जा चुकी है। उक्त समस्या पर वर्तमान तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी के द्वारा ध्यान नहीं दिया गया है जो एक घोर लापरवाही है। ग्राम में राम मंदिर एक आस्था का केंद्र है जहां पर रोजाना श्रद्धालु बड़ी संख्या में जाते हैं वर्तमान में नवरात्र भी चालू हो गया है। जिससे श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ गई है वहीं आसपास निवासरत लोग भी उक्त हैंडपंप के माध्यम से पानी प्राप्त करते हैं। एक बड़ी समस्या वर्तमान में पानी की राम मंदिर में बनी हुई है वहीं गर्मी का भी मौसम प्रारंभ हो गया है। जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों से हमारी मांग है कि वह उनके द्वारा छोड़े गए इस अधूरे कार्य को पूर्ण करने का काम करें यह एक जन समस्या है।

कार्यालय ग्राम पंचायत दुलापुर
जनपद पंचायत लांजी, जिला बालाघाट

क्रमांक / क्यू / ग्रा. प. दुलापुर दिनांक 19/03/2026

।। निविदा ।।

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत दुलापुर में भवन निर्माण कार्य, सीसी सड़क, आर सीसी नाली, बाउंड्री वाल अन्य इत्यादि कार्य हेतु सामग्री रेत, गिट्टी, सीमेंट, लोहा, ईटा, सेंट्रिंग, मिक्सर मशीन, इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, पीवीसी पाईप , सेनेटरी खिडकी दरवाजे, टाइल्स व अन्य कार्य के लिए सामग्री क्रय की जानी है। इन कार्यों के लिए दिनांक 28/03/2026 तक उपर लिखित वर्णित सामग्री हेतु मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं। निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत नेवरवाही में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें ।

तारांचद कुचलाहे	संजय धारणे	ऋषि कुमार मस्करे	नोहरलाल पिपलेवार
सरपंच	उपसरपंच	सचिव	सहायक सचिव

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत दुलापुर तहसील लांजी
जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

दो ट्रकों में अवैध काष्ठ परिवहन पकड़ा, 33.625 घनमीटर लकड़ी जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट वन विभाग की सतर्कता से अवैध काष्ठ परिवहन के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है। मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी एवं वनमंडल अधिकारी नित्यानंदम एल. के निर्देशानुसार वन परिक्षेत्र खैरलांजी सामान्य अंतर्गत यह संयुक्त कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, 12 मार्च 2026 को राजस्व ग्राम पिंडकेपार में भूमिस्वामी किशनलाल पिता नत्थूलाल जैतवार की भूमि से काटे गए वृक्षों की लकड़ी से भरे दो ट्रक (क्रमांक रू॥40क्क7567 एवं रू॥40ष्ट84363) संदिग्ध अवस्था में पाए गए। इस पर वन परिक्षेत्र खैरलांजी का अमला एवं वन वृत्त बालाघाट के उड़नदस्ता दल द्वारा संयुक्त जांच की गई। निरीक्षण के दौरान दोनों वाहनों में भरी लकड़ी पर संपत्ति चिन्ह कूटरचित (संदिग्ध) पाए गए। इसके चलते दोनों ट्रकों को जब्त कर परिक्षेत्र कार्यालय खैरलांजी परिसर में लाया गया, जहां लकड़ी का नाप-जोख किया गया। जांच में वाहनों में आंजन, हिवर एवं अन्य प्रजातियों के 120 नग लट्ठे (26.647 घनमीटर) तथा मौके पर 38 नग लट्ठे (6.678 घनमीटर) पाए गए। इस प्रकार कुल 158 नग लट्ठों की 33.625 घनमीटर काष्ठ जब्त की गई। इस प्रकरण में वन अपराध क्रमांक 12636/09 दिनांक 13-03-2026 के तहत भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 63 में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी है। कार्रवाई में परिक्षेत्र अधिकारी डी.सी. वासनिक, उप परिक्षेत्र अधिकारी युवराज बोरकर, विजय सिंह कुशरे, वनपाल राकेश साहू, चंद्रकुमार कडव, वनरक्षक जामेंद्र सिंहमारे, निलयकीर्ति सुखदेवे, सौरभ शर्मा सहित सुरक्षा श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सूर्य उपासना पर्व विक्रम संवत से जल गंगा संवर्धन अभियान

पद्मेश न्यूज। उकवा। म.प्र के माननीय मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के आह्वान पर एवं जिला कलेक्टर महोदय के निर्देशन में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद व जनपद पंचायत बैहर के संयुक्त तत्वाधान में विकासखंड बैहर द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत विक्रम संवत सूर्य उपासना नव

संवत मनाकर किया गया इस अवसर पर कलश यात्रा तिलक वंदन ध्वजारोहण के साथ व अतिथियों के उदबोधन द्वारा आज के पर्व के महत्व पर जन समूह को अवगत कराया गया इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बी एस मेरावी विकासखंड समन्वयक श्री महेश पटले श्री शिवनाथ यादव श्री रामेश्वर पटले श्री नवजीत परिहार व महेंद्र नागेश्वर द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किये गए अतिथियो ने बताया कि विक्रम संवत एक पारंपरिक हिंदू पंचांग है, जो भारत में प्राचीन काल से प्रचलित है यह संवत 57 ईसा पूर्व में उज्जैन के राजा विक्रमादित्य द्वारा शुरू किया गया था, जिन्होंने शकों को हराया था। यह संवत चैत्र मास से शुरू होता है।विक्रम संवत का उपयोग ज्योतिष, धार्मिक अनुष्ठानों और पारंपरिक त्योहारों के लिए किया जाता है। प्रकृतिं जिस तरह आज के दिन पल्लवित व पुष्पित है उसे इसी रूप में रखने के लिए व नए आयाम स्थापित करने के लिए जल गंगा अभियान अंतर्गत जल संरचनाओं की स्वच्छता, नदी की साफ सफाई गहरीकरण का कार्य किया जाना है आज के कार्यक्रम में जनपद पंचायत बैहर ग्राम पंचायत कोहका जनपद पंचायत बैहर अभियान परिषद की नवांकुर संस्था सी एम सी एल जी पी के छात्रो तथा जन भागीदारी से श्रमदान किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्रामवासियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई और पानी का दुरुपयोग ना करने की भी शपथ दिलाई गई। आज इस अवसर पर नवांकुर संस्था के श्री कुन्दन मेरावी ए पी ओ श्री दिलीप कोडपे पी सी ओ लखन मरकाम ए डी ओ काव्या बिसेन ए डी माया धुर्वे समाज सेवी संदीप गजभिये, अभय यादव एवं पंचायत सचिव रमेश ढोढरे हेमंत पटले दीपलता चौधरी रेखा ठाकरे शिवम ममता पटले अंजली पटले सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे अधिकारी कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

हिंदू नववर्ष पर नगर में गूंजा जय श्रीराम का घोष

भगवा बाइक रैली से शुरू, रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी 26 मार्च को राम नवमी के अवसर पर भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। पूरे शहर को सजाने और आयोजन को भव्य बनाने के लिए विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा लगातार बैठकें और तैयारियां की जा रही हैं।श्रीराम मंदिर ट्रस्ट एवं विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रमों में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि आयोजन को व्यापक स्वरूप दिया जा सके। 26 मार्च को भव्य रूप से आयोजित होने वाले भगवान श्री राम जन्मोत्सव की शुरुआत आज गुरुवार 19 मार्च से की गई, जिसके तहत नगर में एक बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान जय श्री राम के उद्घोष से पूरा नगर गुंजमान हो उठा। बताया गया कि इस जन्मोत्सव के तहत 26 मार्च तक नगर में रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।

भगवा मोटर साइकिल रैली से हुआ शुभारंभ

हिंदू नववर्ष के अवसर पर जिले में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भव्य शुरुआत हो गई है। हिंदू नववर्ष के मौके पर 19 मार्च को विशाल भगवा मोटर साइकिल रैली निकाली गई। यह रैली स्थानीय उत्कृष्ट मैदान से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः वहीं समाप्त हुई। रैली में युवाओं और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जय श्रीराम के नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना दिया।

चौक-चौराहों पर विराजेंगी प्रतिमाएं, रोजाना होंगे कार्यक्रम

आयोजन के तहत 21 और 22 मार्च को जिला मुख्यालय के प्रमुख चौक-चौराहों पर भगवान श्रीराम से संबंधित प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी, जिससे पूरे शहर में धार्मिक वातावरण और भी सघन होगा।वही 23 मार्च को शाम 6 बजे आंबेडकर चौक पर स्वधारा म्यूजिकल ग्रुप द्वारा संगीतमय 21 हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। इसके बाद 24 मार्च को शाम 7 बजे प्रसिद्ध भजन गायक गणेश मिश्रा (राजनांदगांव, तालछापर) द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन होगा। वही 25 मार्च को आंबेडकर चौक पर महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें गणेश उत्सव समिति अयोध्या नगर (सिवनी) द्वारा भव्य प्रस्तुति दी जाएगी।

26 मार्च को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

कार्यक्रमों का समापन 26 मार्च को भव्य शोभायात्रा के साथ होगा, जो पुराने श्रीराम मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरेगी। इस शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की जीवंत झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके अलावा उज्जैन से आने वाले डमरू वादक और छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव की आकर्षक झांकियां भी शामिल होंगी, जो आयोजन को और भव्य बनाएंगी।आयोजन समिति के अनुसार, इस धार्मिक महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है और पूरे जिले में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

कार्यालय ग्राम पंचायत नेवरवाही
जनपद पंचायत लांजी, जिला बालाघाट

क्रमांक / क्यू / ग्रा. प. नेवरवाही दिनांक 19/03/2026

।। निविदा ।।

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत नेवरवाही में भवन निर्माण कार्य, सीसी सड़क, आर सीसी नाली, बाउंड्री वाल अन्य इत्यादि कार्य हेतु सामग्री रेत, गिट्टी, सीमेंट, लोहा, ईटा, सेंट्रिंग, मिक्सर मशीन, इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, पीवीसी पाईप , सेनेटरी खिडकी दरवाजे, टाइल्स व अन्य कार्य के लिए सामग्री क्रय की जानी है। इन कार्यों के लिए दिनांक 28/03/2026 तक उपर लिखित वर्णित सामग्री हेतु मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं। निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत नेवरवाही में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें ।

झामेन्द्र टिकेश्वर	दुरगलाल मातरे	ऋषि कुमार मस्करे	इन्द्र कुमार टिकेश्वर
सरपंच	उपसरपंच	सचिव	सहायक सचिव

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत नेवरवाही तहसील लांजी
जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

दुकान बेचना है
शहर के मध्य प्राइम लोकेशन हनुमान चौक श्याम मॉल की अपर ग्राउंड फ्लोर की फ्रंट की तीन शटर वाली दुकान नंबर 5 बेचना है।
संपर्क-9425391870

आवश्यकता है
ऑफिस एकाउंट/ ऑडिट कार्य हेतु 10वीं, 12वीं, बी.काम. प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण यवुक/युवती की आवश्यकता है
मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
-संपर्क-
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544/9201340520

कार्यालय ग्राम पंचायत खुर्शीटोला
जनपद पंचायत लांजी , जिला बालाघाट

क्रमांक / क्यू / ग्रा. प. खुर्शीटोला दिनांक 18/03/2026

निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत खुर्शीटोला में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, पंच परमेश्वर , 15 वां वित्त,16 वां वित्त आयोग, 5 वां राज्य वित्त आयोग, मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि, स्वकराधान मद, स्वच्छ भारत अभियान, विधायक - सांसद निधि, जिला पंचायत व जनपद पंचायत निधि, परफार्मेस ग्रांट फंड, स्टेशनरी क्रय एवं अन्य मरम्मत व पंचायत में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री क्रय की जानी हैं । इन कार्यों के लिए दिनांक 25/03/2026 तक नीचे लिखित वर्णित सामग्री हेतु मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं ।

निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा । निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत खुर्शीटोला में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें ।

सामग्री- सीमेंट , लोहा , गिट्टी , सीमेंट पाइप , लोहा पाइप , टीन , मिट्टी , मुरम , रेत , ईट , मिक्कर मशीन , वाइब्रेटर मशीन , पॉलीथीन , थर्माकॉल , फ्लैक्स, रोलर, पेवर ब्लॉक , नल जल योजना हेतु पाइप, हेंडपम्प संधारण हेतु सामग्री, विद्युत मोटर, कुर्सी , टेबल , स्ट्रीट लाईट संबंधी सामग्री, पी.वी.सी पाइप 10 फीट , एंगल नट बोल्ट सहित , सेटिंग , तार , खीला , आईल , पेंट , दरी , आलमारी , कूलर , लैपटाप , कम्प्युटर सामग्री , टंकी , स्टेशनरी क्रय , नल - जल संधारण की सामग्री , पौधा क्रय , पंडाल व्यवस्था , मिष्ठान , जेसीबी मशीन , ट्रेक्टर ट्राली , परिवहन सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल हैं ।

ओमप्रकाश दौने	मिथलेश यादव
सरपंच	रोजगार सहायक

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत खुर्शीटोला तहसील लांजी
जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

नगर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई गौतम महर्षि ऋषि जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गुरुवार 19 मार्च को नगर में गौतम महर्षि ऋषिजी की जयंती श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई।जिसके तहत प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी समाज के गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें गौतम ऋषि जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए गौतम महर्षि ऋषि जी के जीवन, उनके आदर्शों एवं समाज के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि गौतम ऋषि

जी का जीवन हमें सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।इस अवसर पर कमल किशोर जोशी, जगदीश प्रसाद शर्मा, सुभाष चंद्र तिवारी, पीतांबर पंचारिया, रामेश्वर जोशी, पम्मू प्रमोद शर्मा,रवि जोशी, परमानंद उपाध्याय, गिरि पंचारिया, अनिल पंचारिया, मनोज शर्मा, राजकुमार जोशी, विकास शर्मा, सुरेश जोशी, रामा महाराज, जुगल शर्मा एवं रामेश्वर सोनी सहित अन्य उपस्थित जनों ने अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम में समाज के कई गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। अंत में आयोजकों द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया तथा प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जिला चिकित्सालय की सुविधाएं कागजों पर मरीजों का भरोसा निजी अस्पतालों पर क्यों

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहीद भगत सिंह शासकीय जिला चिकित्सालय को जिले का प्रमुख सरकारी स्वास्थ्य केंद्र माना जाता है। इसे गुणवत्ता प्रमाणपत्र (क्वालिटी सर्टिफिकेट) भी प्राप्त है। जो इस बात का संकेत है कि यहां मरीजों के उपचार के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं। लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आती है। सवाल यह है कि जब अस्पताल सर्वसुविधायुक्त है, तो मरीजों को निजी अस्पतालों का रुख क्यों करना पड़ रहा है?

रिफर की बढ़ती प्रवृत्ति पर सवाल

दुर्घटनाओं में घायल मरीजों को इस अस्पताल में भर्ती करने के बाद अक्सर तुरंत ही हायर सेंटर रेफर कर दिया जाता है। जबकि यहां तीन-तीन ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ पदस्थ हैं। फिर भी हाथ-पैर के फ्रैक्चर जैसे सामान्य मामलों में भी समुचित इलाज नहीं मिल पाता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या ऑपरेशन (नेलिंग, प्लेटिंग) के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी है या फिर विशेषज्ञता का पर्याप्त उपयोग नहीं हो रहा।

माइनर ऑपरेशन भी बन रहे चुनौती

हर्निया, पाइल्स और अपेंडिक्स जैसे सामान्य ऑपरेशन समय पर नहीं किए जाते। मरीजों को लंबी तारीख दी जाती है। जिससे परेशान होकर वे निजी अस्पतालों का सहारा लेने को मजबूर हो जाते हैं। पेट रोग और अन्य सामान्य सर्जरी के मामलों में भी सक्रियता की कमी दिखाई देती है।

पहले बेहतर इलाज होते थे

करीब 10-15 वर्ष पहले, सीमित संसाधनों के बावजूद इस अस्पताल में नियमित रूप से बड़े ऑपरेशन किए जाते थे। उस समय के सर्जन डॉ. के.के. खोसला और डॉ. संजय ढबड़गांव के कार्यकाल में मरीज दूर-दूर से इलाज के लिए उनके नाम लेकर आते थे। दोनो सर्जन चिकित्सक के सेवानिवृत्त होने के बाद ऑपरेशन की संख्या में कमी और रेफर की प्रवृत्ति बढ़ती नजर आती है।

महिला स्वास्थ्य उपचार पर सवाल

ट्रॉमा सेंटर भी विवादों में घिरा हुआ है। प्रसव के लिए भर्ती गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त सुविधा नहीं मिलती और कई बार उन्हें निजी अस्पतालों की ओर भेज दिया जाता है। महिलाओं से संबंधित बीमारियों के ऑपरेशन भी यहा नहीं किए जाते। जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। ऐसे वर्ग को निजी अस्पताल का रुख अपना कर अपना ऑपरेशन करवाना पड़ता है।

अन्य विभागों की स्थिति भी चिंताजनक

दंत चिकित्सा और मेडिकल वार्ड में भी मरीजों को समुचित उपचार नहीं मिल पा रहा। कई मरीज भर्ती होने के बाद ही निजी अस्पतालों का रुख कर लेते हैं।जो सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है। मस्तिष्क और हृदय रोग का इलाज तो इस चिकित्सालय में कोसों दूर है।

बच्चों के इलाज में उम्मीद की किरण

हालांकि, बच्चों के इलाज के मामले में यह अस्पताल एक सकारात्मक उदाहरण बना हुआ है। आसपास के जिलों से भी बाल रोगियों को यहां बेहतर उपचार मिल रहा है। जो इस संस्थान की एक मजबूत कड़ी है।

गुणवता प्रमाण पत्र मिला- किंतु मरीजों को उपचार नही

गुणवत्ता प्रमाणपत्र मिलने के बावजूद यदि मरीजों को बुनियादी उपचार के लिए भी निजी अस्पतालों की ओर जाना पड़े तो यह स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। जरूरत है कि प्रशासन इस दिशा में ठोस कदम उठाए। संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित करे और डॉक्टरों की जवाबदेही तय करे।ताकि मरीजों का भरोसा दोबारा सरकारी अस्पताल पर कायम हो सके।

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गुड़ी पड़वा पर्व

महाराष्ट्रीयन हिंदू धर्मावलंबियों ने की विशेष पूजा अर्चना, हिन्दू नए वर्ष की भक्ति भाव के साथ की गई शुरुवात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चैत्र मास की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में महाराष्ट्रीयन हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा गुड़ी पड़वा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां महाराष्ट्रीयन परिवारों ने घरोंन- घर गुड़ी लगाकर पूर्ण विधि-विधान के साथ विशेष पूजा अर्चना की। वही एक दूसरे को गुड़ी पड़वा पर्व की बधाईयां दी। इस पर्व विशेष को मनाने का लोगों में खासा उत्साह देखा गया। जहां उन्होंने घरों में गुड़ी पड़वा लगाकर नए वर्ष का स्वागत किया।जिसकी शुरुआत 19 मार्च को सूर्योदय के पूर्व से की गई। जहां सूर्योदय के पूर्व ही लोगो ने अपने घरों की सफाई की, वही स्नान कर नए वस्त्र धारण कर,घरों में आकर्षक रंगोली बनाई ,वही आम या अशोक के पत्तों से अपने घर में तोरण बांधने के बाद घर के आगे या छत पर एक झंडा लगाया और एक बर्तन पर स्वस्तिक बनाकर उस पर रेशम का कपड़ा लपेट कर रखा गया।वही उस गुढी में आम ,नीम के पत्ते की माला,मिस्ठान स्वरूप गाठिया माला सहित अन्य मिष्ठान गुड़ी में लगाकर विशेष पूजा अर्चना की।

नकारात्मक शक्तियो को दूर करने किए गए विभिन्न अनुष्ठान

गुड़ी पड़वा पर्व के दिन नकारात्मक शक्तियो को दूर करने किए विभिन्न अनुष्ठान सम्पन्न कराए गए।इस दिन महाराष्ट्रीयन परिवारों ने सूर्यदेव की आराधना के साथ ही सुंदरकांड, रामरक्षास्त्रोत और देवी भगवती की पूजा एवं मंत्रों का जप भी किया।जहां घर-घर पूजा अर्चना के बाद परिवार जनों ने अपने मित्रों सामाजिक बंधुओं और धार्मिक बंधुओं सहित अन्य को गुड़ी पड़वा पर्व और हिंदू नूतन वर्ष की शुभकामनाएं दी।जहां शुभकामनाओं का दौर सुबह से लेकर देर रात तक चलता रहा।आपको बताए कि यह पर्व महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल में खास तौर पर मनाया जाता है। गुड़ी पड़वा के दिन महिलाएं घर में सुंदर गुड़ी लगाती हैं और उसका पूजन करती हैं। माना जाता है कि घर में गुड़ी लगाने से नकारात्मक शक्तियां दूर रहती हैं। घर में सुख समृद्धि आती है

ब्रह्मा जी ने इसी दिन की थी श्रष्टि की रचना

हमारे देश में कई तरह के धार्मिक पर्व और त्योहार मनाए जाते हैं। इन्हीं उत्सवों में से एक है गुड़ी पड़वा। गुड़ी पड़वा एक ऐसा पर्व है, जिसकी शुरुआत के साथ सनातन धर्म की कई सारी कहानियां जुड़ी हैं। तिथि के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गुड़ी पड़वा पर्व मनाया जाता है। इसी दिन से चैत्र नवरात्रि की भी शुरुआत होती है। गुड़ी पड़वा को मानाने के पीछे कई मान्यताएं प्रचलित हैं।कहा जाता है कि इस दिन ब्रह्मा जी ने इस श्रष्टि की रचना की थी। इसके अलावा ये भी कहा जाता है कि गुड़ी पड़वा के ही दिन सतयुग की भी शुरुआत हुई थी। इसलिए इस दिन विशेष पूजा अर्चना की जाती है। वहीं पौराणिक मान्यता के अनुसार, गुड़ी पड़वा के दिन प्रभु श्रीराम ने बालि का वध कर दक्षिण भारत के लोगों को उसके आतंक से मुक्त करवाया था। इसके अलावा अन्य धार्मिक मान्यताओं के तहत इस पर्व को मनाया जाता है।

विजय पतिका का प्रतीक है गुढी

मान्यता है कि वीर मराठा छत्रपति शिवाजी जी ने युद्ध जीतने के बाद सबसे पहले गुड़ी पड़वा का पर्व मनाया था। इसी के बाद मराठी लोग प्रत्येक वर्ष इस परंपरा का पालन करते हैं। इस दिन घर में गुड़ी को विजय पतिका के प्रतीक रूप में भी लगाया जाता है।

ये नूतन वर्ष की शुरुवात है

पर्व विशेष को लेकर की गई चर्चा के दौरान महिलाओं ने बताया कि गुड़ी पड़वा का यहां पर्व खासतौर पर महाराष्ट्र केरल और कर्नाटक में मनाया जाता है। वही जिले में भी इन राज्यों से जुड़े लोग इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ हर साल मनाते हैं।इस पर्व से ही हिंदू नव वर्ष की शुरुआत होती है जिसको लेकर विशेष पूजा अर्चना की जाती है।उन्होंने बताया कि आज ही के दिन भगवान श्री राम ने सीता माता को लंका से अयोध्या वापस लाया था, तब अयोध्यावासी महिलाओं ने घर में गुड़ी लगाई थी, वही भगवान ब्रह्मा जी ने भी आज ही के दिन श्रष्टि में मानव प्रजाति का निर्माण किया था। इसके अलावा आज ही के दिन भगवान विष्णु जी ने मत्स्य अवतार धारण किया था इसके अलावा ऐसी अन्य मान्यताएं हैं जिसको लेकर गुड़ी पडवा का यह पर्व मनाया जाता है और लोगों को हिंदू नूतन वर्ष की बधाई दी जाती है।

बकाया राशि न चुकाने पर तीन दुकानें सील, मौके पर 2.90 लाख की वसूली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट में कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार राजस्व वसूली अभियान के तहत सख्त कार्रवाई की गई। आज दिनांक 19 मार्च 2026 को तहसीलदार बालाघाट श्री सुनील वर्मा के नेतृत्व में नजूल आरआई, हल्का पटवारी एवं राजस्व अमले द्वारा बकायादारों के विरुद्ध अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान सरेखा निवासी मनोज पिता रेवाशंकर द्वारा नजूल नवीनीकरण की बकाया राशि जमा नहीं करने पर उसकी तीन दुकानों को सील कर दिया गया। प्रशासन द्वारा पूर्व में नोटिस जारी किए जाने के बावजूद राशि जमा नहीं की गई थी, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त डायवर्सन एवं नजूल मद की बकाया राशि नहीं चुकाने वाले अन्य बकायादारों के विरुद्ध भी कुर्की की कार्रवाई की गई। राजस्व अमला जब मौके पर पहुंचा, तो बकायादारों ने तत्काल 2.90 लाख रुपये की राशि जमा कर दी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बकाया राशि नहीं चुकाने वाले सभी बकायादारों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

घोंदी के जंगल में मारपीट- सिर में लाठी का वार लगने से एक मजदूर गंभीर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के रूपझर थाना क्षेत्र में आने वाले घोदी के जंगल में ट्रक में हमाली करने गए एक मजदूर को लाठी से मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। यह घटना 18 मार्च की रात्रि में खाना बनाने के विवाद को लेकर हुई। गंभीर रूप से घायल और बेहोश मजदूर संदीप पिता बुधराम मरकाम 26 वर्ष ग्राम नारंगी थाना रूपझर निवासी को बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संदीप मरकाम खेती मजदूरी करता हैऔर वह दो भाई में सबसे बड़ा है। जिसकी पत्नी और दो दो बच्चे हैं बताया गया है कि संदीप मरकाम ट्रक चालक के अलावा हमाली का भी काम करता था। 18 मार्च सुबह 5 बजे संदीप मरकाम अपने गांव के मोहपत, हितेश टेकाम सहित 6 लोग घोंदी का जंगल ट्रक में लट्ठा भरने के लिए गए थे। ट्रक में लट्ठा भरने के दौरान संदीप मरकाम शराब पीने के लिए गोंदी चला गया था और शराब पीकर जंगल लौटा और कुछ काम नहीं कर रहा था।शाम को हितेश टेकाम ने उसे खाना बनाने के लिए बोला था किंतु संदीप मरकाम ने खाना नहीं बनाया। इस दौरान संदीप टेकाम ने भी शराब पी लिया था। खाना बनाने को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया और संदीप मरकाम ने हितेश को काट दिया था। तभी हितेश टेकाम ने आवेश में आकर संदीप मरकाम को मारपीट कर उसके सर पर लाठी से वार कर दिया। लाठी का वार सिर में लगने से संदीप मरकाम बेहोश होकर वहीं गिर गया था। जिसके बाद उसे बेहोशी की हालत में ही नारंगी लाकर उसके घर के छप्पर में सुला दिए थे और उसकी पत्नी संगीता को बताएं कि संदीप मरकाम ट्रक से गिर गया है। घायल संदीप मरकाम का रात्रि में गांव के ही डॉक्टर से इलाज करवाये। डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दिए थे। तब प्राइवेट वाहन से संदीप मरकाम को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर किया गया था। किंतु परिजनों ने उसे बालाघाट नगर के सरदार पटेल अस्पताल ले गये। जहां उसके सिर का ऑपरेशन किया गया है। इसके बाद हितेश टेकाम भी बालाघाट पहुंचा। जिसने घटना की वास्तविक जानकारी दी, कि उसके साथ ही संदीप मरकाम का विवाद हुआ था और मारपीट के दौरान उसके सर में लाठी लगी थी।जिससे वह बेहोश हो गया था। इस पूरे मामले की जानकारी जिला अस्पताल पुलिस ने रूपझर थाने को पहुंचा दी है। इस मामले की आगे जांच रूपझर पुलिस द्वारा की जा रही है।

अमर शहीद आशीष शर्मा मेमोरियल क्रिकेट कप का समापन, डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन इलेवन बनी विजेता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस मुख्यालय के निर्देश एवं पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट जोन ललित शाक्यवार के मार्गदर्शन में पुलिस लाइन बालाघाट में आयोजित अमर शहीद आशीष शर्मा मेमोरियल क्रिकेट कप 2026 का 19 मार्च को सफलतापूर्वक समापन हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत नक्सल हिंसा में शहीद हुए अमर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। समापन अवसर पर शहीद जवानों के परिजनों को विशेष रूप से आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया तथा स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनके बलिदान को नमन किया गया। राज्य स्तरीय पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक सम्मेलन रायपुर, छत्तीसगढ़ के निर्देशों के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से इस प्रकार के खेल एवं सांस्कृतिक आयोजनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में 6 मार्च से 19 मार्च तक इस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुलिस लाइन बालाघाट में आयोजित इस प्रतियोगिता में पुलिस, हॉक फोर्स, जिला प्रशासन, व्यापारी, अधिवक्ता, चिकित्सक सहित मंडला जिले तथा बैहर, लांजी एवं परसवाड़ा क्षेत्र की टीमों ने सहभागिता की। समापन समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्श कांत शुक्ला सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन इलेवन और आईजी एवेंजर्स के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आईजी एवेंजर्स ने 128 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच जीत लिया और टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। विजेता एवं उपविजेता टीमों को नगद पुरस्कार और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। आयोजन के माध्यम से युवाओं में खेल भावना के साथ-साथ सामाजिक समरसता का संदेश भी दिया गया।

बालाघाट के भटेरा बलवा कांड

एक अपचारी बालक सहित तीन गिरफ्तार, दो आरोपी भेजे गए जिला जेल- अपचारी बालक जमानत पर छूटा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली पुलिस ने भटेरा बलवा कांड में एक नाबालिक सहित तीन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार दो आरोपी अरुण पिता धरम चन्द्र मोहारे 32 वर्ष और तेजराम पिता गोविंदराम मोहारे 59 वर्ष दोनो ग्राम भटेरा निवासी को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। इस वारदात में फरार अन्य आरोपियों की तलाश की जारी है। इन आरोपियों ने हमला कर घर में घुसकर कीर्ति मोहारे और उसके बेटे देवेंद्र मोहारे की हत्या करने की नीयत से उन्हें लाठी डंडा तलवार से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिए थे।

ज्ञात होगी ग्राम भटेरा निवासी कीर्ति मोहारे और भागचंद मोहारे के परिवार के बीच पूर्व से विवाद चल रहा था। इस विवाद के चलते 3 मार्च को ग्राम परसवाड़ा हट्टा में भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। 17 मार्च की रात्रि में ग्राम भटेरा में ही शादी के प्रीतिभोज में खाना खाने के दौरान कीर्ति मोहारे की खाने की प्लेट भागचंद मोहारे से टकरा गई थी। इसी को लेकर विवाद बढ़ गया और भागचंद मोहारे, अरुण मोहारे और सुशील मोहरे ने प्रीति मोहरे को अश्लील गालियां देते हुए हाथ भूसे से मारपीट किये थे। बीच बचाव के बाद कीर्ति मोहारे अपने घर चला गया था। इसके बाद भागचंद मोहारे, अरुण मोहारे,तेजराम मोहारे दिलीप बम्बूरे,सुशील मोहारे ने लाठी डंडा तलवार लेकर कीर्ति मोहारे के घर हमला कर दिये और कीर्ति मोहारे को उसे लाठी डंडा तलवार से वार करने लगे। बीच बचाव करने जब कीर्ति मोहारे का बेटा देवेन्द्र मोहारे आए तो उसे भी इन लोगों ने लाठी डंडा से मारपीट कर घायल कर दिए। इस दौरान कीर्ति मोहारे की पत्नी धुरपति मोहारे और बहू शीतल मोहारे आई तो उन्हें भी मारपीट कर दिए और जान से खत्म करने की धमकी देकर सभी फरार हो गए थे। कोतवाली पुलिस ने इन आरोपियों के विरुद्ध धारा 109, 296, 115(2), 351(3), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया था और इस मामले में अरुण मोहारे और तेजराम मोहारे और एक अपचारी बालक को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई जिन्होंने अपना जुर्म स्वीकार किये और घटना में प्रयुक्त एक लोहे की रॉड भी जप्त की गई। 19 मार्च को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार दो आरोपी अरुण मोहारे और तेजराम मोहारे को बालाघाट की अदालत में पेश किये। जहां से दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है वही अपचारी बालक को किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक शर्तों के आधार पर जमानत पर छोड़ दिया गया है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इन आरोपियों को पकड़ने में निरीक्षक कामेश कुमार धूमकेती के नेतृत्व में उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह भदोरिया, संजय सिंह किरार, धर्मेंद्र सिंह जोनवार, सहायक उप निरीक्षक रामकिशोर राहंगडाले,, प्रधान आरक्षक गजेंद्र माटे, कृष्ण कुमार बघेले, आरक्षक शेख शहजाद ,प्रियांक श्रीवास, चालक प्रधान आरक्षक नंदकिशोर टेकाम की सराहनीय भूमिका रही।

आस-पास की खबरें

कटंगझरी में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन, कुपोषित बच्चों का किया गया उपचार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और कुपोषण मुक्ति के उद्देश्य से विशेष स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को ग्राम पंचायत कटंगझरी में स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त समन्वय से एक वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न हुआ। यह शिविर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव, परियोजना अधिकारी रानू शिवहरे एवं बीएमओ डॉ. रीतू धुर्वे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषित बच्चों की समय पर पहचान करना और उन्हें उचित उपचार उपलब्ध करवाना है ताकि उनका शारीरिक व मानसिक विकास हो सके। आयोजित शिविर में आरबीएस टीम की डॉ. तृप्ति पाठक, फार्मासिस्ट श्रीमती अंकिता अग्रवाल एवं श्रीमती मथई सिस्टर द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं जांच के उपरांत बच्चों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गई। साथ ही बच्चों के अभिभावकों को पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं और गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती करवाने की सलाह दी गई ताकि वे जल्द स्वस्थ हो सके। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि अभिभावक अपने ब'चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें और शासन द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं का लाभ ले। इस अवसर पर महिला बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर श्रीमती भारती मेश्राम, क्षेत्र की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगझरी के समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा। स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि अभिभावक अपने बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें और शासन द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं का लाभ उठाएं।

बालाघाट में सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन, सम्राट विक्रमादित्य पर आधारित नाटक का मंचन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ के अवसर पर 19 मार्च 2026 को जिला मुख्यालय बालाघाट स्थित नूतन कला निकेतन में सूर्य उपासना कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और उनके आदर्शों पर आधारित नाटक का प्रभावशाली मंचन किया गया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने सराहा। कार्यक्रम के प्रारंभ में ब्रह्म ध्वज की स्थापना कर अतिथियों द्वारा ध्वज का पूजन किया गया। नूतन कला निकेतन के रूपकुमार बनवाले के निर्देशन में सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित नाटक का मंचन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी, अपर कलेक्टर श्री डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, एसडीएम गोपाल सोनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ को लेकर जिले के प्रमुख मंदिरों एवं महत्वपूर्ण स्थलों पर ब्रह्मध्वज की स्थापना भी की गई, जिससे पूरे क्षेत्र में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक उत्साह का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम ने भारतीय संस्कृति, परंपरा और इतिहास के प्रति लोगों में जागरूकता और गर्व की भावना को और मजबूत किया।

फिर विवादों में घिरा लालबर्रा-समनापुर मार्ग, ग्रामीण ने सुपरवाइजर से की मारपीट

सुपरवाइजर मजदूरों के साथ थाना पहुंचकर दर्ज करवाई शिकायत, मारपीट करने वाले पर कठोर कार्यवाही की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से समनापुर को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग एक बार फिर विवादों की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। वर्षो तक अधूरे पड़े इस मार्ग का लंबे इंतजार के बाद निर्माण कार्य शुरू हुआ है परंतु यह सड़क निर्माण कार्य 19 मार्च को उस समय रूक गया। जब एक स्थानीय ग्रामीण ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर सुपरवाइजर के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। इस घटना से आक्रोशित सुपरवाइजर एवं मजदूरों ने काम बंद कर दिया और थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है। वहीं पुलिस ने सुपरवाइजर ज्ञानीराम बोपचे की शिकायत पर मारपीट करने वाले लालबर्रा निवासी नीरज पशीने के खिलाफ बीएनएस की धारा 296 (बी), 115 (2), 351 (2) के तहत मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच में जुट गई है।

सड़क का निर्माण कार्य हुआ बंद

प्राप्त जानकारी के अनुसार सड़क निर्माण कंपनी के सुपरवाइजर ज्ञानीराम बोपचे के द्वारा सड़क का निर्माण कार्य करवाया जा रहा था और गुरूवार को एसबीआई बैंक के आगे मोड़ाई पर निर्माण कार्य जारी था। तभी लालबर्रा निवासी नीरज पशीने निर्माण स्थल पर पहुंचकर पुलिया निर्माण ना किये जाने की बात को लेकर सुपरवाइजर के साथ उलझ गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि ग्रामीण नीरज पशीने ने सुपरवाइजर के साथ अश्लील गाली-गलौज कर उसके साथ मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी भी दी है। इस घटना को देखकर वहां मौजूद मजदूरों ने जब बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो माहौल और तनावपूर्ण हो गया। वहीं सुपरवाइजर के साथ मारपीट की घटना होने के बाद सड़क का निर्माण कार्य बंद हो गया। जबकि सड़क का निर्माण कार्य 70 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है, 30 प्रतिशत कार्य शेष बचा है जिसका कार्य सड़क निर्माण कंपनी के द्वारा किया जा रहा है। लेकिन गुरूवार को सुपरवाइजर के साथ मारपीट की घटना होने के बाद नाराज सभी मजदूरों ने तत्काल प्रभाव से निर्माण कार्य बंद कर दिया। वहीं मजदूरों का कहना है कि सुरक्षा के अभाव में वे कार्य नहीं कर पायेगें। पीड़ित सुपरवाइजर और मजदूरों ने लालबर्रा थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपकर आरोपी नीरज पशीने पर शासकीय कार्य में बाधा डालने और मारपीट करने के तहत कठोर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है।

वर्षों से अधूरा पड़ा था मार्ग, विधायक के प्रयासों से शुरू हुआ था काम

आपकों बता दे कि लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग पिछले कई वर्षों से विवादों और विभागीय उदासीनता के कारण चर्चा में रहा है। विशेष रूप से लालबर्रा से अमोली तक का महज 600 मीटर का हिस्सा सालों तक अधूरा पड़ा रहा, जिससे स्थानीय राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। राहगीर एवं ग्रामीणों के द्वारा कई बार शासन-प्रशासन से गुहार लगाई गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। वहीं लंबे समय बाद स्थानीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के प्रयासों और बजट स्वीकृति के बाद इस अधूरे मार्ग का कायाकल्प यानि का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। जिसका निर्माण कार्य जारी है और इस मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीर एवं ग्रामीणजनों को उम्मीद थी कि अब धूल और गड्डो से मुक्ति मिलेगी। लेकिन फिर से हुए इस विवाद ने निर्माण कार्य की गति पर ब्रेक लगा दिया है। जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है और निर्माण कार्य में बांधा पहुंचाने एवं सुपरवाइजर के साथ मारपीट करने वाले व्यक्ति पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

सुरक्षा प्रदान करे पुलिस प्रशासन - सुपरवाइजर

सुपरवाइजर ज्ञानीराम बोपचे ने बताया कि जब वे सड़क निर्माण कार्य करवा रहे थे, तभी स्थानीय निवासी नीरज पशीने वहां पहुंचा और पुलिया निर्माण को लेकर विवाद करने लगा। जब उसे समझाने का प्रयास किया गया तो उसके द्वारा अश्लील गाली-गलौज कर मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई, इस दौरान मौके पर सभी मजदूर उपस्थित थे। श्री बोपचे ने बताया कि वर्तमान में सिर्फ दो स्थानों पर ही निर्माण कार्य बंद है, बाकी सभी जगह निर्माण कार्य लगभग पुर्ण हो चुका है और नीरज पशीने के द्वारा दोनों स्थानों पर पुलिया निर्माण की मांग की जा रही है परंतु जिस स्थान पर पुलिया निर्माण की मांग वह कर रहा है वहां के रहवासी के द्वारा पुलिया निर्माण पर अपनी असहमति जताई गई है इसलिये वहां पर सड़क का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन नीरज पशीने जबरन पुलिया बनाने का दबाव बना रहा है। पुलिस प्रशासन से हमारी मांग है कि वे हमें सड़क निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा प्रदान करे, यदि पुलिस प्रशासन सुरक्षा प्रदान नहीं करता है, तो अनिश्तिकाल के लिए काम बंद रखा जाएगा।

दोषी के विरूध्द की जाये कठोर कार्यवाही - अनीस

सरपंच अनीस खान ने बताया कि आरोपी नीरज पशीने आदतन अपराधी है और पूर्व में जिला बदर भी रह चुका है। उसके द्वारा सड़क निर्माण कार्य के दौरान मजदूरों के साथ सरेआम मारपीट कर, जान से मारने की धमकी दी गई जिससे मजदूर वर्ग में आक्रोश व्याप्त है और मारपीट की इस घटना के बाद सड़क का काम बंद कर दिया गया है। श्री खान ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के प्रयास से अधुरी सड़क निर्माण कार्य को स्वीकृति मिली है जिसका निर्माण कार्य जारी है और इस निर्माण कार्य को नीरज पशीने के द्वारा बंद कराया जाना एक तरह से घटिया मानसिकता को व्यक्त करता है, पुलिस विभाग से अनुरोध है कि ऐसे अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति के विरूध्द कठोर कार्यवाही की जानी चाहिये।

सभी आरोप निराधार है - नीरज

दूरभाष पर चर्चा में नीरज पशीने ने बताया कि लालबर्रा से अमोली पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य जारी है और पूर्व में दो स्थानों पर पानी निकासी के लिए पुलिया निर्माण की मांग पूर्व में सड़क विभाग के जीएमएम से की गई थी। जिन्होने हमें आश्वस्त किया था लेकिन आज जब सुपरवाइजर से पुलिया निर्माण करवाने कहा गया तो उन्होने कहा कि हमें सिर्फ सड़क बनाना है, पुलिया निर्माण के लिए अधिकारियों के निर्देश नही है, जब उनसे सड़क विभाग के अधिकारियों से चर्चा करने कहा गया तो उन्होने नही की और इसी बात को लेकर बहस हुई है, मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी देने का जो आरोप लगा रहे है सभी आरोप निराधार एवं बेबुनियाद है।

इनका कहना है-

सड़क निर्माण कंपनी के सुपरवाइजर ज्ञानीराम ने थाने में शिकायत की है कि नीरज पशीने ने उनके साथ मारपीट की है, जिनकी शिकायत पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच की जा रही है।

सुनिल चतुर्वेदी
थाना प्रभारी
लालबर्रा।

प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वृध्दि प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के सभाकक्ष में बुधवार को म.प्र. जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग सेक्टर स्तरीय ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वृध्दि प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि किशोर पालीवाल जनपद उपाध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि श्रीमती बैजती कटरे प्रभारी समन्वयक विकासखण्ड लालबर्रा एवं अध्यक्ष मुकेश ज्ञानेश्वर एवं अन्य सेक्टर प्रतिनिधियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के लिए क्षमता वृध्दि कार्यक्रम में विकासखण्ड समन्वयक द्वारा जानकारी दी गई तत्पश्चात प्रथम सत्र में चैनलाल चौधरी द्वारा म.प्र. जन अभियान परिषद के उद्देश्य अवधारणा एवं परिषद् की योजनाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसी प्रकार द्वितीय सत्र मे रितु बिसेन द्वारा सीएमसीएलडीपी योजनांतर्गत पाठ्यक्रम की जानकारी दी गई एव तीसरे सत्र में सामुदायिक नेतृत्व क्षमता पर जानकारी, चौथे सत्र में प्रस्फुटन समितियों क दस्तावेजी करण पर विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने जन अभियान परिषद द्वारा शासन की योजनाएं के प्रचार प्रसार पर धन्यवाद दिया। जिसके बाद मुख्य अतिथियों के द्वारा प्रमाण पत्र दिये गये। वहीं कार्यक्रम में उपस्थितजनों का मुकेश ज्ञानेश्वर ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर समिति के अध्यक्ष, सचिव सदस्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हिंदू नववर्ष, भगवा ध्वज को दी गई सलामी

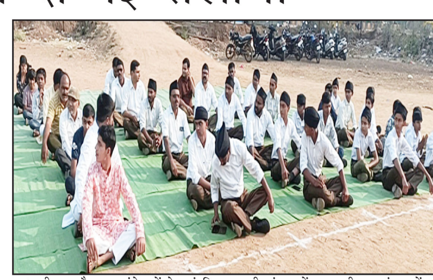

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित हाई स्कूल मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) खंड लालबर्रा के वीर सावरकर तरूण व्यवसायी शाखा के द्वारा गुरूवार को हिंदू नववर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम लालबर्रा खंड संघ चालक संजय अग्रवाल, शेरसिंह देशमुख समाजसेवी एवं जिला शारीरिक शिक्षण प्रमुख महेंद्र पटले के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा भारत माता, संघ के संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार और द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर श्री गुरूजी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। जिसके पश्चात पूर्ण अनुशासन के साथ ध्वजरोहण किया गया और उपस्थित स्वयंसेवकों ने भगवा ध्वज को सलामी दी। साथ ही इस दौरान स्वयंसेवकों ने पारंपरिक गणवेश में एकत्र होकर राष्ट्र सेवा और धर्म रक्षा का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने हिंदू नववर्ष (विक्रम संवत) के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को बताते हुए इसे प्रकृति और समाज में नई ऊर्जा के संचार का प्रतीक बताया। वहीं कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें केवल स्वयंसेवक ही नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में नगर की माताएं, बहनें और प्रबुध्दजन भी सम्मिलित हुए। साथ ही अनुशासनबध्द तरीके से आयोजित इस कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों और सुभाषितों के माध्यम से राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का बोध करवाया गया। वहीं कार्यक्रम के अंत में सामूहिक प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। जिसक्वेबाद सभी ने एक-दूसरे को हिन्दु नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

ग्राम पंचायत हट्टा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की ग्राम पंचायत हट्टा में दिनांक 19 मार्च 2026 को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 98 जोड़ों का विवाह विधिवत संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम में 84 जोड़ों ने हिंदू रीति-रिवाज से, 10 जोड़ों ने आदिवासी परंपरा के अनुसार तथा 4 जोड़ों ने बौद्ध रीति-रिवाज से विवाह संपन्न किया। पूरे आयोजन में सामाजिक समरसता और परंपराओं का सुंदर संगम देखने को मिला। इस सामूहिक विवाह समारोह में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विधायक मधु

भगत, पूर्व मंत्री एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरसवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा लिल्हारे, जनपद पंचायत बालाघाट के अध्यक्ष फूलचंद सहारे तथा अनुविभागीय अधिकारी बालाघाट गोपाल सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत हटा के बड़ी संख्या में ग्रामीणजन भी शामिल हुए और नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया। शासन की इस योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक एवं आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जिससे उनके जीवन में नई शुरुआत संभव हो रही है।

गर्रा में संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण जारी

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गर्रा में चैत्र नवरात्र पर्व के अवसर पर 18 मार्च से 9 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण जारी है। इस तरह से भक्ति और अध्यात्म की पावन धरा ग्राम गर्रा में ज्ञान की गंगा बह रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को अत्यंत गरिमामय ढंग से हुआ। अनंत श्री 108 विभूषित काशी धर्म पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानंद तीर्थ जी महाराज के ग्राम गर्रा की पावन धरा पर आगमन पर मशीटोला में भव्य स्वागत एवं पादुका पूजन किया गया। गुरूवार को सुबह देवी मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा स्थल पहुंची। वहीं इस महापुराण में मुख्य रूप से तीन विद्वान कथावाचक पहुंचे है। जिसमें श्रीमद् भागवत कथा व्यास संत श्री राधिका शरण जी महाराज (श्री धाम वृंदावन, मथुरा), श्री राम कथा व्यास सुश्री राधा किशोरी जी (श्री धाम बरसाना, मथुरा), भजन संध्या व भक्तमाल कथा व्यास सुश्री श्यामा किशोरी जी (श्री धाम बरसाना, मथुरा) के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन लीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया जा रहा है। जिससे पूरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बह रही है। वहीं 20 मार्च को भागवत महात्म्य, 21 मार्च को धुन्धकारी उध्दार, परिक्षित जाम सुखदेव आगमन, 22 मार्च को कपिल अवतार, अध्यात्मिक व्याख्या, 23 मार्च को प्रहलाद चरित्र, ध्रुव चरित्र, वामन अवतार, 24 मार्च को श्री कृष्ण अवतार, नंदोत्सव, ब्रज महोत्सव, 25 मार्च माखनचोर, गोवर्धन पूजा महारस, 26 मार्च को रूकमणी मंगल, गोपी रस, उध्दव प्रसंग एवं हवन-पूजन व महाप्रसादी वितरण के साथ 9 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने की है।

काम छोड़कर कतारों में खड़े लोग, गैस एजेंसी से जनता में भारी नाराजगी

होम डिलीवरी ना होने से एजेंसी पर लगी भीड़, उपभोक्ता आक्रोशित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के चलते देश में एलपीजी गैस का संकट उत्पन्न होने की बात कही जा रही है। इसी कड़ी में नगर के इंडियन गैस एजेंसी में १९ मार्च को लोगों की भीड़ लगी रही जहां काफी तनावपूर्ण स्थिति देखने को मिली। इस दौरान लोग अपने काम धंधे छोड़कर सुबह ८ बजे से लंबी कतारे लगाकर खड़े रहे। जहां उन्हें ४ से ५ घंटे इंतजार करने के बाद भी गैस सिलेंडर प्राप्त नहीं होने पर निराश होकर वापस लौटना पड़ा। इस पर लोगों के द्वारा आक्रोश व्यक्त किया गया कि ५ से १० दिन पहले उनकी बुकिंग का डीएससी नंबर जनरेट हो चुका है उसके बाद भी गैस सिलेंडर की घर पहुंच सेवा नहीं दी गई। लोगों ने एजेंसी में जाकर आक्रोश व्यक्त किया तो कुछ लोगों को गैस सिलेंडर मौके पर ही दे दिया गया तो वहीं कुछ लोगों को अगले दिन सुबह ९.३० बजे आकर गैस सिलेंडर ले जाने कहा तो वहीं कुछ लोगों को वापस लौटा दिया गया। बैरंग लौटे लोगों में नाराजगी देखने को मिली गैस एजेंसी में पहुंचे लोगों के द्वारा गैस एजेंसी पर घर पहुंच सेवा बंद करने का आरोप भी लगाया गया। इसमें बताया जा रहा हैं की गैस की कमी की खबरों के चलते लोगों में डर पैदा हो गया है जिससे पैनिक बुकिंग बड़ गई है। मार्च 2026 के आंकड़ों के अनुसार सामान्य दिनों की तुलना में गैस सिलेंडर की बुकिंग लगभग दोगुनी हो गई है जिससे वितरण प्रणाली पर दबाव बड़ गया है। किंतु जरूरतमंद लोगों को बुकिंग कोड जनरेट होने के बाद भी गैस डिलीवरी घर पहुंच सेवा के माध्यम से न मिलने पर उनके अंदर आक्रोश व्याप्त है। वह अपने दैनिक कार्यों को लेकर परेशान है कि किस प्रकार अब वह बिना गैस के कार्य करेंगे। क्योंकि होम डिलीवरी अधिकांश ऐसे घरों में होती है जो गैस एजेंसी जाने में असमर्थ है उनके सामने यह एक बड़ी दिक्कत बनी हुई है।

घर पहुंच सेवा लगभग बंद हो गई है लोग परेशान हैं - राजेश परयानी

उपभोक्ता राजेश परयानी ने बताया कि सोमवार को मेरा डीएससी आ गया है परंतु वर्तमान तक मुझे गैस प्राप्त नहीं हो पाई है। गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी आने कहां गया है जब यहां पहुंचे तो बहुत लंबी लाइन थी फिर कर्मचारियों को मेरे द्वारा भेजा गया तो एजेंसी ने कार्ड लेने से मना कर दिया। अब कुछ समझ नहीं आ रहा है सुबह ९.३० बजे फिर बुलाया गया है मेरे आस-पास के सभी लोग परेशान हैं। घर पहुंच सेवा लगभग बंद हो गई है वार्ड नंबर ५ और ७ में सिलेंडर नहीं आ रहे हैं १५ दिनों से लोग परेशान हैं। घर पहुंच सेवा बंद होने से तकलीफ बढ़ गई है एजेंसी में जाकर करीब ५ घंटे लाइन लगाना एक दिक्कत का विषय है। बुजुर्ग लोग खड़े नहीं रह सकते मेरे भी घुटने में समस्या है ऐसे में कई लोग असमर्थ है। एजेंसी को घर पहुंच सेवा देनी चाहिए भले ही सप्लाई कम हो परंतु व्यवस्था बनानी चाहिए।

गैस की कोई दिक्कत नहीं है लोग भ्रामक प्रचार के कारण पैनिक हो रहे - रामसिंह पटेल

संचालक रामसिंह पटेल ने बताया कि गैस की कोई समस्या नहीं है प्रतिदिन लोड आ रहा है। सरकार ने गैस की समस्या से निपटने के लिए कमर्शियल पर कुछ दिन ब्रेक लगाया है कालाबाजारी रोकने का भी प्रयास हो रहा है। नगर के लोगों को २५ दिन और ग्रामीण के लोगों को ४५ दिन का नियत समय दिया गया है बुकिंग लगातार हो रही है। होम डिलीवरी भी चालू है अभी हमारे पास २५०० बुकिंग पेंडिंग है एकदम से पूरा क्लियर नहीं हो सकता है। प्रतिदिन ३४२ सिलेंडर का लोड आता है जिसे बढ़ाने के लिए निवेदन हमारे द्वारा किया जा चुका है। गैस के साथ ग्रामीण क्षेत्र में अन्य ऊर्जा के स्रोत भी तालासे जाये जैसे लकड़ी का उपयोग किया जाये। भीड़ बुकिंग लेने के लिए पैनिक हो रही है यह सब भ्रामक प्रचार के कारण है गैस की कोई दिक्कत नहीं है। बीच में सर्वर डाउन हो गया था जिससे लेट डीएससी आई है एक सप्ताह में यह सब सामान्य हो जायेगा। लोड की स्थिति पूर्व से दोगुनी हो गई है कहीं कोई समस्या नहीं है बस लोग भ्रामक प्रचार के कारण पैनिक हो रहे हैं।

सिंधी समाज का रक्तदान शिविर संपन्न

रक्तदाताओं में दिखा उत्साह, 80 यूनिट रक्त संग्रहित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मानवता की सेवा और सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देते हुए श्री गुरुनानक धर्मशाला में पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वाधान में १९ मार्च को विशाल रक्तदान शिविर का सफ ल आयोजन किया गया। इस शिविर में समाज के युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने बढ-चढ कर हिस्सा लिया। यह शिविर का विधिवत शुभारंभ समाज के वरिष्ठ जनों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। शिविर में सुबह से ही रक्तदाताओं का उत्साह देखते ही बना। कुल ८० रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस दौरान जिला अस्पताल बालाघाट की विशेषज्ञ मेडिकल टीम उपस्थित रही। टीम के सदस्यों ने रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण जैसे बीपी, हीमोग्लोबिन जांच करने के उपरांत ही उन्हें रक्तदान के लिए योग्य पाया। शिविर के अंत में पूज्य सिंधी पंचायत के पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं और चिकित्सा टीम का आभार व्यक्त किया। वहीं जिला चिकित्सालय की टीम के द्वारा रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर आयोजको ने बताया की रक्तदान महादान हैं सिंधी समाज सदैव ही जनकल्याण के कार्यों में अग्रणी रहा है। आज पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वाधान में श्री गुरु नानक धर्मशाला में एक विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। समाज के वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन और युवाओं के उत्साह से इस पुनीत कार्य को संपन्न किया गया। इसमें कुल ८० जागरूक रक्तदाताओं का रक्त जिला अस्पताल बालाघाट की विशेषज्ञ टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच कर संग्रहण किया। सभी ८० रक्तदाताओं का हृदय से आभार जिन्होंने मानवता की सेवा में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। आपका एक यूनिट रक्त किसी के जीवन की डोर बन सकता है। इस अवसर पर अध्यक्ष गिरधारी चिमनानी, कन्हैया रिजवानी, विजय माधवानी, रमेश बुधरानी सहित अन्य स्वजातीय बंधुओ का सराहनीय योगदान रहा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 99 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

वारासिवनी में एक ही मंडप तले गूंजे मंत्र और पारंपरिक रीति-रिवाज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत गुरुवार को जनपद पंचायत वारासिवनी के तत्वाधान में भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती माया उइके एवं उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा अमूले सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। इस गरिमामय समारोह में सर्वधर्म समभाव की अनूठी झलक देखने को मिली। जहाँ विभिन्न परंपराओं के अनुसार ९९ जोड़ों ने नए जीवन की शुरुआत की। जिसमे अतिथियों ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद भविष्य की कामना की गयी। वही शासन की योजना के अनुरूप कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों द्वारा नवविवाहित जोड़ों को उनके गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए ४९,००० रुपये की राशि के सांकेतिक चेक वितरित किए गए। प्रशासन द्वारा की गई इस व्यवस्था से वर-वधू पक्ष के चेहरों पर खुशी देखी गई। इस अवसर पर एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, तहसीलदार वंदना कुशराम, नायाब तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरिया, एसडीओपी अभिषेक चौधरी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी गायत्री कुमार सारथी, थाना प्रभारी पवन यादव जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

तीन रीति-रिवाजों से संपन्न हुए विवाह

सम्मेलन की खास बात यह रही कि यहाँ कुल १०० जोड़ों का पंजीयन था जिनमें से ९९ जोड़ों ने सहभागिता की। आयोजन में सामाजिक समरसता की मिसाल पेश करते हुए अलग.अलग रीति-रिवाजों से विवाह संपन्न कराए गए। इसमें हिंदू रीति-रिवाज से ७९ जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। बौद्ध रीति-रिवाज से ११ जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। आदिवासी परंपरा से ९ जोड़ों ने अपनी पारंपरिक पद्धति से विवाह किया।

डीजे की धुन पर जमकर थिरके जनप्रतिनिधि

सामूहिक विवाह कार्यक्रम पर विधि विधान से सभी आयोजन आयोजित किये गये। जिसमें सामूहिक विवाह की बारात जनपद पंचायत कार्यालय से डीजे की धुन पर निकली। जनपद पंचायत भवन से ९९ दुल्हो की बारात जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में निकाली गई। जिसमें डीजे पर बज रहे गीतों पर ग्रामीण नगरवासी सहित जनप्रतिनिधियों के द्वारा भी जमकर नृत्य किया गया। यह बारात बस स्टैंड होते हुए जय स्तंभ चौक पहुंची वहां से वापस रानी अवंतीबाई स्टेडियम में पहुँची जहाँ बारात का जोरदार स्वागत किया गया।

सरकार इस सामूहिक विवाह को बंधन मुक्त करें - विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि सरकार ने इस बार संख्या का बंधन रखा जिसके कारण हमारे क्षेत्र के कई लोग इस योजना से चूक गये हैं। अगली बार सरकार इस बंधन मुक्त करें लिमिट ना रखें यह शासन का सराहनीय काम है सभी को अवसर मिलना चाहिए। सरकार संख्या और गरीबी रेखा का बंधन हटाये समाज के हर वर्ग चाहे वह गरीब अमीर जैसा भी व्यक्ति हो उसे योजना का लाभ मिले। हर पंथ संप्रदाय की उपस्थिति में यह विवाह हो रहा है आयोजन करने वालों ने सराहनीय काम किया है। यहां पर आदिवासी हिंदू और बौद्ध समाज के लोग उपस्थित है सभी को शुभकामनाएं।

यह पहली सरकार हैं जिसने महिलाओं को बहन समझा है - प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि सामूहिक विवाह योजना में वारासिवनी तहसील के ९९ जोड़े परिणय सूत्र में बंध रहे हैं। उनके नाते रिश्तेदार यहां पर मौजूद है जनपद यह कार्यक्रम कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार आज प्रभावित है महंगाई बढ़ रही है ऐसे में सामाजिक कार्यक्रम पर फर्क पड़ता है। किंतु पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हम सबके मामा ने जो योजना चालू करी उसका प्रतिफ ल है कि हर जाति समाज के लोगों को राहत है। कम खर्च में अच्छी शादी हो रही है यह पहली सरकार है जो आपकी सोचती है किसान सम्मान निधि महिला सशक्तिकरण करती है। महिलाओं को सरकार ने बहन समझा है उनके घर चलाने बच्चे पालने में होने वाली समस्या समझाने वाली यह पहली सरकार है। वर्तमान में महिला सशक्त हुई है वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रही है आगे बढ़ा रही है।

क्रिएटिव इंटरनेशनल एकेडमी के ३ छात्रों का नवोदय विद्यालय में हूआ चयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी। क्रिएटिव इंटरनेशनल एकेडमी विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने वर्ष २०२६ की जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा और सैनिक स्कूल चयन परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर न केवल अपने माता-पिता बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्र भी अगर सही मार्गदर्शन और मेहनत का साथ पाएं तो वे किसी भी ऊंचाई को छू सकते है। विद्यालय के होनहार छात्र सार्थक वासनिक, श्रेयांश लिल्हारे और अनघ रहांगडाले ने नवोदय विद्यालय समिति द्वारा आयोजित चयन परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफ लता प्राप्त की। इन विद्यार्थियों की इस उपलब्धि ने विद्यालय के शिक्षा स्तर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। विशेष रूप से सार्थक वासनिक ने अपनी प्रतिभा का डबल प्रदर्शन करते हुए सैनिक स्कूल चयन परीक्षा में भी सफलता हासिल की जो विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम है। इस उपलब्धि पर प्राचार्य तुलमोहन भोयर ने बताया कि हमारे छात्रों की यह सफ लता उनकी अथक मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। यह हमारे लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। विशेष रूप से सैनिक स्कूल में चयन हमारे संस्थान के लिए एक बड़ी उपलब्धि है जो आने वाले वर्षों में अन्य छात्रों को भी प्रेरित करते रहेंगी। उन्होंने बताया कि छात्रों को शुरू से ही प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप तैयार किया गया जिससे कि उन्हें परीक्षा में मदद मिल सके। इस सफलता से न केवल विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है बल्कि पूरे किन्ही, भौरगढ़ और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ गई है। अभिभावकों में गर्व की भावना है और अन्य विद्यार्थियों के लिए यह उपलब्धि एक प्रेरणा बनकर सामने आई है। यह उपलब्धि सिर्फतीन छात्रों की नही बल्कि पूरे क्षेत्र की सामूहिक जीत है एक ऐसा संदेश जो हर छात्र को यह विश्वास दिलाता है कि मेहनत और लगन से हर सपना साकार किया जा सकता है। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य निजी शालाओं के बच्चों में मुकुल पिता नरेश सपसींतम, अंदी वीरसिंह बसेने दोनों मुख्यालय स्थित निजी विद्यालय के छात्र है। जिन्होंने अपने अथक परिश्रम और मेहनत से सफलता की ऊंचाई को छुआ है।

केशव इंग्लिश स्कूल ने मनाया हिन्दू नववर्ष

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश स्कूल द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि एवं हिन्दू नववर्ष मनाया गया। जिसमें विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने नगर भ्रमण करके तिलक अभिनंदन कर हिन्दू नववर्ष की शुभकामना एवं इसके महत्व को बताया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने जनसमूह में पीले रंग के शुभकामना पत्रों का वितरण किया जिसका सामाजिक रूप से लोगों ने स्वागत किया। इस अवसर पर शिक्षकगण स्थानीय दुकानदारों, अभिभावकों तथा आमजन समुदाय से भेंट की कार्यक्रम के समापन पर ज्ञान विकास समिति के सचिव विजय तेलास्कर ने गुड़ी पाडवा व चैत्र नवरात्रि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमें इस दिन वंदनवार कर आँगन में दीप प्रज्ज्वलित् करना चाहिए। विद्यालय के अधीक्षक जितेन्द्र टेंभरे द्वारा हिन्दू संस्कृति के संरक्षण एवं समाज में सकारात्मक बदलाव पर बल दिया एवं हिन्दू नववर्ष को उन्होने प्राकृतिक नववर्ष बताया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रदीप शर्मा एवं समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।

जीवन के दो पहलू सुख और दुख

समाज में अनेक विषय है जिन पर आजकल सब चल रहे हैं सभी का अपना नजरिया होता है, अपनी सोच होती है पर हम यदि यह सोचें की जिंदगी मेंअसल आनंद तो सुख और दुख दोनों में है यही तो जीवन के दो पहलू हैं इन पर समान दृष्टि रखकर ही हमें अपनी अच्छी सोच रख सत्कर्म करने चाहिए ,नेकी कर दरिया में डाल अर्थात दूसरे के दुख में खड़े रहना और अपने लिए कभी अपेक्षा न करना ही श्रेयस्कर होता है ।हमें जीवन पथ पर संभाल कर चलना और औरों को संबल देना ही व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाता है आधुनिक दौर में यदि हम सामाजिक सौहार्द का संदेश लेकर समाज के प्रति अपना कर्तव्य निभाते हैं तो निश्चित ही मन की संप्रेषणीयता सीधे मन से मन तक बात कर सकती है वैसे भी रचनाकार का कर्तव्य होता है कि वह समाज को न केवल जागृत बनाकर रखे बल्कि उसे अपने कर्तव्य बोध के प्रति भी सचेत करें। क्योंकि चिंतनशीलता सामाजिक विसंगतियों और विषमताओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है सहज आत्मीयता, सुकोमल प्रेम ,विश्वास और समर्पण जीवन के ऐसे तत्व हैं जो प्रभाव अवश्य ही डालते हैं और यही जीव जगत का सार है अच्छी सोच और अपनी बात कहने का सुंदर तरीका सदैव आकर्षण का केंद्र होता है लोकहित और सर्वहित की भावना के साथ-साथ जहाँ पर आम आदमी की समस्याओं का और दुख दर्द का वर्णन होता है, साथ ही उनका समाधान भी होता है तो मन की सरल मिठास आल्हादित कर जाती है। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में एक और जहाँ राजनीति आम आदमी के जीवन को प्रभावित करती हैं वहीं दूसरी ओर आम आदमी भी राजनीति को प्रभावित करता है सामान्य सी बात है आज लोगों ने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार का माध्यम बना लिया है समाज की समृद्धि को भ्रष्टाचार से जितना नुकसान पहुँचा है उतना और किसी ने नहीं पहुँचाया कहते हैं ना सरकारी कार्य में अगर 50 ।का भी सदुपयोग हो जाए तो बहुत बड़ी बात है अत: व्यक्ति कहीं ना कहीं अपने कार्यों से देश और समाज को प्रभावित कर रहा है पहले के समय में ऐसा नहीं था प्रत्येक व्यक्ति का हर छोटे बड़े इंसान के प्रति सम्मान का भाव होता था। गाँव में छोटे बड़ों को आदर देते थे और बड़े छोटों को आशीष देते थे पर हम महानगरों में देखते हैं कि आजकल छोटे बड़ों का भेद समाप्त हो गया है, वह विनय भाव, सम्मान भाव ,सदाचरण बहुत कम नजर आता है। इसीलिए आज अध्ययन, चिंतन और मनन की आवश्यकता है जब चिंतन होगा तो, प्रकृति और पर्यावरण की भी चिंता होगी ।जल और जंगल की भी चिंता होगी। चिंतन से ही आम आदमी के दुख दर्द और जीवन की कठिनाइयों का विश्लेषण हो पाएगा कहाँ क्या सही हो रहा है और कहाँ क्या गलत हो रहा है इस बात को जान लेना बहुत जरूरी है इन्हीं सब बातों से तो जीवन में मिठास, गरिमा और आनंद का आल्हाद बना रहेगा। वर्तमान में हम देखते हैं की अमीर और अमीर होता जा रहा है और गरीब और गरीब होता जा रहा है इंसानियत, न्याय, ईमानदारी, समर्पण, त्याग जैसे शब्द बोने होते जा रहे हैं वरिष्ठ कवि आचार्य भगवत दुबे जी ने लिखा-

बिकता है न्याय ,सस्ता ईमान हो गया
क्रेताओं को सुलभ, अब सम्मान हो गया
मेहनतकशों को रोटी ,होती नहीं मयस्सर
अब जानवर से बद्तर इंसान हो गया।

साईं झूलेलाल साहिब की 1076वीं जयंती, चेट्रीचंड्र महोत्सव और ईद-उल-फितर का अद्भुत संयोग

विश्वव्यापी आस्था, संस्कृति और सद्भाव का संगम- समग्र विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर भारत सहित पूरे विश्व में वर्ष 2026 का मार्च महीना धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। एक ओर सिंधी समाज के आराध्य देव झूलेलाल की 1076वीं जयंती का भव्य आयोजन हो रहा है,वहीं दूसरी ओर पवित्र इस्लामिक त्योहार ईद-उल- फितर भी लगभग उसी समय मनाए जाने की संभावना है। यह संयोग न केवल भारत की विविधता में एकता की परंपरा को दर्शाता है,बल्कि वैश्विक स्तरपर सांस्कृतिक सह-अस्तित्व, सहिष्णुता और भाईचारे का संदेश भी देता है।सिंधी समाज के लिए चेटीचंड केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि उनकी सांस्कृतिक पहचान,ऐतिहासिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यह दिन झूलेलाल साहिब के अवतरण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिन्हें जल के देवता और सत्य एवं न्याय के संरक्षक के रूप में पूजा जाता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि विश्वभर में फैले सिंधी समुदाय चाहे वे भारत में हों या अमेरिका, दुबई, यूके, अफ्रीका या एशिया के अन्य देशों में इस दिन को अत्यंत श्रद्धा,उल्लास और भव्यता के साथ मनाते हैं।वर्ष 2026 में यह उत्सव और भी विशेष बन गया है क्योंकि इसे सात दिवसीय चेटीचंड पखवाड़ा महोत्सव के रूप में 15 से 20 मार्च तक व्यापक स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। विभिन्न झूलेलाल जयंती समारोह समितियों, पंचायतों, सामाजिक संगठनों,सिंधी विद्यालयों तथा व्यापारिक और धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से यह आयोजन एक वैश्विक सांस्कृतिक उत्सव का रूप ले चुका है। इस दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रम न केवल धार्मिक भावनाओं को अभिव्यक्त करते हैं,बल्कि समाजसेवा,स्वास्थ्य जागरूकता सांस्कृतिक संरक्षण और युवा सहभागिता को भी प्रोत्साहित करते हैं।इस सप्ताह के दौरान प्रभात फेरियों से दिन की शुरुआत होती है, जिसमें श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए झूलेलाल साहिब की महिमा का गुणगान करते हैं। रक्तदान शिविरों का आयोजन समाज के प्रति जिम्मेदारी और मानवता की सेवा का संदेश देता है। चित्रकला प्रतियोगिताएं बच्चों और युवाओं की रचनात्मकता को मंच प्रदान करती हैं, वहीं योग शिविर स्वास्थ्य और संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं। व्यापार मेलों और आनंद मेलों के माध्यम से स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन मिलता है और सामाजिक मेलजोल बढ़ता है।महिलाओं की स्कूटर रैली और रंगोली कार्निवल जैसे आयोजन महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और सशक्तिकरण का प्रतीक हैं। छप्पन भोग जैसे धार्मिक प्रसाद और फूड फेस्टिवल इस उत्सव को स्वाद और परंपरा का अनूठा संगम बना देते हैं। 19 मार्च को भव्य आतिशबाजी और सांस्कृतिक कार्यक्रम इस उत्सव को चरम पर पहुंचाते हैं, जहां संगीत, नृत्य और भक्ति का अद्भुत समागम देखने को मिलता है। साथियों बात अगर हम 20 मार्च 2026 के महत्व को समझने की करें तो यह दिन इस उत्सव का मुख्य दिन होगा,जब विश्वभर में विशाल शोभायात्राएं निकाली जाएंगी।इन जुलूसों में झूलेलाल साहिब की सजीव झांकियां, पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालु भक्ति संगीत और नृत्य की झलकियां देखने को मिलेंगी।मैराथन स्कूटर रैली, आम भंडारे और सामूहिक भोज जैसे कार्यक्रम इस दिन को और अधिक विशेष बनाते हैं। यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सामुदायिक सहयोग का उत्सव है।इसी समय, इस्लाम धर्म के अनुयायियों के लिए पवित्र रमजान माह के समापन पर मनाया जाने वाला ईद-उल-फितर भी 20 या 21 मार्च को पड़ने की संभावना है,जो चांद के दीदार पर निर्भर करता है। यह त्योहार अल्लाह के प्रति आभार, आत्मसंयम, दान और करुणा का प्रतीक है। रमजान के पूरे महीने रोजा रखने के बाद ईद का दिन खुशी, संतोष और आध्यात्मिक संतुलन का संदेश लेकर आता है। ईद के दिन विशेष नमाज अदा की जाती है, फितरा(दान) दिया जाता है और लोग एक-दूसरे को गले लगाकर ईद मुबारक कहते हैं। सेवइयां और अन्य मिठाइयों का वितरण इस पर्व की पहचान है, जो इस बात को दर्शाता है कि खुशी तब और अधिक बढ़ जाती है जब उसे दूसरों के साथ साझा किया जाए। यह त्योहार सामाजिक समरसता, परस्पर सम्मान और भाईचारे को सटीक रूप से मजबूत करता है।

साथियों बात अगर हम जब चेटीचंड और ईद-उल- फितर जैसे दो महत्वपूर्ण पर्व एक ही समय पर आते हैं, तो यह भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का जीवंत उदाहरण बन जाता है। यहां विभिन्न धर्मों के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में भाग लेते हैं,शुभकामनाएं देते हैं और आपसी प्रेम को बढ़ाते हैं। यह परंपरा केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्वभर में बसे भारतीय और सिंधी समुदाय भी इसे अपनाते हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक सौहार्द को बढ़ावा मिलता है।इस अवसर की महत्ता को देखते हुए भारत के कई राज्यों मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक या क्षेत्रीय अवकाश घोषित किया गया है। कुछ स्थानों पर चैत्र शुक्लादि, गुड़ी पड़वा, उगादी और चेटीचंड को एक ही श्रेणी में रखते हुए 19 मार्च 2026 को भी अवकाश घोषित किया गया है। यह दर्शाता है कि भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था भी विविध धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करती है और उन्हें प्रोत्साहित करती है।यह अवकाश केवल एक छुट्टी नहीं, बल्कि लोगों को अपने धार्मिक और सांस्कृतिक कर्तव्यों को निभाने, परिवार और समाज के साथ समय बिताने और परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। यह सामाजिक एकता और सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। साथियों बात अगर हम इस झूलेलाल जयंती महोत्सव चेट्रीचंड्र की करें तो, चेट्री चंड्र सिंधियों द्वारा मनाये जाने वाला महत्पूर्ण त्यौहार है। हर साल इसे चैत्र शुक्ल पक्ष के दुसरे दिन मनाया जाता है।इस बार ये 20 मार्च 2026, को मनाया जाए ?।ज्यादातर ये त्यौहार गुडी पड़वा व उगडी के दुसरे दिन पड़ता है, इसे पड़ोसी देश सहित विश्व के हर देश में में रहने वाले सिन्धी भी मनाते है। इस दिन चाँद कई दिनों बाद पूरा नजर आता है, सभी लोग जल देव की आराधना करते है। चेट्रीचंड्र त्यौहार सिन्धी समाज द्वारा अपने इष्टदेव झुलेलाल जी की याद में मनाया जाता है। इस दिन सिन्धी समाज जल देव व झुलेलाल जी की पूजा अर्चना करता है,सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है, जूलूस निकाले जाते है। इस दिन प्रसाद के तौर पर उबले काले चने व मीठा भात श्रद्धा पूर्वक सबको दिया जाता है। साथियों बात अगर हम झूलेलाल जयंती महोत्सव चेट्रीचंड्र मनाने के कारणों की करें तो दुनियां में जब जब अत्याचार बढ़ा है, तब तब भगवान ने अपने भक्तों के लिए धरती में जन्म लिया है। युगों से ये बात चली आ रही है, भारत देश में कई भगवान, साधू संत ने जन्म लिया और दुनियां को सही गलत में फर्क समझाया है। सभी समाज धर्म के भगवान पाप को ख़त्म करने के लिए इस धरती पर आये- राम, कृष्ण, अल्लाह येशु ऐसे ही कुछ नाम है। ऐसे ही एक और भगवान इस धरती पर आये, जिन्हें झुलेलाल नाम से जाना जाता है। इन्हें सिन्धी समाज का इष्टदेव कहा जाता है। ये हिन्दू जाति के भगवान वरुण का अवतार है, जिनका जन्म 10 वीं शताब्दी के आस पास हुआ था। कुछ लोग इन्हें सूफी संत भी बोला करते है, जिन्हें मुस्लिम भी काफी पूजते थे। कुछ लोग इन्हें जल देव का अवतार मानते थे। सिन्धु घाटी की सबसे पहली व पुरानी सभ्यता मोहनजोदड़ो है,यही सिंध में ही झुलेलाल जी का जन्म हुआ था।उनके जन्म को आज भी सिन्धी समाज व पड़ोसी मुल्क के कुछ हिस्सों में लोग झुलेलाल जयंती या चेट्री चंड्र नाम से मनाते है। इस दिन ने सिन्धी समाज का नया वर्ष शुरू होता है, जिसे वे बड़ी धूमधाम से मनाते है। साथियों बात कर हम सिंधी समाज के इष्टदेव झूलेलाल के जन्मयाने अवतरण की करें तो, सिंधी समाज पर हो रहे अत्याचार की पुकार सुन जल देवता से आकाशवाणी के 2 दिन बाद चैत्र माह की शुक्ल पक्ष में नासरपुर (पाकिस्तान की सिन्धु घाटी) के देवकी व ताराचंद के यहाँ एक बेटे ने जन्म लिया, जिसका नाम उदयचंद रखा गया। हिंदी में उदय का मतलब उगना होता है। भविष्य में ये छोटा बच्चा हिन्दू सिन्धी समाज का रक्षक बना, जिसने मिरक शाह जैसे शैतान का अंत किया अपने नाम को चरितार्थ करते हुए उदयचंद जी ने सिंध के हिंदुओ के जीवन के अँधेरे को खत्म कर उजयाला फैला दिया। पहले उन्हें भगवान का रूप नहीं समझा गया, लेकिन अपने जन्म के बाद ही वे चमत्कार करने लगे। जन्म के बाद जब उनके माता पिता ने उनके मुख के अंदर पूरी सिन्धु नदी को देखा, जिसमें पलो नाम की एक मछली भी तैर रही थी, तब वे हैरान रह गए,इसलिए झुलेलाल जी को पले वारो भी कहा जाता है। बहुत से सिन्धी हिन्दू उन पर विश्वास करते थे, और उनको भगवान का रूप मानते थे, इसलिए कुछ लोग उन्हें अमरलाल भी कहते थे।झुलेलाल जी को उदेरोलाल भी कहते है, संस्कृत में इसका मतलब है कि जो पानी के करीब रहता है या पानी में तैरता है। बाल्यावस्था में उदयचंद को झुला बहुत पसंद था, वे उसी पर आराम करते थे, इसी के बाद उनका नाम झुलेलाल पड़ गया,उनकी माता देवकी उन्हें प्यार से झुल्लण बोलती थी, उनकी माता का देहांत छोटी उम्र में ही हो गया था, जिसके बाद उनका पालन पोषण सौतेली माँ ने ही किया। बता दें एक अन्याई राजा द्वारा हिंदुओ पर जुल्म करना शुरू कर दिया था, सभी हिंदुओ को बोला गया, कि उन्हें इस्लाम अपनाना होगा, नहीं तो उन्हें मार डाला जायेगा, ऐसे में सिंध के सभी हिन्दू बहुत घबरा गए, तब सभी हिंदुओ को सिन्धु के नदी के पास इक्कठे होने के लिए बुलावा भेजा गया हज़ारों की संख्या में लोग वहां इकट्टा हुए, सबने मिलकर जल देवता दरियाशाह की उपासना और प्रार्थना की, कि इस विपदा में वे उनकी मदद करें। सभी ने लगातर 40 दिनों तक तप किया, तब भगवान वरुण ने खुश होकर उन्हें आकाशवाणी के द्वारा बताया, कि वे नासरपुर में देवकी व ताराचंद के यहाँ जन्म लेंगें, वही बालक इनका रक्षक बनेगा।

-किशन सनमुखदास भावनानी

(विश्व गौरैया दिवस, 20 मार्च 2026 पर विशेष:)

गौरैया का कलरव एवं ऊर्जा का खत्म होना बड़ी चुनौती

एक समय था जब सुबह की शुरुआत घर-आंगन में चहकती गौरैया की मधुर ध्वनि से होती थी। यह नन्हीं चिड़िया केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि हमारे जीवन, संस्कृति और संवेदनाओं का अभिन्न हिस्सा थी। बच्चों के बचपन की साथी, घरों की रौनक और प्रकृति की जीवंतता का प्रतीक-वही गौरैया आज हमारे आसपास से लगभग लुप्त होती जा रही है। यह केवल एक पक्षी के कम होने की कहानी नहीं, बल्कि मानव और प्रकृति के बीच बिगड़ते संतुलन का संकेत है। विश्व गौरैया दिवस हर वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है, ताकि इस छोटी-सी चिड़िया के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक किया जा सके। वर्ष 2026 की थीम व्यापक रूप से मानव और प्रकृति का सह-अस्तित्व की भावना को आगे बढ़ाने वाली मानी जा रही है, जो यह संदेश देती है कि यदि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर नहीं चलेंगे, तो न केवल गौरैया, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र संकट में पड़ जाएगा। गौरैया का जीवन मनुष्य के बेहद करीब रहा है। उसने हमारे घरों की छतों, खिड़कियों, रोशनदानों और पेड़ों पर अपने घोंसले बनाए। वह हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनी रही। लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ ने उसे धीरे-धीरे उसके आश्रयों से बेदखल कर दिया। आज कंक्रीट के जंगलों में न तो उसके लिए घोंसले बनाने की जगह बची है और न ही उसके भोजन के स्रोत।

गौरैया की घटती संख्या के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है बदलती जीवनशैली। पहले घरों में खुले स्थान होते थे, मिट्टी के आंगन होते थे, छतों पर अनाज सुखाया जाता था और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था स्वाभाविक रूप से होती थी। आज सब कुछ बंद कमरों और

चमचमाती इमारतों में सिमट गया है। इससे गौरैया का प्राकृतिक निवास समाप्त हो गया है। इसके साथ ही कीटनाशकों और रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक उपयोग भी एक बड़ा कारण है। गौरैया के बच्चे प्रारंभिक दिनों में कीट-पतंगों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन आधुनिक खेती और बागवानी में रसायनों के बढ़ते उपयोग ने इन कीटों को ही समाप्त कर दिया है। परिणामस्वरूप गौरैया के बच्चों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता और उनका जीवन खतरे में पड़ जाता है। मोबाइल टावरों से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगों को भी गौरैया के लिए हानिकारक माना जाता है। ये तरंगें उनके नेविगेशन और प्रजनन क्षमता को प्रभावित करती हैं। यद्यपि इस पर वैज्ञानिक शोध अभी जारी हैं, लेकिन यह निश्चित है कि बढ़ता तकनीकी प्रदूषण पर्यावरण के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। जलवायु परिवर्तन भी गौरैया के अस्तित्व पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। असमय वर्षा, अत्यधिक तापमान और मौसम के अनियमित बदलाव उनके जीवन चक्र को बाधित कर रहे हैं। इससे उनके प्रजनन और जीवन की स्थिरता प्रभावित होती है। गौरैया का संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का भी परिणाम है। हम धीरे-धीरे प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकताएं बदल गई हैं और हमने अपने आसपास के जीवों के प्रति संवेदनशीलता खो दी है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि जब मनुष्य प्रकृति से कटता है, तो उसका अपना अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। गौरैया का संरक्षण केवल एक पक्षी को बचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण, हमारी संस्कृति और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। इसके लिए हमें छोटे-छोटे लेकिन प्रभावी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले हमें अपने घरों और आसपास ऐसे स्थान बनाने होंगे, जहां गौरैया आसानी से घोंसला बना सके। आज बाजार में कृत्रिम घोंसले उपलब्ध हैं, जिन्हें घरों की बालकनी, दीवारों या पेड़ों पर लगाया जा सकता है। इसके साथ ही हमें नियमित रूप से दाना और पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यह एक छोटी-सी पहल है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। हमें अपने बगीचों और आसपास के क्षेत्रों में देशी पौधों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि कीट-पतंगों की संख्या बड़े और गौरैया को प्राकृतिक भोजन मिल सके। जैविक खेती और रसायनों के कम उपयोग को अपनाकर भी हम इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। बच्चों में भी प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता विकसित करना आवश्यक है। उन्हें यह समझाना होगा कि पक्षी केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे जीवन के साथी हैं। यदि बचपन से ही यह भावना विकसित होगी, तो भविष्य में एक जागरूक और जिम्मेदार समाज का निर्माण संभव होगा। सरकार और सामाजिक संस्थाओं को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पक्षियों के संरक्षण के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी, शोध को बढ़ावा देना होगा और जन-जागरूकता अभियानों को व्यापक बनाना होगा। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक मंचों पर इस विषय को प्रमुखता से उठाना होगा। गौरैया हमें यह सिखाती है कि जीवन में सरलता, सामंजस्य और संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। वह बिना किसी शोर-शराबे के अपने अस्तित्व को बनाए रखने की कोशिश करती है। लेकिन जब उसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाए, तो यह हमारे लिए चेतावनी है कि हमने कहीं न कहीं प्रकृति के साथ अन्याय किया है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी सोच को बदलें। हम यह समझें कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। यह सभी जीवों की साझी धरोहर है। यदि हम इसे केवल अपने स्वार्थ के लिए उपयोग करेंगे, तो एक दिन ऐसा आएगा जब हमारे पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा। विश्व गौरैया दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और यह सोचें कि हम प्रकृति के प्रति कितने जिम्मेदार हैं। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संकल्प का दिन होना चाहिए-एक ऐसा संकल्प, जिसमें हर व्यक्ति यह निश्चय करे कि वह अपने स्तर पर प्रकृति और जीवों की रक्षा के लिए प्रयास करेगा। यदि हर घर एक छोटा-सा आश्रय बन जाए, हर आंगन में दाना-पानी की व्यवस्था हो जाए और हर मन में संवेदनशीलता जाग जाए, तो गौरैया फिर से लौट सकती है। उसकी चहचहाहट फिर से हमारे जीवन में खुशियां भर सकती है। अंतत:, गौरैया को बचाना हमारे अपने अस्तित्व को बचाना है। यह एक छोटा-सा कदम है, लेकिन इसके पीछे छिपा संदेश बहुत बड़ा है-प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर ही मानव जीवन सुरक्षित और सुखद हो सकता है। अब समय आ गया है कि हम जागें, समझें और अपने कर्तव्य का निर्वहन करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी गौरैया की मधुर चहचहाहट को सुन सकें और प्रकृति की इस अनमोल धरोहर को सहेज सकें।

- ललित गर्ग

गैस संकट के बीच सरकार का सख्त एक्शन जमाखोरी पर शिकंजा सप्लाई सामान्य करने की कोशिश

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर उसके असर का प्रभाव भारत में भी दिखाई देने लगा है। रसोई गैस यानी एलपीजी की मांग अचानक बढ़ने से कई शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग गईं। लोगों में आशंका और घबराहट के कारण बुकिंग में तेजी आई जिससे आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया। इसी बीच सिलेंडरों की कालाबाजारी और जमाखोरी की खबरों ने सरकार की चिंता और बढ़ा दी। हालात को नियंत्रित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि रसोई गैस जैसी जरूरी वस्तु की आपूर्ति में बाधा डालने वाले किसी भी व्यक्ति या गिरोह को बख्शा नहीं जाएगा।

देश के कई हिस्सों में सिलेंडर पाने के लिए लोगों को घंटों लाइन में लगना पड़ा। कुछ स्थानों पर हालात इतने गंभीर हो गए कि दुखद घटनाएं भी सामने आईं। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लगे 76 वर्षीय मोहम्मद मुख्तियार की अचानक तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल ले जाने से पहले ही उनका निधन हो गया। इसी तरह पंजाब के बरनाला जिले के गांव शैहना में भी सिलेंडर की कतार में खड़े 66 वर्षीय बुजुर्ग भूष्या कुमार मित्तल की हार्ट अटैक से मौत हो गई। इन घटनाओं ने गैस संकट की गंभीरता को उजागर किया और प्रशासन को आपूर्ति व्यवस्था को तुरंत दुरुस्त करने की दिशा में कदम उठाने पड़े।

सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए कई स्तरों पर कार्रवाई शुरू की है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश में एलपीजी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं। भारी मात्रा में एलपीजी लेकर कई बड़े टैंकर भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य से भारतीय जहाजों के सुरक्षित गुजरने की अनुमति मिलने से भी राहत की उम्मीद बढ़ी है। सरकार का कहना है कि जैसे ही ये जहाज भारत पहुंचेंगे गैस की उपलब्धता में तेजी से सुधार होगा और बाजार में दबाव कम होगा।

इसी बीच सरकार ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों पर लगी अस्थायी रोक भी हटा दी है। कुछ दिनों

पहले घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने के लिए कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति रोक दी गई थी। अब जब स्थिति थोड़ी संतुलित होती दिखाई दे रही है तो होटल रेस्टोरेंट और उद्योगों के लिए कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई फिर से शुरू कर दी गई है। दिल्ली एनसीआर समेत कई औद्योगिक क्षेत्रों में गैस की मांग को देखते हुए यह फैसला लिया गया ताकि उद्योग और सेवा क्षेत्र की गतिविधियां भी प्रभावित न हों।

मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा है कि देश के 29 राज्यों और लगभग एक लाख से अधिक रिटेल आउटलेट्स पर ईंधन की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे पैनिक बुकिंग से बचें और जरूरत से ज्यादा गैस या ईंधन जमा करने की कोशिश न करें क्योंकि इससे अनावश्यक संकट की स्थिति पैदा हो सकती है। अधिकारियों का कहना है कि सामान्य दिनों में जहां प्रतिदिन लगभग 50 से 52 लाख एलपीजी बुकिंग होती हैं वहीं हाल के दिनों में यह संख्या बढ़कर करीब 75 लाख तक पहुंच गई है।

जमाखोरी और कालाबाजारी पर लगाम लगाने के लिए देशभर में व्यापक स्तर पर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में लगभग 1400 स्थानों पर छापे मारे गए हैं जहां अवैध रूप से गैस सिलेंडर जमा किए गए थे। मध्य प्रदेश के भोपाल में एक बंद पड़ी गैस एजेंसी से 600 से अधिक सिलेंडर बरामद किए गए। छत्तीसगढ़ में भी 700 से ज्यादा सिलेंडर अवैध भंडारण में मिले जबकि कर्नाटक में चोरी के 500 से अधिक सिलेंडर जब्त किए गए। इन कार्रवाइयों से यह स्पष्ट हो गया है कि संकट के समय कुछ लोग मुनाफाखोरी के लिए जरूरी वस्तुओं की जमाखोरी करने से भी नहीं चूकते। गुजरात में भी प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सूरत में आयोजित क्षेत्रीय क्राइम कॉन्फ्रेंस में राज्य के पुलिस महानिदेशक ने गैस सिलेंडरों की जमाखोरी और अवैध कारोबार पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों को गैस एजेंसियों गोदामों और सप्लाई चेन पर विशेष निगरानी रखने के लिए कहा गया है। अधिकारियों का कहना है कि गैस से भरे ट्रकों और टेम्पो को एजेंसियों तक समय पर पहुंचाने के लिए ट्रैफिक प्रबंधन को भी मजबूत किया जाएगा ताकि वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की रुकावट न आए। बैठक में यह भी तय किया गया कि औद्योगिक क्षेत्रों और घनी आबादी वाले इलाकों में गैस की मांग को देखते हुए पुलिस और प्रशासन विशेष सतर्कता बरतेंगे। अवैध रिफिलिंग चोरी और जमाखोरी के मामलों में तुरंत कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने साफ कहा है कि आवश्यक वस्तुओं के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी प्रावधान लागू किए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य केवल अपराधियों को पकड़ना नहीं बल्कि आम नागरिकों तक आवश्यक वस्तुओं की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करना भी है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने सुरक्षा को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए हैं। लोगों से कहा गया है कि पेट्रोल या डीजल को ढीले या अनुपयुक्त कंटेनरों में भरकर घरों में जमा न करें क्योंकि इससे बड़ा सुरक्षा खतरा पैदा हो सकता है। हाल ही में तमिलनाडु के एक पेट्रोल पंप पर ढीले कंटेनर में पेट्रोल भरते हुए पाया गया जिसके बाद उस पंप को निलंबित कर दिया गया और उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। मंत्रालय ने सभी डीलरों और पेट्रोल पंप संचालकों को ईंधन वितरण के दौरान सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक परिस्थितियों के कारण ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है लेकिन समय रहते उठाए गए प्रशासनिक कदम स्थिति को नियंत्रण में रखने में मदद करते हैं। भारत जैसे बड़े देश में ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता बनाए रखना बड़ी चुनौती है लेकिन मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और रणनीतिक योजना के जरिए सरकार इस चुनौती से निपटने का प्रयास कर रही है। सरकार का कहना है कि आने वाले दिनों में एलपीजी के और जहाज भारत पहुंचेंगे जिससे बाजार में गैस की उपलब्धता बढ़ेगी और कतारों की स्थिति धीरे धीरे खत्म हो जाएगी। प्रशासनिक सख्ती और लगातार छापेमारी से कालाबाजारी करने वाले तत्वों पर भी अंकुश लगेगा। यदि आम नागरिक भी संयम बनाए रखें और जरूरत से ज्यादा गैस जमा करने से बचें तो स्थिति जल्द ही सामान्य हो सकती है।

गैस संकट ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति व्यवस्था में पारदर्शिता और सतर्क निगरानी कितनी जरूरी है। सरकार के सख्त कदमों से उम्मीद की जा रही है कि जमाखोरी पर लगाम लगेगी और देशभर में रसोई गैस की सप्लाई जल्द ही पूरी तरह सामान्य हो जाएगी। इससे लाखों परिवारों को राहत मिलेगी और घरेलू रसोई का चूल्हा बिना किसी रुकावट के जलता रहेगा।

- कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। सामान्य कारोबार के बीच गुरूवार को अनाज मंडी में चना बना रहा। मूंग व उड़द में मजबूती रही। खाद्य तेल बाजार कमजोवेश टिके रहे। तिलहनों में सरसो व रायडा सुर्ख रहा। किराना जिंसों में शक्कर में सुस्ती आयी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में व्यापार सामान्य ही रहा। चना अच्छे मालों में 5550-5600 रू. प्रति क्विंटल बोला गया। मूंग व उड़द में सुर्खी रही। खाद्य तेलों में कारोबार अच्छा रहा। तिलहनों में सोयाबीन 5500 रू. प्रति क्विंटल पर रहा। किराना जिंसों में शक्कर घटाकर बोली गयी। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4080-4130, खोपरा गोला 320-380, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 280-290, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 880-920, सिंगापुरी 820-840, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1500-1700, बेस्ट 1700-1800, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1740-1760, मुम्बई 1770, राजकोट तेलिया 2750, सोया साल्वेंट 1360-1370, सोया रिफाइंड 1440-1450, कपास्या 1360, धूलिया 1370, कड़ी 1370,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725, मुम्बई पाम 1425, मुम्बई सोया 1440,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6600, रायडा 5700-5900, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5550-5600, एवरेज 5350-5400, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5760-5800, एवरेज 5600-5700, मूंग देशी 8100-8200, पाला 8200-8300, चमकी 8300-8400, नायलोन 8300-8400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 240000, चॉंदी (99) 239000, टंच 238500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 152000,

पश्चिम एशिया में तनाव से भारतीय उद्योगों पर दबाव

मुंबई। एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारत की कंपनियों पर साफ दिखाई दे रहा है। पिछले छह महीनों में लगभग 800 भारतीय एसएमइस ने यूएई में करीब 12,000 करोड़ रुपए (1.3 अरब डॉलर) का निवेश किया, लेकिन यूएस-इरान तनाव के कारण रिटेल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र की अस्थिरता से एमएसएमई कंपनियों के लिए जोखिम बढ़ गया है। आपूर्ति बाधित होने और लॉजिस्टिक खर्च बढ़ने से उत्पादन प्रभावित हुआ है। देश में लगभग 50 फीसदी इकाइयों ने उत्पादन बंद कर दिया। पीपी, एचडीपीई, पीवीसी, पेट रेजिन जैसी पेट्रोकेमिकल्स की कीमतों में 78 फीसदी तक की वृद्धि हुई।

शेयर बाजार में हाहाकार

सेंसेक्स 2496 अंक टूटा, निफ्टी में भी 775 अंकों की गिरावट

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट रही। इससे लगातार तीन करोबारी सत्र मे जो लाभ हुआ था उससे कई गुना अधिक नुकसाना हो गया । बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और इजरायल के ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र और इसकी प्रतिक्रिया में ईरान के कतर के सबसे बड़े गैस प्लांट पर हमले के बाद से ही निवेशकों में घबराहट का माहौल है। इन सभी गैस क्षेत्रों को होने वाले नुकसान से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आना तय है। इसके अलावा घरेलू बाजार में एचडीएफसी बैंक के शेयरों में आई गिरावट ने भी बाजार पर दबावा पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 2496.89 अंक टूटकर 74,207.24 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी-50 भी 775.65 फिसलकर 23,002 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार आज हर क्षेत्र में बिकवाली हावी रही। इससे बाजार की कमजोरी का अंदाज होता है।

आज वाहन, संपत्ति और वित्तीय शेयर सबसे ज्यादा गिरे। व्यापक बाजार में भी भारी गिरावट आई, जहां मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक करीब 3-3 फीसदी गिरे। । क्रूड (कच्चे) तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से भी बाजार पर दबाव आया है। क्रूड की कीमतें 119 डॉलर के करीब पहुंच गई, जिससे नकारात्मक माहौल और गहरा गया। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार गिरा है। रुपये की कमजोरी और महंगाई व आर्थिक वृद्धि को लेकर बढ़ती चिंताओं ने भी बाजार धारणा कमजोर हुई है।सेंसेक्स की सभी कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। सबसे ज्यादा गिरावट बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, फसी बैंक, एलएंडटी, बनज फिनसर्व, ट्रेंट लिमिटेड और एक्सिस बैंक में आई। वहीं, सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के ब्रोडर इंडेक्स में भारी गिरावट देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 3.19 फीसदीद और स्मॉलकैप 100 2.94 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

ईरान युद्ध का असर- खाद संकट से भारतीय कृषि पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली। एजेंसी। ईरान से जुड़े मौजूदा तनाव का असर अब वैश्विक खाद बाजार पर साफ दिखने लगा है, जिसका सीधा प्रभाव भारतीय कृषि पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार होर्मुज में शिपमेंट बाधित होने से सल्फर, यूरिया और फॉस्फेट जैसे प्रमुख रसायनों की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे खाद की कीमतों में तेजी आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वैश्विक खाद व्यापार का 20 से 30 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में यदि स्थिति लंबी खिंचती है, तो सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। भारत के लिए चिंता इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि मार्च-अप्रैल के बीच खाद आयात का अहम समय होता है, जबकि मई से मक्का की बुवाई शुरू होती है, जो सबसे अधिक खाद पर निर्भर फसल है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्राकृतिक गैस की आपूर्ति घटने से नाइट्रोजन आधारित खादों के उत्पादन पर भी असर पड़ा है। वहीं खाड़ी देशों सऊदी अरब, कतर, ओमान और बहरीन से होने वाले निर्यात में गिरावट से बाजार पर अतिरिक्त दबाव बना है। यदि यह संकट एक महीने से अधिक चलता है, तो भारत में खाद के उपयोग में कमी आ सकती है, जिससे फसल उत्पादन और पैदावार प्रभावित होने का खतरा है। इसके साथ ही अल नीनो जैसी मौसमी परिस्थितियां स्थिति को और गंभीर बना सकती हैं। हालांकि भारत रूस जैसे वैकल्पिक स्रोतों से आयात बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, लेकिन लंबे समय तक सप्लाई गैप को भर पाना मुश्किल होगा। ऐसे में खाद की बढ़ती कीमतें किसानों की लागत बढ़ाएंगी और मुनाफा घटा सकती हैं।

भारत में एलपीजी आपूर्ति संकट, मुंद्रा और कांडला में टैंकरों की निगरानी

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत में एलपीजी की आपूर्ति संकट के बीच दो बड़े टैंकरों शिवालिक और नंदा देवी की हरकतें सुर्खियों में हैं। शिवालिक ने सोमवार को मुंद्रा बंदरगाह, गुजरात पर लंगर डाला, जबकि नंदा देवी मंगलवार को कांडला बंदरगाह, गुजरात पहुंची। दोनों में लगभग 92-92 हजार टन प्रोपेन और ब्यूटेन है। यह मिलकर भी केवल देश की एक दिन की एलपीजी मांग पूरी कर सकती है। शिपिंग के आंकडों और उद्योग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि एलपीजी की आवक में तेज गिरावट चिंता बढ़ा रही है। कच्चे तेल या तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के उलट ज्यादातर एलपीजी के लिए दुनिया भर में लंबी अवधि के करार किए जाते हैं। इसलिए हाजिर बाजार के लिए बहुत कम एलपीजी बचती है। आंकड़े बता रहे हैं कि मार्च के पहले 15 दिनों में केवल 5.61 लाख बैरल रोजाना एलपीजी आई, जो फरवरी के पहले 15 दिनों के मुकाबले 36 फीसदी कम है। मार्च में जो गैस आई है, वह भी 28 फरवरी के पहले लादी गई थी, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला नहीं किया था। केप्लर और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार मार्च और अप्रैल में भारत भेजने के लिए रोजाना केवल 2.19 लाख बैरल एलपीजी लादी जा रही है, जो फरवरी के लदान से 75 फीसदी कम है। इससे देश में बमुश्किल तीन दिन की मांग पूरी हो पाएगी। इसमें भी आधी से ज्यादा एलपीजी अमेरिका से चार टैंकरों में आ रही है, जो 40-50 दिन सफर कर अप्रैल में ही यहां पहुंच पाएगी। पश्चिम एशिया से गैस आने में 7 से 14 दिन ही लगते हैं। अमेरिका से इस महीने 1.22 लाख बैरल रोजाना गैस ही लादी गई है और फिलहाल इकलौती वही गैस भारत आ रही है। मार्च की बाकी खेप में 6 टैंकर हैं, जो फारस की खाड़ी में फंसे हैं और जिनकी वजह से एलपीजी की आपूर्ति घटी है। नौवहन मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि भारत ने इन टैंकरों को महफूज रास्ता दिलाने के लिए ईरान के साथ राजनयिक प्रयास तेज कर दिए हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपको थोड़ा संयम और समझदारी से चलने की सलाह देता है। किसी बात को लेकर आपकी माताजी आपसे नाराज़ हो सकती हैं, क्योंकि आप अपने मन की करने की कोशिश करेंगे, जिससे उनकी भावनाओं को ठेस लग सकती है। इसलिए परिवार के प्रति संवेदनशील रहें। दूसरों के मामलों में बेवजह बोलने से बचना ही बेहतर रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए खुशी और मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, जिससे आपको गर्व महसूस होगा। यदि आपने हाल ही में कोई परीक्षा दी थी, तो उसके परिणाम भी सामने आ सकते हैं। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छे अवसर बन सकते हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिथुन- आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी और आप समझदारी से फैसले ले पाएंगे। मन में प्रेम और सहयोग की भावना बनी रहेगी, जिससे रिश्तों में मधुरता आएगी। भाई-बहनों के साथ किसी पार्टी या छोटे आयोजन की योजना भी बन सकती है। यदि कोई कानूनी मामला आपको परेशान कर रहा था, तो उसमें राहत मिलने की संभावना है।

कर्क- आज का दिन सामान्य रूप से अच्छा रहने वाला है। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और व्यवसाय भी पहले से बेहतर चलेगा, जिससे आपको संतोष मिलेगा। हालांकि पिताजी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है। किसी दूर रहने वाले रिश्तेदार से कोई निराशाजनक खबर मिलने की भी संभावना है, लेकिन ऐसी स्थिति में धैर्य और संयम बनाए रखना ही बेहतर रहेगा।

सिंह- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए काफी राहत देने वाला रहेगा। पढ़ाई से जुड़ा मानसिक और बौद्धिक दबाव कम हो सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में अच्छा लाभ मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि किसी शारीरिक समस्या के कारण थोड़ी परेशानी भी हो सकती है। आज आपकी कुछ नए और प्रभावशाली लोगों से पहचान बढ़ सकती है, जिससे राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए आनंद और मौज-मस्ती से भरा रहेगा। हालांकि अपनी किसी पुरानी गलती को सुधारने के लिए आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है। आप कुछ कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे, जो आगे चलकर परेशानी बढ़ा सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

तुला- आज आपको अपनी आय और खर्च के बीच संतुलन बनाकर चलना होगा। किसी सहयोगी के साथ बहुत ज्यादा निजी या जरूरी जानकारी साझा करने से बचें। अपने कामों को समय पर पूरा करने के लिए आपको थोड़ा सख्त और अनुशासित रवैया अपनाना होगा। कार्यक्षेत्र में छोटी-मोटी गलती हो सकती है, जिससे आपके साथी नाराज़ हो सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए खुशी और संतोष लेकर आने वाला है। धन-धान्य में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा को मिल-बैठकर दूर करने का प्रयास करेंगे। खान-पान में लापरवाही न करें, क्योंकि कोई पुरानी स्वास्थ्य समस्या दोबारा उभर सकती है। आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लाने की भी कोशिश करेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए धन और समृद्धि में वृद्धि के संकेत दे रहा है। आपको अपने पिताजी की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए और यदि वे आपको कोई सलाह दें, तो उस पर ध्यान अवश्य दें। गलत खान-पान से बचें, क्योंकि पेट से जुड़ी समस्या बढ़ सकती है। परिवार में किसी नए मेहमान के आगमन से घर का माहौल खुशहाल रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए परोपकार और सामाजिक कार्यों में भाग लेने का रहेगा। किसी विवाद या झगड़े में पड़ने से बचें। सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने से आपकी छवि और भी बेहतर होगी और लोगों का समर्थन भी बढ़ेगा। संतान के मनमौजी स्वभाव को लेकर आप थोड़े चिंतित रह सकते हैं। साथ ही अनजान लोगों से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी, क्योंकि कुछ लोग आपको भ्रमित करने की कोशिश कर सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए खुशखबरी लेकर आ सकता है। नई नौकरी मिलने की संभावना से आपका मन प्रसन्न रहेगा। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा और किसी साइड इनकम का भी मौका मिल सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचें, क्योंकि अचानक खराबी के कारण खर्च बढ़ सकता है। किसी जरूरी काम के सिलसिले में अचानक यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

मीन- आज का दिन सामान्य से बेहतर रहेगा, लेकिन आपको सतर्क रहने की जरूरत है। किसी अजनबी पर जल्दी भरोसा न करें। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है, इसलिए संयम और धैर्य बनाए रखें। नौकरी में आपको जो भी काम मिले, उसे पूरी जिम्मेदारी के साथ करें और लापरवाही से बचें। माताजी की सेहत में गिरावट आने के कारण आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी के साथ मतभेद होने की भी संभावना है।

शब्दजाल - 8203

स	म	र	यु	दा	प	र	तू	ग	झ	दो
ज	अ	ल	प	मु	रिं	शो	ना	दि	शा	आं
अं	इ	नु	म	ल	दा	ल	ध	र	ला	खें
ती	कु	दा	रा	धा	ब	क	प	रि	श	बा
स	ति	श	न	धा	क	ब	री	ग	वी	र
री	रं	ल	प	व	लि	र्त	ऐ	ती	प	ह
क	गा	ल	श	गा	प	म	क्रां	कौ	या	हा
स	बा	अ	र्जा	त	क	छ	प्प	ग	श	थ
म	स	मि	तें	व	न	ज	मृ	शा	जू	द
द	र	ल	श	ह	र	औ	र	स	प	ना
थो	ड़	सा	रु	बा	घ	ब	हा	दु	र	क

शब्द जाल में नेशनल अवार्ड विजेता 10 हिंदी फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

मिर्जा गालिब, दो आंखें बारह हाथ, अनुराधा, शहर और सपना, तीसरी कसम, मृगया, शोध, दामुल, बाघ बहादुर, समर

शब्दजाल - 8202 का हल

बं	म	स	म	न	च	ली	क	म	ल	म
म	वा	व	लि	दा	न	म	मौ	स	ल	न
र्या	ह	म	र	ते	द	म	त	क	य	की
दा	ब	बं	र	दे	म	ब	द	ल	श	आं
म	इ	म	म	सं	व	क	श	र	मं	खें
हा	म	म	ई	म	र	क	स	ना	जि	ज
रा	बं	द	श	र्द	क	मं	र	द	ल	ब
म	र	ब	र	व	ज	सी	ग	न	प	न
क	म	ल	ज	इं	बा	री	ऐ	ल	प	र
क	शा	ल	म	बू	डि	स	म	ब	पां	जा
का	ल	बं	ध	न	क	या	म	ग	प	डे

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7147

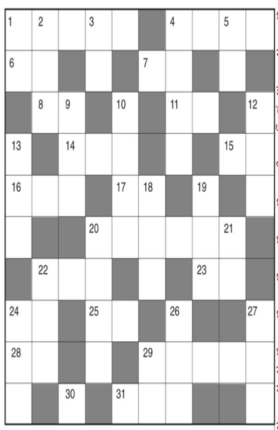

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका ?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7146

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

20 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मीन में
चंद्र	मीन में
मंगल	कुंभ में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मीन	05.49 बजे से
मेष	07.23 बजे से
वृष	09.03 बजे से
मिथुन	11.01 बजे से
कर्क	13.15 बजे से
सिंह	15.31 बजे से
कन्या	17.43 बजे से
तुला	19.53 बजे से
वृश्चिक	22.08 ब.से
धनु	00.24 बजे से
मकर	02.29 बजे से
कुंभ	04.16 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 79 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 02.31 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 02.28 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ब्रह्म 22.15 बजे को समाप्त। **करण** बालव 15.44 बजे तदनन्तर कौलव 02.31 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 00° 15' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872654 **जूलियन दिन** 2461119.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 30 **विशेष** सिंधारा दोज, चंद्रदर्शन, झूलेलाल जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः खुद की पहचान

उद्दालक ने अपने पुत्र श्वेतकेतु को एक प्रसिद्ध ऋषि के पास पढ़ने भेजा। श्वेतकेतु की दृष्टि में उसके पिता उद्दालक बहुत बड़े विद्वान थे। वह चाहता था कि वह अपने पिता से ही शिक्षा ग्रहण करे पर उद्दालक ने समझाया, 'गुरु पिता से ऊपर होता है, इसलिए तुम्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए गुरु के पास ही जाना चाहिए। 'श्वेतकेतु गुरु के पास गया। वहां बारह वर्ष पढ़ने के बाद जब वह अपने घर आया तो उसे लगा कि अपने पिता उद्दालक से भी उसे बहुत अधिक ज्ञान हो गया है। उसके व्यवहार में अहं अधिक व नम्रता कम थी। विद्वान उद्दालक श्वेतकेतु की मनोवृत्ति भांप गए। उन्होंने श्वेतकेतु को बुलाया और पूछा, 'श्वेतकेतु तुमने क्या - क्या पढ़ा ? हमको बताओ। 'श्वेतकेतु बताने लगा, 'मैंने व्याकरण पढ़ा, शास्त्र पढ़ा, उपनिषदों को पढ़ा। 'इस प्रकार उसने एक बड़ी सूची प्रस्तुत कर दी। सूची पूरी होने के बाद उद्दालक ने पूछा, 'श्वेतकेतु क्या तुमने वह पढ़ा जिसको पढ़ने के बाद और कुछ पढ़ने के लिए शेष नहीं रहता ? क्या तुमने वह देखा जिसको देखने के बाद और कुछ देखने के लिए है ही नहीं ? क्या तुमने वह सुना जिसको सुनने के बाद और सुनने के लिए कुछ बचता नहीं ?' श्वेतकेतु अचंभे में पड़ गया।उसने कहा,'क्या है वह ? मैं नहीं जानता हूं। मैंने वह पढ़ा नहीं। न सुना , न देखा न प्रयत्न किया। वह क्या है ?' उद्दालक बोले, 'जाओ फिर से अपने गुरुजी के पास जाओ। उनसे कहो कि वह तुम्हें सिखाएं। जाओ वह पढ़कर आओ। 'श्वेतकेतु गुरु के पास गया। गुरु जी बोले, 'वह तुम्हारे पिता जी के पास ही है, उनसे ही वह ले लो। 'श्वेतकेतु घर लौट आया। अब वह अपने को बदला हुआ सा अनुभव कर रहा था। उसका अहं खत्म हो गया था। व्यवहार में पूर्ण नम्रता थी। वह शांत था। एक दिन उद्दालक ने उसे बुलाया और कहा, 'श्वेतकेतु वह तुम हो। 'श्वेतकेतु जीवन का अभिप्राय समझ गया था। वह जान गया कि अपने आपको जानने के बाद कुछ जानना शेष नहीं रहता।

सूडोकु नवताल- 7456

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7455 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 8671

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर,कृपाण-4
4. उपद्रवी,आतंकी-4
6. अनुबंध,संधि-3
8. धोखा,छल,मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी,जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा,कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा,विशाल-3
4. अपनत्व,अपनापन-5
5. अनबन,झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात,सहसा-4
14. दृष्टि,निगाह-3
17. बेमिसाल,अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -8670 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शिक्षकों पर पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की बाध्यता के खिलाफ आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने खोला मोर्चा

विधायक राजकुमार कर्राहे को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश में शिक्षक संवर्ग पर शिक्षक पात्रता परीक्षा को अनिवार्य किए जाने के निर्णय ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। 25-30 वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों पर अचानक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की बाध्यता लागू करने के खिलाफ आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने मोर्चा खोल दिया है। संघ ने इस मामले को लेकर विधायक राजकुमार कर्राहे को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कड़े शब्दों में विरोध दर्ज कराया है। सेवा शर्तों में बदलाव से शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त है। संघ का कहना है कि जिन शिक्षकों की नियुक्ति पूर्व में निर्धारित सेवा शर्तों के आधार पर हुई थी, उन पर अब नई शर्तें थोपना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे शिक्षकों के सामने अब नौकरी बचाने के लिए पात्रता परीक्षा पास करने की चुनौती खड़ी कर दी गई है। शिक्षक संघ के पदाधिकारियों का आरोप है कि यह निर्णय न केवल सेवा शर्तों का उल्लंघन है, बल्कि शिक्षकों के आत्मसम्मान पर भी सीधा आघात है। संघ ने इसे भूतलक्षी प्रभाव वाला फैसला बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर पुनर्विचार की मांग

ज्ञापन में संघ ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णय को आधार बनाकर यह आदेश लागू किया गया है, लेकिन अन्य राज्यों की तरह मध्यप्रदेश सरकार को भी इस फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करना चाहिए। संघ का मानना है कि जब तक इस मामले में अंतिम निर्णय नहीं आ जाता, तब तक इस आदेश को स्थगित रखा जाना चाहिए। अन्यथा हजारों शिक्षकों का भविष्य अधर में लटक सकता है।

2 साल में पात्रता परीक्षा पास नहीं किया तो नौकरी खत्म!

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को दो वर्षों के भीतर पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया गया है। यदि कोई शिक्षक इस अवधि में परीक्षा पास नहीं करता और उसकी सेवानिवृत्ति में 5 वर्ष से अधिक समय शेष है, तो उसे सेवा से हटाया जा सकता है या अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जा सकती है। इतना ही नहीं, पदोन्नति के लिए भी पात्रता परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है, जिससे शिक्षकों की चिंताएं और बढ़ गई हैं।

आंदोलन की चेतावनी, सौंपा ज्ञापन

शिक्षक पात्रता परीक्षा को अनिवार्य करने के विरोध में लांजी में शिक्षकों द्वारा विरोध करते हुए क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे को पुरानी भर्ती नियमों का हवाला देकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सोपा गया है। वही आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष आशीष बिसेन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द ही इस आदेश पर पुनर्विचार नहीं किया, तो प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक वर्षों से शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं और उनके साथ इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब देखना होगा कि सरकार शिक्षकों की इस नाराजगी को किस तरह संभालती है, क्योंकि मामला सीधे हजारों परिवारों की आजीविका से जुड़ा हुआ है।

पहाड़ी पर विराजित मां पांढरी पाठ मंदिर में 2575 मनोकामना ज्योति कलश की हुई स्थापना

पद्मेश न्यूज। लांजी। हिन्दु धर्म में चैत्र नवरात्रि का बहुत खास महत्व होता है। यह मां दुर्गा की पूजा का बडा पर्व माना जाता है। शक्ति की आराधना का पर्व चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू होकर 27 मार्च तक मनाया जायेगा और इसी दिन नौ दिनों तक चलनें वाले नवरात्र पर्व की शुरूआत होगी। यह पर्व देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों का प्रतीक है, जो भक्तों शक्ति साहस और सकारात्मक उर्जा प्रदान करते हैं। चैत्र नवरात्र की शुरुआत आज से पूरे लांजी क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति के माहौल के बीच हो गई है. इस पावन अवसर पर भक्तों ने सुबह-सुबह उठकर कलश स्थापना के साथ मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना की. नवरात्र का पहला दिन मां शैलपुत्री को समर्पित होता है, जिन्हें शक्ति और दृढ़ता का प्रतीक माना जाता है. मंदिरों में विशेष सजावट की गई है और भक्तों की भीड़ दर्शन के लिए उमड़ रही है. लांजी क्षेत्र में भी नवरात्र और हिंदू नव वर्ष को लेकर खास उत्साह देखने को मिल रहा है, जहां लोग परिवार के साथ मंदिर पहुंचकर मां का आशीर्वाद ले रहे हैं. इसी क्रम में जनपद पंचायत लांजी के ग्राम वारी के खराड़ी जलाशय के पास 50 फीट ऊंचाई पहाड़ी पर मां पांढरी पाठ विराजित है। चैत्र नवरात्रि की पावन बेला की शुरुआत होते ही मां पंडरी पाठ माता के दरबार में भक्तों का ताता लगने लगा वही नवरात्र के पहले दिन ही माता के दरबार में 2575 मनोकामना ज्योति कलश रखे गए। चैत्र नवरात्र में मां का दरबार 2575 मनोकामा ज्योति कलशों से जगमगा रहा है।यहां वैसे तो साल भर भक्तों का मां के दर्शन करने आना जाना लगा रहता है।मंदिर पर जाने के लिए 108 सीढ़ियां पार कर दर्शन होते है।सेवादार ब्रह्म मुहूर्त में माता रानी की पूजा अर्चना कर गो माता के दर्शन का पुण्य लाभ लेते हैं। मां पांढरी पाठ दरबार प्राकृतिक व सुरम्य वादियों के बीच स्थित है।

नवरात्र में आते हैं हजारों भक्त

यूं तो वर्ष भर मां पांढरी पाठ धाम में सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रम होते रहते हैं।कभी मुंडन कभी भंडारे के अलावा गरीबों के लिए सेवा कार्य भी चलते हैं। लेकिन क्वांर व चैत्र नवरात्र में दूर-दूर से भक्तगण माता रानी के दर्शन करने आते हैं। इसी का प्रमाण है कि चैत्र नवरात्र पर्व पर इस बार 2575 मनोकामना ज्योति कलश रखे गए हैं।मंदिर समिति व ग्रामीणजन आने वाले श्रद्धालुओं का आतिथ्य भाव से सेवा भी करते हैं। इस तरह नौ दिनों में हजारों श्रद्धालुजन माथा टेकने पहुंच जाते है।

श्रद्धा आस्था व भक्ति का संगम

मां पांढरी पाठ धाम में श्रद्धा के साथ आस्था और भक्ति का संगम देखने को मिलता है। यहां पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य प्रांतों के लोग दर्शन करने समय-समय पर आते रहते हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद लांजी में हुई बैठक

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी में 18 मार्च को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। संपूर्ण बैठक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कमलचंद सिंह सार की

अध्यक्षता में आहुत की गई जिसमें जनपद सभापति दिनेश लाड़े, जनपद सदस्य महेन्द्र पटले, सरपंच दुलापुर ताराचंद कुचलाहे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं सभी विभागों के विभाग प्रमुख, अधिकारी कर्मचारी की उपस्थिती में बैठक प्रारंभ की गई। बतादे कि जल गंगा संवर्धन अभियान जो कि प्रदेख मुखिया डॉ मोहन यादव के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपूर्ण प्रदेश में संचालित है। उल्लेखनिय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हम अपने अपने क्षेत्रो, ग्रामो में जल स्त्रोतो को संरक्षित करे, पर्यावरण में अहम भूमिका निभाये। ताकि हमारे जल स्त्रोत संवर्धित रहे और हमे कभी जल अभाव से ना जुझना पड़े। इन्ही सभी विषयो को लेकर जनपद में बैठक का आयोजन किया गया था जिसमें प्रमुख रूप से 14 विभागो को शामिल किया गया है साथ ही मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं जन भागीदारी की प्रमुखता बताई गई। माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश पर अनुभाग स्तर पर एक समिति का गठन किया गया है जिसमे नोडल अधिकारी एसडीएम लांजी तथा समन्वयक सीईओ लांजी रहेंगे। अन्य विभाग प्रमुख इस समिति के सदस्य की भूमिका मे रहेंगे। इस वर्ष यह जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से प्रारंभ होकर 30 जून तक संचालित किया जायेगा। इस दौरान अनेको जल संरक्षण, संवर्धन के कार्यक्रम, कार्यशालाऐं तथा ऐसे विभिन्न आयोजन किये जायेंगे जो कि सीधे जनता को जल संरक्षण से जोड सके। नगरीय एवं ग्रामीण स्तरो पर यह कार्यक्रम पृथक पृथक देखने को मिलेंगे जिसका उद्देश्य जल संरक्षण, संवर्धन होगा। बैठक के दौरान समस्त जनप्रतिनिधि एवं नोडल अधिकारी ने क्षेत्र एवं नगर की जनता से अपील की है वे इस जल गंगा संवर्धन अभियान का हिस्सा बने, तथा जल स्त्रोतो को संरक्षित करने का कार्य करे।

सनातनी महिलाओं व राष्ट्र सेविका समिति की समस्त सदस्यों ने नववर्ष पर किया दीपदान

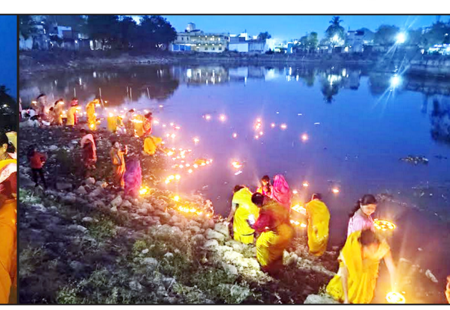

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर के सनातनी महिलाऐं एवं राष्ट्र सेविका समिति की समस्त सदस्य गणों के द्वारा प्रतिवर्ष हिन्दु नववर्ष, गुड़ी पाड़वा एवं चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर के धार्मिक आस्था केन्द्र गणेशी तालाब मे दीप दान करते है। इसी क्रम में 19 मार्च को नगर के गणेशी तालाब में हिन्दू नववर्ष के अवसर पर संध्या में आयोजित कार्यक्रम के तहत नगर की प्रमुख महिलाओं एवं राष्ट्र सेविका समिति की महिलाओं के द्वारा संध्या काल में 6ः30 बजे गणेशी तालाब में एकत्रित होकर दीपदान उत्सव का आयोजन किया गया। संध्या बेला में नगर परिषद के प्रांगण में सभी महिलाएं एकत्रित होकर गायत्री परिवार की महिलाओं द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना करने के उपरांत भारत माता की आरती कर गणेशी तालाब में दीपदान किया। संध्या के समय गणेशी तालाब में पानी में तैरते दीपक अनोखी छटा बिखेर रहे थे। दीप दान भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का एक अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक कार्य माना जाता है। दीप अर्थात प्रकाश और दान यानी अर्पण—इस प्रकार दीप दान का अर्थ है अंधकार को दूर कर प्रकाश फैलाना। दीप दान को अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाकर ज्ञान और सत्य के प्रकाश को फैलाने का प्रतीक माना जाता है। यह हमारे भीतर सकारात्मक ऊर्जा, शांति और श्रद्धा का संचार करता है। हिंदू धर्म में विभिन्न पर्वों और विशेष तीज त्यौहारों एवं तीर्थ स्थलों पर दीप दान का विशेष महत्व है। नदियों, मंदिरों और पवित्र स्थलों पर दीप जलाकर दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और भगवान की कृपा प्राप्त होती है। नदी या सरोवर में दीप प्रवाहित करना प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करने का एक सुंदर तरीका है। यह जल, अग्नि और वायु जैसे तत्वों के प्रति सम्मान को दर्शाता है। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा पूजा अर्चना कर एक-दूसरे को हल्दी-कुमकुम लगाकर नववर्ष एवं चैत्र नवरात्र पर्व की बधाईयां दी गई एवं प्रसादी का वितरण किया।

ज्योति कलशों से जगमगाएं देवी मंदिर

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर सहित क्षेत्र के सभी प्रमुख देवी मंदिरों में 19 मार्च से चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर नगर के समस्त देवी मंदिरो मे विधी विधान से नवरात्रि पर्व की पूजा अर्चना की गई एवं ज्योति कलश स्थापित कर जवारे बोए गए। नगर में मॉ लंजकाई मंदिर, मॉ काली मंदिर मण्डई टेकरी, मॉ शीतला माता मंदिर, मॉ गायत्री मंदिर

भिलाई रोड लांजी, मॉ त्रिशक्ति दुर्गा मंदिर, मॉ दुर्गा मंदिर निमटोला, दुर्गा मंदिर बिसोनी, भाडरासुर देवी मंदिर, मोर्चागढ, पांढरीपाठ देवी मंदिर वारी इन सभी सिद्धपीठो में पूरे विधी विधान से माता रानी की पूजा अर्चना की गई। क्षेत्र के समस्त माता मंदिरो में को मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना की गई है। जिसके तहत नगर के माँ लंजकाई मंदिर में 558 कलश, माँ पांढरी पाठ देवी धाम में 2575 कलश, माँ गायत्री शक्तिपीठ में 67 कलश, त्रिशक्ति दुर्गा मंदिर कलश, माँ शीतला मंदिर में 108 कलश, मॉ दुर्गा मंदिर निमटोला 77 कलश, शीतला माता मंदिर निमटोला में 42 कलश, दुर्गा मंदिर बिसोनी में 361 कलश, भाडरासुर 33 कलश वहीं हमेशा की तरह काली मंदिर में 2 ज्योति कलश तथा संकल्प बहुतायत भक्त जनों के द्वारा लिया गया है।

नगर परिषद ने गणेशी तालाब में सफाई अभियान चलाकर प्रारंभ किया जल गंगा सवंर्धन अभियान

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगरीय क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न जल स्त्रोतों - नदी,तालाब, कुओं, बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रोतों को अविरल बनाये रखने हेतु इन संरचनाओं के संरक्षण एवं पुर्नजीवन के उद्देश्य से शासन द्वारा दिनांक 19 मार्च 2026 से 30 जून 2026 तक जल संरचनाओं के पुनर्जीवीकरण/संरक्षण हेतु विक्रमोत्सव 2025 जल गंगा संवर्धन अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया है, जिसके तहत नगर परिषद् लांजी एवम परिषद् पदाधिकारियों तथा कर्मचारियों के सहयोग से 19 मार्च 2026 को गणेशी तालाब में सफाई अभियान चलाकर जल गंगा सवंर्धन अभियान प्रारंभ किया गया। जिसके तहत तालाब परिसर मे फैले कचरे तथा खरपतवार को निकाला गया। यह कार्यक्रम मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने नगर परिषद लांजी के मार्गदर्शन मे कराया गया। जिसमे मुख्य रूप से नगर परिषद् अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, सभापति किशोर रामटेककर, पार्षद सौरव (मोनू) पशीने , सामाजिक कार्यकर्ता एवम पूर्व पार्षद लीलाधर डोलस, शरद आसटकर, नगर परिषद् कर्मचारियों में वंदना भार्गव, संतोष भार्गव, तेजराम आसटकर, उत्तम रामटेक्कर, विनोद तिवारी, नेकराम रामटेक्कर सहित समस्त कर्मचारियों के साथ साथ समस्त सफाई मित्रो का सहयोग सराहनीय रहा।

आसोलीटोला में चैत्र नवरात्रि पर मां दुर्गा की प्रतिमा की हुई प्राण प्रतिष्ठा

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम आसोलीटोला सावरी खुर्द में स्थित शीतला माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि पर्व के प्रथम दिन 19 मार्च को मां दुर्गा की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा भक्तिमय माहौल में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर सर्वप्रथम दुर्गा माता की प्रतिमा को कलश यात्रा के साथ पूरे ग्राम में भ्रमण कराया गया। जिसके बाद मंदिर प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रतिमा की स्थापना की गई।

तत्पश्चात हवन एवं शांति पाठ में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मां दुर्गा की प्रतिमा जबलपुर के भेड़ाघाट से लाकर श्रीराम दमाहे द्वारा प्रदान की गई थी। आयोजन के अंत में सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया, जिससे वातावरण और भी पावन हो गया। इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में ग्रामवासियों का सामूहिक योगदान रहा। बता दें कि आसोलीटोला में सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों में सभी समाज के लोग एकजुट होकर श्रद्धा और सहयोग से आयोजन कराते हैं। जिससे हर आयोजन उत्सव का रूप ले लेता है।

कटंगी के हार्दिक दसरिया का जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम कटंगी घंसा निवासी रामकिशोर और भूमेश्वरी दसरिया के प्रतिभाशाली पुत्र हार्दिक दसरिया ने अपनी मेहनत और लगन से उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। शासकीय प्राथमिक विद्यालय चिचेवाड़ा के इस होनहार विद्यार्थी ने जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 में कक्षा 6वीं हेतु प्रवेश प्राप्त कर जिले में 25वां स्थान हासिल किया है। बताया गया कि हार्दिक का चयन सैनिक स्कूल रीवा में भी हुआ है। विद्यालय की शिक्षिकाएं भूमेश्वरी दसरिया, येमेश्वरी घोरमारे ने हार्दिक को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्वल भविष्य की कामना की है। हार्दिक ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, दादा-दादी, शिक्षकों को दिया है। छात्र हार्दिक ने बताया कि भविष्य में वह आई.पी.एस. अधिकारी बनकर देश की सेवा करना चाहता है। इस सफलता पर परिवार, रिश्तेदार, स्कूल परिवार, समाज और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित किए हैं।

मप्र में ब्यूरोक्रेट्स की कमी प्रशासनिक व्यवस्था पर पड़ रही भारी

प्रदेश में आईएएस के 68, आईपीएस के 48 और आईएफएस के 87 पद खाली

भोपाल। मप्र में ब्यूरोक्रेट्स की कमी सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन पर भारी पड़ रही है। अफसरों की कमी के कारण एक अफसर पर कई-कई विभागों की जिम्मेदारी है। प्रदेश में अखिल भारतीय सेवा के तीन कैडर(आईएएस, आईपीएस और आईएफएस) के 203 पद खाली हैं। केंद्र सरकार इन पदों पर भर्ती नहीं कर पा रही है और राज्य सरकार भी राज्य प्रशासनिक सेवा, राज्य पुलिस सेवा और राज्य वन सेवा के अफसरों को समय पर पदोन्नति दिलाने की कार्रवाई में देरी कर पद रिक्त बनाए रखने का काम कर रही है।

मप्र में सभी प्रमोटी अफसरों को कलेक्टर, एसपी और डीएफओ बनने का मौका भले ही नहीं मिल पा रहा है, लेकिन यहां अखिल भारतीय सेवा के अफसरों की कमी चिंताजनक है। एक जनवरी 2025 की स्थिति में केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़े बताते हैं कि एमपी में आईएएस के 68 पद, आईपीएस के 48 और आईएफएस कैडर के 87 पद खाली हैं। संसद में सरकार द्वारा पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के विभिन्न कैडर में लगभग 1,300 पद खाली हैं। देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मिलाकर कुल आईएएस की स्वीकृत संख्या 6,877 है, जबकि वर्तमान में 5,577 अधिकारी कार्यरत हैं। इससे लगभग 1,300 पद खाली रह जाते हैं, जो लगभग 18.9 प्रतिशत है। यह कमी केवल आईएएस तक ही सीमित नहीं है। सरकार के आंकड़ों से पता चलता है कि तीनों अखिल भारतीय सेवाओं आईएएस, आईपीएस और आईएफएस में पद खाली हैं। तीनों सेवाओं में कुल मिलाकर 15,169 अधिकारियों की स्वीकृत संख्या के मुकाबले 2,834 पद रिक्त हैं। अगर मप्र की बात करें तो यहां आईएएस के 459 पद स्वीकृत हैं उनमें से 391 पद भरे हैं। वहीं आईपीएस के 319 पदों में से 271 भरे हैं जबकि

आईएफएस के 296 पदों में से 209 ही भरे हुए हैं।

प्रमोशन समय पर हों तो सुधार की गुंजाइश

इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि संघ लोक सेवा आयोग की भर्ती के अलावा राज्यों में प्रमोशन से भरने वाले पदों के जरिये इस रिक्तता को कम किया जा सकता है लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग, गृह विभाग और वन विभाग के अफसरों की लापरवाही और देरी के चलते तीनों ही कैडर की डीपीसी समय से नहीं हो रही है और इसका असर पद रिक्त होने के रूप में साफ दिख रहा है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक अनुभव की टाइम लिमिट को भी जिम्मेदार बताया जा रहा है।

प्रशासनिक और नीतिगत कामों पर सीधा असर

अधिकारियों का मानना है कि स्वीकृत पदों के न भर पाने से कई दिक्कतें होती हैं। हालांकि पद रिक्त रहने के कई संरचनात्मक कारण भी बताए जा रहे हैं। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से वार्षिक भर्ती सीमित है, जबकि हर साल सेवानिवृत्ति जारी हैं। राज्य सिविल सेवाओं से आईएएस में अधिकारियों की पदोन्नति में देरी ने भी इस अंतर को और बढ़ा दिया है। इसके अलावा कई राज्यों ने भर्ती में समानुपातिक वृद्धि किए बिना अपने कैडर की संख्या बढ़ा दी है।

दबाव में काम करते हैं अधिकारी

अफसरों के अनुसार पद रिक्त होने का असर फील्ड वर्किंग में साफ दिखता है। मंत्रालय में भी एक आईएएस अधिकारी एक साथ कई महत्वपूर्ण कार्यभार संभालता है। विशेष रूप से जिला और सचिवालय स्तर पर ऐसी स्थिति बनती है जिससे पहले से ही दबाव में काम करने वाली प्रशासनिक व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

कर्मचारियों के लिए कैशलेस हेल्थ स्कीम लाने की तैयारी

भोपाल। मप्र सरकार राज्य के 12 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक नई और व्यापक कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना (जिसे अक्सर सीएम केयर या नई आयुष्मान तर्ज की योजना कहा जा रहा है) तैयार कर रही है। इस योजना का उद्देश्य पुरानी प्रतिपूर्ति प्रणाली को हटाकर इलाज को सरल और सुलभ बनाना है। स्वास्थ्य बीमा योजना को अधिक प्रभावी, समावेशी और कैशलेस बनाने के लिए सरकार अन्य राज्यों के सफल मॉडलों का अध्ययन कर रही है। तमिलनाडु, राजस्थान, और केरल जैसे राज्यों के स्वास्थ्य मॉडल को बेंचमार्क माना जा रहा है, जो सार्वजनिक-निजी भागीदारी और तकनीकी एकीकरण के माध्यम से व्यापक कवरेज प्रदान करते हैं।

मप्र सरकार जल्द ही कर्मचारियों के लिए कैशलेस हेल्थ स्कीम लाने की तैयारी में है। इसको लेकर सामान्य प्रशासन विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की टीम ने सुझाव लेने का काम शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री कर्मचारी एवं पेंशनर्स व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना के नाम से योजना तैयार की जा रही है। जिसे लेकर कर्मचारी संगठनों के साथ बैठक कर सुझाव लिए हैं। एक वॉट्सऐप नंबर जारी कर भी सुझाव मांगे हैं। इसके अलावा, पावर पाइंट प्रजेंटेशन देकर प्रस्तावों की जानकारी दी गई है। जिसमें बताया है कि प्रदेश और राज्य के बाहर के अस्पताल चिह्नित भी किए जा रहे हैं। इसे बेहतर बनाने के लिए अन्य राज्यों के माडल का भी अध्ययन कराया जाएगा। इसके लिए तीन अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य, वित्त और सामान्य प्रशासन) की समिति बनाई गई है। यह पात्रता, वित्तीय माडल और क्रियान्वयन संरचना को देखने के साथ ही कर्मचारी और पेंशनर संगठन से परामर्श करके योजना का दस्तावेज तैयार करेगी। इसे पहले मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता वाली वरिष्ठ सचिव समिति के समक्ष रखा जाएगा। यहां से हरी झंडी मिलने के बाद कैबिनेट की बैठक में अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। प्रदेश में कमल नाथ सरकार के समय से स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने की तैयारी चल रही है, कई बार विचार विमर्श भी हो चुका है।

अभी योजना खाका खींचा

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने अभी योजना का जो खाका खींचा है, उसके अनुसार यह अंशदायी रहेगी। कर्मचारियों से श्रेणी के हिसाब से अंशदान लिया जाएगा, जो 250 से एक हजार रुपये प्रतिमाह प्रस्तावित है। योजना का संचालन राज्य स्वास्थ्य एजेंसी द्वारा किया जाएगा। इसमें कानूनी, बीमा क्षेत्र और स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञ रहेंगे। तकनीकी टीम भी रहेगी जो क्लेम प्रोसेसिंग, हेल्थ पैकेज, अस्पतालों की संबद्धता आदि काम देखेगी। इस योजना के तहत कर्मचारी पति-पत्नी, माता-पिता, आश्रित दो बच्चे, दत्तक बच्चे, तलाकशुदा पुत्री और पेंशनर पति-पत्नी को पात्रता मिलेगी। हितग्राही का पंजीयन राज्य इलेट्रानिक्स विकास निगम द्वारा आनलाइन होगा। सबकी यूनिक आइडी और डिजिटल कार्ड बनेंगे। हितग्राही को प्रत्येक वर्ष आश्रितों की जानकारी का सत्यापन करामा अनिवार्य रहेगा। पेंशनर का पंजीयन पेंशनर कोड के आधार पर होगा। बीमित कर्मचारी-पेंशनर को ओपीडी, दवा और उपकरण के लिए बीस हजार रुपये प्रतिवर्ष मिलेंगे। आपातकालीन परिस्थितियों में पात्र कर्मचारी असंबद्ध अस्पतालों में भी उपचार करा सकेंगे। इसके लिए एक टास्क फोर्स का गठन भी किया जाएगा, जो योजना की समीक्षा और नीतिगत निर्णय से जुड़े मामले देखेगी। उल्लेखनीय है कि राजस्थान और हरियाणा में कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा योजना हैं। समिति इनकी जानकारी बुलाकर सभी पक्षों से फीडबैक लेकर प्रस्ताव को आगे बढ़ाएगी। प्रदेश में अभी ऊर्जा विभाग के कर्मचारियों के साथ पुलिसकर्मियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना है।

स्मार्ट मीटर लगाने की समय सीमा आयोग ने दो साल बढ़ाई

भोपाल। विद्युत नियामक आयोग ने जहां पिछले दिनों बिजली कम्पनियों द्वारा लगाई गई दर वृद्धि की याचिकाओं की सुनवाई पूरी कर ली और जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी करेगा, जिसके चलते भोपाल सहित तीनों कम्पनियां संभवतः अप्रैल महीने से बिजली की दरों में इजाफा करेगी। वहीं आयोग ने स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता को लेकर अवश्य राहत दी और दो साल की समय सी मा बढ़ा दी। क्योंकि इन कम्पनियों ने ही यह दलील दी कि स्मार्ट मीटर के साथ पूरा डिजीटल सिस्टम रहता है और अभी ग्रामीण सहित कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर नेटवर्क की सुविधा नहीं है। लिहाजा 31 मार्च 2028 तक स्मार्ट प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता की छूट दे दी है। बिजली चोरी के अलावा पारेषण क्षति रोकने के लिए भी स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। हालांकि इससे बिजली कम्पनियों को तो फायदा मिल रहा, क्योंकि बिजली बिल बढ़ गए। उपभोक्ताओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके मासिक बिल की राशि दो गुना तक हो गई है। वहीं पिछले दिनों शहरी क्षेत्र में तो बिजली कम्पनी स्मार्ट मीटर तेजी से लगा रही है, मगर अभी भी कई ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी पारम्परिक मीटर ही लगे हैं। अभी यह नियम था कि हर नए कनेक्शन के लिए स्मार्ट या प्रीपेड मीटर लगाना जरूरी होगा। मगर दूर दराज के गांवों में नेटवर्क, तकनीक के साथ उपकरणों की कमी के चलते भी नए कनेक्शन देने में समस्या आ रही है। लिहाजा इन कम्पनियों ने ही आयोग को बताया कि स्मार्ट मीटर के साथ पूरा डिजीटल सिस्टम काम करता है, जिसमें सर्वर, नेटवर्क कनेक्टीविटी, बिलिंग इंटीग्रेशन सहित अन्य सुविधाएं रहती है।

मुकेश मल्होत्रा बने रहेंगे विजयपुर विधायक

अंतिम फैसले तक सदन की मतदान प्रक्रिया नहीं लेंगे हिस्सा, वेतन भी नहीं मिलेगा

भोपाल। मप्र की विजयपुर विधानसभा सीट से विधायकी को लेकर चल रहे कानूनी विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने गुरूवार को बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मुकेश मल्होत्रा की विधायकी को बरकरार रखते हुए मप्र हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें रामनिवास रावत को विधायक घोषित किया गया था। इस मामले की अगली सुनवाई जुलाई में होगी।

सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने दलीलें पेश कीं, जिसके बाद अदालत ने मल्होत्रा को राहत दी। साथ ही कुछ पाबंदिया भी लगा दी है। जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट ने मुकेश मल्होत्रा को विधायक के रूप में जारी रखने की अनुमति तो दी है, लेकिन अंतिम फैसला आने तक सदन की प्रक्रिया में मतदान करने और वेतन-भत्तों के आहरण पर रोक प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि सदन की कार्यवाही में हिस्सा लें सकेंगे।

जनता की लड़ाई लड़ता रहूंगा

सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद विधायक मुकेश मल्होत्रा ने वीडियो जारी कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो सम्मानजनक फैसला दिया है, उससे मैं संतुष्ट हूं। ये विजयपुर की जनता के एक-एक मत की जीत है। पूर्व मंत्री रामनिवास रावत आरोप लगा रहे थे कि मैंने केस छिपाए हैं। मैंने कोई केस नहीं छिपाए। हालांकि, उनके वकीलों ने मेरे अधिकार शिथिल करा दिए हैं। हमें क्षेत्र के विकास के लिए जो विधायक निधि मिलती है, वो पैसा हमें नहीं मिलेगा। मुझे वेतन भी नहीं मिलेगा, लेकिन फर्क नहीं पड़ता। मैं जनता और क्षेत्र के विकास के लिए संघर्ष करता रहूंगा। सदन में भी प्रश्न उठाता रहूंगा।

हाईकोर्ट ने रावत को बना दिया था विधायक

विजयपुर विधानसभा उपचुनाव के परिणामों को लेकर भाजपा के प्रत्याशी रहे रामनिवास रावत ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। ग्वालियर हाईकोर्ट के जस्टिस जी।एस। अहलूवालिया ने 9 मार्च को दिए आदेश में क्रिमिनल केस छिपाने के चलते मल्होत्रा का चुनाव शून्य घोषित करते हुए भाजपा नेता रामनिवास रावत को विजेता माना था। हाईकोर्ट ने 15 दिन का समय सुप्रीम कोर्ट जाने के लिए दिया था। कोर्ट ने पाया कि मल्होत्रा ने 2024 के उपचुनाव नामांकन में केवल 4 क्रिमिनल केस की जानकारी दी थी। असल में उनके खिलाफ 6 मामले दर्ज थे। 2 केस की जानकारी छिपाना चुनावी नियमों का उल्लंघन माना गया।

फर्जी जाति प्रमाणपत्र पर मिली नौकरी

जांच में अमान्य साबित होने के बाद भी न सेवा खत्म, न वेतन की वसूली

भोपाल। मध्य प्रदेश में शासकीय सेवाओं में आरक्षित वर्ग के नाम पर फर्जी जाति प्रमाणपत्र लगाकर नौकरी पाने वाले कई अफसर और कर्मचारी कार्रवाई से बचते नजर आ रहे हैं। कई मामलों में जांच समितियों ने जाति प्रमाणपत्र को अमान्य घोषित कर दिया, लेकिन इसके बावजूद न तो संबंधित कर्मचारियों की नौकरी समाप्त की गई और न ही उनसे अब तक वेतन की वसूली हो सकी। इसकी मुख्य वजह सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) का एक प्रावधान बताया जा रहा है, जिसका लाभ हर साल दर्जनों अधिकारी-कर्मचारी उठा रहे हैं।

दरअसल, सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्ष 2018 में एक आदेश जारी किया था। इस आदेश के अनुसार धीवर, कहार, भंडारी, केवट, मछुआ, निषाद जैसी जातियों के वे लोग, जिन्होंने 11 नवंबर 2005 से पहले शासकीय सेवाओं में नियुक्ति प्राप्त की या शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लिया, यदि बाद में उनका जाति प्रमाणपत्र अमान्य घोषित हो जाता है तो भी उन्हें सेवा से हटाने या वेतन की वसूली जैसी कठोर कार्रवाई से राहत मिल सकती है। यही कारण है कि फर्जी प्रमाणपत्र सामने आने के बाद भी कई मामलों में विभागीय कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है। सूत्रों के अनुसार पिछले एक वर्ष में ही ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें जांच के दौरान जाति प्रमाणपत्र फर्जी या अमान्य पाए गए। इसके बावजूद संबंधित अधिकारी या कर्मचारी सेवा में बने हुए हैं। प्रशासनिक हलकों में इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं कि जब जांच में प्रमाणपत्र गलत साबित हो रहा है तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही।

(केस नंबर - 1) एक मामले में पंचायत एवं समाज सेवा संचालनालय में कार्यरत एक कर्मचारी ने वर्ष 1983 में अनुसूचित जनजाति का प्रमाणपत्र लगाकर नौकरी प्राप्त की थी। शिकायत के बाद मामले की जांच हुई और प्रमाणपत्र अमान्य पाया गया। जांच में यह भी सामने आया कि संबंधित व्यक्ति उस जाति वर्ग में नहीं आता, जिसके आधार पर उसने नौकरी प्राप्त की थी। इसके बावजूद सामान्य प्रशासन विभाग के प्रावधान का हवाला देकर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जा सकी।

(केस नंबर - 2) इसी तरह एक अन्य मामले में कपिलधारा योजना में पदस्थ एक कर्मचारी ने मांझी आदिवासी का प्रमाणपत्र लगाकर नौकरी हासिल की थी। शिकायत मिलने के बाद जांच कराई गई, जिसमें प्रमाणपत्र अमान्य पाया गया। जांच रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि संबंधित व्यक्ति उस जाति का नहीं है, लेकिन इसके बावजूद विभागीय कार्रवाई नहीं हो सकी।

(केस नंबर - 3) एक अन्य मामले में फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी पाने वाले कर्मचारी की शिकायत जांच समिति तक पहुंची। पुलिस और प्रशासनिक जांच में प्रमाणपत्र संदिग्ध पाया गया, लेकिन जीएडी के आदेश के कारण मामला आगे नहीं बढ़ सका।

नौकरी पाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा

प्रशासनिक विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के प्रावधान से उन लोगों को संरक्षण मिल रहा है, जिन्होंने गलत तरीके से आरक्षण का लाभ उठाकर नौकरी हासिल की है। इससे वास्तविक पात्र उम्मीदवारों के साथ अन्याय हो रहा है। कई अधिकारी मानते हैं कि यदि ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में भी फर्जी प्रमाणपत्र लगाकर नौकरी पाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा। फिलहाल राज्य सरकार की ओर से इस आदेश में किसी तरह के संशोधन या बदलाव के संकेत नहीं मिले हैं। ऐसे में जांच में फर्जी पाए गए जाति प्रमाणपत्रों के बावजूद कई अधिकारी-कर्मचारी सेवा में बने हुए हैं, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

पिछले पांच वर्षों से लक्ष्य पूरा नहीं कर पा रहा पीडब्ल्यूडी

सडक़ निर्माण और उन्नयन कार्य में लोक निर्माण विभाग की सुस्ती

भोपाल । मप्र में तेजी सडक़ों का जाल बिछ रहा है। निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सडक़ निर्माण और उन्नयन कार्य निरंतर कर रहा है। लेकिन विभाग की सुस्ती का परिणाम यह है कि पिछले पांच वर्षों में लक्ष्य पूरा नहीं हो पा रहा है। लोक निर्माण विभाग के सडक़ निर्माण का लक्ष्य चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में काफी पिछड़ गया है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, विभाग निर्धारित लक्ष्यों की तुलना में 3,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी पीछे चल रहा है। सडक़ निर्माण में इस सुस्ती के कई कारण हैं। पहला लक्ष्य की कमी, दूसरा परियोजनाएं मंजूर करने में देरी, तीसरा प्रक्रियात्मक देरी और चौथा बजट का उपयोग।

जानकारी के अनुसार, सडक़ निर्माण और उन्नयन कार्य ही नहीं बल्कि पुल निर्माण के मामले में भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। वर्ष 2020-21 से दिसंबर 2025 तक विभाग को 230 पुलों का निर्माण करना था, लेकिन अब तक केवल 139 पुलों का ही निर्माण पूरा हो पाया है। वहीं वर्ष 2025-26 में 70 नए पुलों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिसके मुकाबले दिसंबर 2025 तक सिर्फ 30 पुलों का निर्माण ही पूरा हो सका है। प्रदेश में सडक़ कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा लगातार निर्माण और उन्नयन कार्य किए जा रहे हैं, लेकिन तय लक्ष्यों की तुलना में विभाग की रफ्तार धीमी बनी हुई है। पिछले पांच वर्षों में सडक़ निर्माण और उन्नयन के मामले में विभाग लक्ष्य से करीब 3,100 किलोमीटर पीछे चल रहा है। यही स्थिति पुल निर्माण के मामले में भी देखने को मिल रही है।

तय लक्ष्यों की तुलना में विभाग की रफ्तार धीमी

लोक निर्माण विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020-21 से वर्ष 2024-25 के बीच प्रदेश में कुल 17,900 किलोमीटर सडक़ों के निर्माण और उन्नयन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके मुकाबले इस अवधि में विभाग 14,800 किलोमीटर सडक़ों का ही निर्माण और उन्नयन कर पाया। इस तरह विभाग निर्धारित लक्ष्य से लगभग 3,100 किलोमीटर पीछे रह गया है। वहीं चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी निर्माण कार्यों की गति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। इस वर्ष विभाग ने 4,843 किलोमीटर सडक़ों के निर्माण और उन्नयन का लक्ष्य रखा था। हालांकि दिसंबर 2025 तक केवल लगभग 2,500 किलोमीटर सडक़ों पर ही काम पूरा हो सका है। यानी लक्ष्य का करीब आधा काम ही तय अवधि में पूरा हो पाया है। वहीं प्रदेश में लगभग 21,073 किलोमीटर लंबाई के मुख्य जिला मार्ग है। इन सडक़ों के निर्माण और उन्नयन के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से काम किया जा रहा है। केंद्रीय सडक़ निधि के तहत वर्ष 2000-01 से वर्ष 2025-26 तक कुल 439 कार्यों को स्वीकृति मिली थी, जिनकी कुल लंबाई 8,557.70 किलोमीटर और लागत करीब 14,235.95 करोड़ रुपये है।

भोपाल में सिलेंडर संकट के बीच पीएनजी भी अधूरी राहत

50 हजार घरों तक नहीं पहुंची गैस, लाइन बिछी पर सप्लाई बंद

भोपाल,। भोपाल में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत के बीच पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) योजना भी पूरी तरह राहत नहीं दे पा रही है। शहर में 85 हजार घरों तक पाइपलाइन नेटवर्क बिछाया जा चुका है, लेकिन केवल 35 हजार घरों में ही गैस सप्लाई शुरू हो पाई है।

एक जानकारी अनुसार करीब 50 हजार घर ऐसे हैं, जहां पाइपलाइन तो पहुंच गई है, लेकिन तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से गैस आपूर्ति अब तक शुरू नहीं हो सकी है। इससे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीएनजी योजना को सुरक्षित और आधुनिक ईंधन विकल्प के रूप में शुरू किया गया था, लेकिन इसकी धीमी प्रगति चिंता का विषय बनी हुई है।

तुलनात्मक रूप से देखें तो इंदौर इस मामले में आगे निकल गया है, जहां 60 हजार से अधिक घरों में पीएनजी कनेक्शन दिए जा चुके हैं। प्रदेश की राजधानी भोपाल में यह परियोजना 2018 में स्वीकृत हुई थी और 2021 में सप्लाई शुरू हुई, लेकिन अब भी इसका विस्तार अपेक्षित गति से नहीं हो पाया है। इस कारण भोपाल इंदौर से खासा पिछड़ गया है।

प्रदेश में संगठन महामंत्री की कवायद जोरों पर

भाजपा और संघ पुराने संभागीय संगठन मंत्री को दे सकते हैं मौका

भोपाल । प्रदेश में भाजपा के संगठन महामंत्री की नियुक्ति की कवायद की सुगबुगाहट भोपाल और दिल्ली तक नजर आ रही है। हितानंद शर्मा की रवानगी के बाद यह पद कई महीनों से खाली पड़ा हुआ है। कहा जा रहा है कि इस पद पर रह चुके एक संभागीय संगठन मंत्री की नियुक्ति की जा सकती है, जो सत्ता और संगठन के साथ समन्वय बनाकर चले।

ये वही संगठन मंत्री हैं, जो प्रदेश के एक महत्वपूर्ण संभाग में संभागीय संगठन मंत्री का दायित्व संभाल चुके हैं। पिछली बार जब संभागीय संगठन मंत्रियों की व्यवस्था समाप्त की थी, तब संगठन मंत्रियों को भाजपा ने उपकृत कर निगम-मंडल की जवाबदारी दे दी थी, लेकिन उक्त संगठन मंत्री ने किसी प्रकार का पद नहीं लिया और संगठन के कार्य में लगे रहे। इसलिए माना जा रहा है कि उनका नाम प्रबल तौर पर भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री के रूप में सामने आ सकता है। फिलहाल भोपाल और दिल्ली में संगठन महामंत्री के नियुक्ति की कवायद शुरू हो गई है। सूत्रों की माने तो मार्च के अंत या अप्रैल माह में संगठन मंत्री की नियुक्ति हो सकती है। वैसे राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में लंबे समय से प्रदेश संगठन महामंत्री का पद खाली पड़ा हुआ है। यहां अभी तक किसी की नियुक्ति नहीं कर भाजपा और संघ यह देखना चाहते थे कि बिना प्रदेश संगठन महामंत्री के किस प्रकार संगठन चलाया जा सकता है। मध्यप्रदेश को भी इसी प्रयोग का हिस्सा माना जा रहा था, लेकिन अब भोपाल से जो बातें निकलकर सामने आ रही हैं, उससे लग रहा है कि यह प्रयोग मध्यप्रदेश में नहीं होगा। यूं भी संघ अब अपनी नई भौगोलिक रचना बनाना चाह रहा है, जो एक साल में पूरी हो जाएगी और मार्च 2027 से इसे लागू कर दिया जाएगा।

छतरपुर कांग्रेस के पास बिजली बिल चुकाने के भी पैसे नहीं!

- एमपीईबी ने कांग्रेस कार्यलय के बाहर चिपकाया कुर्की का नोटिस

भोपाल । कांग्रेस कार्यालय छतरपुर में उस वक्त हडक़म्प मच गया जब कार्यालय को कुर्क करने का नोटिस जारी कर दिया गया। यह नोटिस एमपीईबी द्वारा कांग्रेस कार्यालय के बाहर चस्पा किया गया था। दरअसल, कांग्रेस कार्यालय छतरपुर ने लंबे समय से बिजली का बिल नहीं भरा था और बार-बार सूचना के बाद भी बिल नहीं दिया, जिसके बाद एमपीईबीने अब कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नोटिस की जानकारी लगते ही आम जनता सहित कोंग्रेसी नेता भी हैरान रह गए। वहीं, जिला अध्यक्ष गगन यादव ने कहा कि हमें अभी कोई जानकारी नहीं है लेकिन यह बीजेपी की साजिश लग रही है। जानकारी के मुताबिक बिल नहीं चुकाए जाने पर एमपीईबी के अधिकारियों ने कांग्रेस कार्यालय जाकर पूछताछ की थी लेकिन जब संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो कांग्रेस कार्यालय के बाहर नोटिस चस्पा कर दिया। एमपीईबी के मुताबकि कांग्रेस कार्यालत का 10 हजार 101 रु का बिल बकाया है और उन्हें भुगतान का अंतिम अवसर पहले ही दिया जा चुका है।

ये लिखा है कुर्की नोटिस में

एमपीईबी के द्वारा चिपकाए गए नोटिस में लिखा है कि आपके द्वारा विद्युत कनेक्शन क्रमांक 1201021567 के विद्युत बिल का भुगतान नियत तिथि के अंदर भुगतान नहीं किया गया है। यह कि आपके उक्त विद्युत कनेक्शन पर बकाया राशि 10101 रूपए का बिल भुगतान हेतु लंबित है। अतः मध्य प्रदेश इलेक्ट्रिकल अंडर टेकिंग (बकाया राशि) वसूली अधिनियम 1959 की धारा 147 में निहित प्रावधानों के अंतर्गत आपको यह नोटिस प्रेषित किया जा रहा है, कि आप कंपनी की बकाया राशि इस नोटिस प्राप्ति के 7 दिवस के भीतर जमा कर दें अन्यथा उक्त राशि उपरोक्त अधिनियम की धारा 6 के अनुसार बकाया भू-राजस्व के रूप में मप्र भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत एक पक्षीय कार्रवाई करते हुये राजस्व अधिकारियों के माध्यम से संपत्ति कुर्की की कार्रवाई कर बकाया राशि की वसूली की जाएगी। जब मामले में छतरपुर कोंग्रेस जिला अध्यक्ष गगन यादव से बात की तो उन्होंने कहा कि मुझे जानकारी नहीं है लेकिन आप ने बताया तो पता चला है, हम दिखवाते हैं। सिर्फ 10 हजार रु के लिए नोटिस चिपकाना उचित नहीं है। यह बीजेपी की साजिश लग रही है। वहीं, जब मामले में एमपीईबी के अधिकारी केएस घोसी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यह रूटीन प्रकिया है। अभी मार्च चल रहा है इसलिए नोटिस भेजे जा रहे हैं। कुछ लोग नोटिस ले लेते हैं, वहीं कुछ नहीं लेते तो चस्पा करने पड़ते हैं। शहर में बिजली का 9 करोड़ बकाया जिसकी वसूली के लिए लगातार प्रयास चल रहा है।

कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे, ईशान करेंगे कप्तानी

अभिषेक को मिली उपकप्तान की जिम्मेदारी

नई दिल्ली । सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल के 19 सत्र के शुरुआती मैचों में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की कप्तानी में खेलेगी। नियमित कप्तान पैट कमिंस के पूरी तरह से फिट नहीं होने से ईशान को कप्तानी सौंपी गयी है। वहीं युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा उप-कप्तानी करेंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद के अनुसार जैसे ही कमिंस वापसी करेंगे। वह टीम की कप्तानी संभाल लेंगे। अभी यह पता नहीं चला है कि कमिंस कितने मैच नहीं खेलेंगे पर माना जा रहा है कि वह 23 मार्च को टीम से जुड़ेगे। वह फ्रेंचाइजी के साथ रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजरने के दौरान सत्र के पहले तीन मैचों से बाहर रहेंगे।

टीम अपना शुरुआती मुकाबला 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ करेगी। वहीं वह 2 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स जबकि 5 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलेगी।

कमिंस दिसंबर से ही खेल से दूर हैं। पीठ की पुरानी चोट के कारण वह एशेज से भी बाहर रहे थे। उन्होंने हाल में टी20 विश्व कप भी नहीं खेला था। उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल अनुबंध के तहत खेलने की अनुमति दे दी है। हालांकि उन्हें वापसी करने में कुछ समय लग सकता है।

कमिंस ने सनराइजर्स की कप्तानी करते हुए 30 मैच खेले हैं, जिनमें से 15 में टीम जीती है जबकि 14 में हारी है। वहीं एक मैच का परिणम नहीं निकला। साल 2024 में, उनकी कप्तानी में टीम फाइनल तक पहुंची थी पर वहां उसे कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

ईशान को कप्तानी इसलिए दी गयी है क्योंकि उन्हें इसका अनुभव है पहले भी वह कई अवसरों पर कप्तानी करते दिखे हैं। घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने कप्तान की भूमिका निभाई है। एसआरएच प्रबंधन हमेशा से इस बात को लेकर स्पष्ट था कि कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान ही टीम की कप्तानी करेंगे।

एफआईएच हॉकी विश्वकप में हो सकती है भारत-पाक हॉकी टीम में टक्कर

लंदन । अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने हॉकी विश्वकप के लिए पुरुष और महिला वर्ग के लिए टीमों की घोषणा कर दी है। एफआईएच हॉकी विश्वकप टूर्नामेंट इस साल 15 अगस्त से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में खेला जाएगा। इसमें भारतीय पुरुष हॉकी टीम की पाकिस्तान से टक्कर हो सकती है क्योंकि विश्वकप के लिए जिस ग्रुप में भारतीय टीम है । उसी में पाकिस्तानप को भी रखा गया है। इसमें भारतीय पुरुष हॉकी टीम को कठिन पूल डी में रखा गया है, इसमें पाकिस्तान के अलावा इंग्लैंड और वेल्स की टीमें भी रहेंगी। वहीं भारतीय महिला टीम भी पूल डी में है, जहां उसे चीन, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों से खेलना है। पुरुष और महिला दोनों भारतीय टीमें अपने सभी ग्रुप मैच नीदरलैड में खेलेंगी। इससे

पहले एम्स्टर्डम में आयोजित ड्रॉ इवेंट में कई दिग्गज हॉकी खिलाड़ी रहे। इसमें जर्मनी को पूल बी में रखा गया है, इसमें बेल्जियम, फ्रांस और मलेशिया जैसी टीमें भी हैं।

पुरुष वर्ग

पूल ए = नीदरलैंड, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, जापान

पूल बी= बेल्जियम, जर्मनी, फ्रांस, मलेशिया

पूल सी= ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, आयरलैंड, दक्षिण अफ्रीका

पूल डी= इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान, वेल्स

महिला वर्ग

पूल ए= नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, चिली, जापान

पूल बी = अर्जेंटीना, जर्मनी, अमेरिका, स्कॉटलैंड

पूल सी= बेल्जियम, स्पेन, न्यूजीलैंड, आयरलैंड

पूल डी= चीन, इंग्लैंड, भारत, दक्षिण अफ्रीका

आईपीएल में अभिषेक बना सकते हैं कई रिकार्ड

नई दिल्ली। युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है और इसी दिन अभिषेक सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से अपने पहले मुकाबले में उतरेंगे। अभिषेक इस बार चार छक्के लगाते ही अपने

छक्कों का शतक पूरा कर सकते हैं। उनके नाक अब तक 96 छक्के हैं। चार छक्के और लगाते ही वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। अब तक केवल डेविड वॉर्नर के नाम ही आईपीएल में 100 छक्के हैं। वार्नर ने कुल 143 छक्के लगाये हैं। वहीं हेनरिक क्लासेन 88 छक्के के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। वहीं अभिषेक के पास इस सत्र में अपने 2000 रन पूरे करने का भी अवसर है। अभिषेक ने अब तक 77 आईपीएल मैचों की 73 पारियों में 1816 रन बनाये हैं। ऐसे में वह 184 रन बनाते है वह इस टूर्नामेंट में 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो जाएंगे। अभिषेक ने सनराइजर्स के लिए अब तक 1753 रन बनाए हैं। वह 2,000 रन करते ही सनराइजर्स के लिए ये उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज़ बन जाएंगे। इससे पहले डेविड वॉर्नर ने 4014, शिखर धवन ने 2768) और केन विलियमसन ने 2101 रन बनाये हैं। अभिषेक ने पिछले दो सत्र में हर बार 400 रन बनाये हैं। आईपीएल 2024 में उन्होंने 204.21 के स्ट्राइक रेट से 484 रन, वहीं, पिछले सत्र में 193.39 के स्ट्राइक रेट से 439 रन बनाए थे। ये भी एक रिकार्ड है क्योंकि अबतक किसी भी अन्य बल्लेबाज ने 190 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 400 से अधिक रन नहीं बनाये हैं। अभिषेक आईपीएल इस बार भी 400 से अधिक रन बनाने में सफल रहे तो ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन सकते हैं। अभिषेक ने पिछले सत्र में पंजाब किंग्स के खिलाफ केवल 55 गेंदों में 141 रन बनाए थे। ये इस लीग में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे अधिक स्कोर है। वहीं टी20 क्रिकेट में ये चौथी बार है जब उन्होंने 135 से अधिक रन बनाये हैं। उनके अलावा उपलब्धिक केवल क्रिस गेल के पास है गेल ने भी इतने ही बार 135 से धिक रन बनाये हैं। अगर वह इस भी भी इतने रन बनाते हैं तो गेल से आगे निकल जाएंगे।

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के लिए पेश की नई जर्सी

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के 19 सत्र से पहले अपनी नई जर्सी लांच की है। इस दौरान कप्तान रियान पराग, आक्रामक सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और स्पिनर रवि बिश्नोई भी उपस्थित थे। आईपीएल में इस नई जर्सी से टीम नये उत्साह से उतरेगी। 28 मार्च से शुरू हो रहे इस सत्र के लिए टीम नये कप्तान पराग के साथ जीत के इरादे से उतरेगी। राजस्थान ने सोशल मीडिया पर अपनी जर्सी लॉन्च किसे जाने की घोषणा भी की है। इस नई जर्सी में नीले और गुलाबी रंग को मिलाया गया है। जर्सी की तस्वीरों के साथ ही रॉयल्स ने लिखा, 'नया लुक, वही हल्ला बोल जर्सी, लॉन्च हो गई।'रॉयल्स 30 मार्च को पांच बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी।

आईपीएल में इस बार अपने गेंदबाजी कौशल को निखारने पर रहेगा ध्यान - वैभव अरोड़ा

कोलकाता । युवा तेज गेंदबाज वैभव अरोड़ा 28 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलते नजर आयेंगे। वैभव का लक्ष्य इस आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के साथ ही अपने गेंदबाजी कौशल को बेहतर बनाना है। वैभव ने साल 2023 में आईपीएल में पदार्पण के बाद से ही लगातर अपने प्रदर्शन को सुधारा है। इस क्रिकेटर ने कुल 32 मुकाबलों में 36 विकेट लिए हैं। आईपीएल 2024 में केकेआर की खिताबी जीत में भी वैभव की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। तब वैभव ने 10 मुकाबलों में 11 विकेट हासिल किए थे। अब इस बार भी इस गेंदबाज का लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना रहेगा। इसके को देखते हुए वह अभ्यास सत्र में पूरी ताकत लगा रहे हैं। इसके अलावा अपनी गेंदबाजी को बेहतर बनाने के लिए सभी क्षेत्रों पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, मेरी तैयारी काफी अच्छी है। मैंने नेट्स में अपनी गेंदबाजी को पहले से बेहतर बनाया है। साथ ही कहा कि हर तेज गेंदबाज अपने को लगातार बेहतर बनाने और गेंदबाजी में विविधता लाने में लगा रहता जिससे अपनी गेंदबाजी से असर डाला जा सके। अरोड़ा का कहना है कि उन्हें इस दौरे में उन्हें न्यूजीलैंड के दिग्गज गेंदबाज टिम साउदी जो अब टीम के कोच हैं उनसे भी काफी कुछ सीखने को मिलेगा। साउदी इस सत्र में टीम के साथ गेंदबाजी कोच के तौर पर जुड़े हैं। साउदी काफी अनुभवी गेंदबाज हैं जिन्होंने 700 से ज्यादा विकेट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लिए हैं। वह साल 2021 से 2023 के बीच तीन सत्र तक केकेआर की ओर से खेले भी हैं। इसी को देखते हुए वैभव ने कहा, साउदी एक दिग्गज खिलाड़ी हैं और उनके पास बहुत लंबा अनुभव है। साल 2023 में इसी लीग में जब वह खेल रहे थे तब मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा था। अब जब वह हमारे गेंदबाजी कोच बन गए हैं, तो मुझे उनके मार्गदर्शन में कौशल को बेहतर बनाने का एक और अवसर मिला है। जिसको लेकर मैं उत्साहित हुं।

बुमराह, भुवनेश्वर सहित तीन गेंदबाजों के पास 200 विकेट का आंकड़ा हासिल करने का अवसर

मुम्बई। 28 मार्च से शुरु होने जा रहे आईपीएल 2026 में इस बार जसप्रीत बुमराह, भुवेश्वर कुमार सहित तीन गेंदबाजों के पास 200 विकेट का आंकड़ा हासिल करने का मौका है। मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बुमराह के नाम जहां 183 विकेट हैं। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स के सुनील नरेन के नाम 192 और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार के नाम 198 विकेट हैं। इस प्रकार देखा जाये तो भुवनेश्वर के पास 200 का आंकड़ा हासिल करने का सुनहरा अवसर है। आईपीएल इतिहास में अबतक केवल स्पिनर यजुवेंद्र चहल ही 200 विकेट ले पाये हैं।

विराट अभी भी आरसीबी के आधार हैं - डिविलियर्स

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के आधार हैं। डिविलियर्स आरसीबी से खेलने के दौरान विराट के काफी अच्छे दोस्त रहे हैं। डिविलियर्स का कहना है कि विराट आरसीबी की नींव हैं। उन्होंने कहा कि वह विराट के प्रदर्शन ही नहीं उनके होने से भी टीम प्रेरित होती है। उनके आने से टीम में एक प्रकार की सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। इसलिए वह टीम के लिए सबसे महत्वूर्ण सदस्य हैं। उनके रहने से युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है। आरसीबी 19 सत्र में अपने अभियान की शुरुआत 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से करेगी। गत सत्र की विजेता होने के कारण इस बार टीम अपना खिताब बनाये रखना चाहेगी। डिविलियर्स ने कहा, विराट अभी भी आरसीबी की जान है। न केवल अपने प्रदर्शन और पिछले कुछ सालों में बल्ले से दिखाई गई निरंतरता के कारण बल्कि टीम में अपनी मौजूदगी से भी वह छाये हुए हैं।

पंड्या ने खरीदी नई फरारी, गर्लफ्रेंड माहिका आरती उतारती दिखीं

नई दिल्ली। भारतयीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने नई फरारी कार खरीदी है। इसी की आरती उतारते हुए उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा नजर आयी हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर छाए हुआ है। ये नई कार फरारी 12 सिलिड्री है। इसमें वह माहिका के साथ घूमते भी दिखे थे। सोशल मीडिया पर आये वीडियो में माहिकाको नई कार की पारंपरिक पूजा करते हुए देखा गया। इस दौरान एक पुजारी भी वहां था। इसका एक वीडियो भी पंड्या ने साझा किया है। इसमें हार्दिक कार के अंदर से वीडियो बनाते दिखे, जबकि माहिका पूजा करती दिखीं। माहिका ने इस नई कार की पूजा करते हुए कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। हार्दिक विलासिता पूर्ण जीवनशैली लिए जाने जाते हैं। महंगी घड़ियां और गाड़ियां उन्हें बेहद पसंद है। उन्होंने टी20 विश्व कप जीतने के बाद स्नद्गह्लह्ल्ड्डह्ल्द्ध की सबसे नई फ्रंट-इंजन वी12 ग्रैंड टूरर, फरारी को खरीदा। ये मॉडल हाल ही में भारत में हाल ही में लांच किया गया था। इसकी कीमत करीब 8.50 करोड़ रुपये से शुरु होती है।

900 गोल दागने वाले दूसरे फुटबॉलर बने मेसी

फोर्ट लॉडरडेल। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी की ओर से खेलते हुए अपना 900वां गोल कर एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। मेसी ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे फुटबॉलर हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम था। रोनाल्डो ने साल 2024 में ही 900 गोल का आंकड़ा हासिल कर लिया था। हालांकि रोनाल्डो ने 900 गोल के लिए मैसी से 100 मैच अधिक खेले हैं। मेसी लगभग दो दशक तक बार्सिलोना की तरफ से खेलते रहे और उन्होंने अपने आधे से अधिक गोल इस क्लब की ओर से ही किए हैं। मेसी ने नैशविले के खिलाफ कॉनकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 मैच में एक गोल करने के साथ ही अपने 900 गोल पूरे किये। मेसी के 900 गोल तक पहुंचने पर उन्हें बधाई मिली हैं। मेसी गोल के बाद भी इटर मियमी को जीत नहीं दिला पाये और नैशविले ने मियामी को 1-1 से ड्रॉ पर कर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछले सप्ताह भी नैशविले में राउंड ऑफ 16 के पहले चरण में गोलरहित ड्रॉ खेला था। मेस्सी ने क्लब और देश के लिए 47 ट्रॉफियां जीती हैं जिनमें अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप और इंटर मियामी के साथ पिछले सत्र का एएलएस खिताब शामिल है। इस तरह वह पुरुष फुटबॉल के इतिहास में सबसे अधिक खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

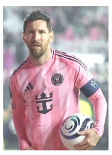

हैडिन न्यू साउथ वेल्स के नये कोच बने

सिडनी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हैडिन अब घरेलू क्रिकेट में न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्लयू) टीम के नये कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। हैडिन को ग्रेग शिपर्ड की जगह नया कोच बनाया गया है। हैडिन जून में नये कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। हैडिन के लिए कोच बनना एक सुखद अनुभव रहेगा क्योंकि उन्होंने अपने करियर में अंतिम बार एनएसडब्लयू की ओर से ही घरेलू क्रिकेट में खेला था। हैडिन का करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम के अलावा घरेलू क्रिकेट में एनएसडब्लयू और सिडनी सिक्सर्स की ओर से खेला था। उनके कोच बनने से एनएसडब्लयू को लाभ होगा क्योंकि हैडिन के पास कोचिंग के क्षेत्र में काफी लंबा अनुभव है। वह ऑस्ट्रेलियाई टीम में सहायक और फील्डिंग कोच रहे हैं। मुख्य कोच के तौर पर हैडिन की जिम्मेदार टीम को बेहतर बनाना रहेगा। उनका लक्ष्य टीम के लिए एक अलग और मजबूत खेल शैली विकसित करने के साथ ही प्रथम श्रेणी खिलाड़ियों को निखारकर ऑस्ट्रेलियाई टीम में

खेलने के लिए तैयार करना रहेगा। साथ ही टीम को घरेलू टूर्नामेंट में विजेता बनाने पर भी उनकी नजरें रहेंगी। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा है कि एनएसडब्ल्यू क्रिकेट उनके जीवन का अहम हिस्सा रहा है और मुख्य कोच के रूप में वापसी से उन्हें लाभ हुआ है। इसके अलावा वह युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर बनाने और भविष्य के लिए निखारने का प्रयास करेंगे। वहीं न्यू साउथ वेल्स के सीईओ ली जर्मन ने कहा कि हम हैडिन का स्वागत करते हैं। उनके आने से टीम बेहतर होगी। वह अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइज़ी स्तर का अनुभव लेकर आते हैं।उन्होंने उम्मीद जतायी कि हैडिन टीम को नई दिशा देंगे और टीम को एक नये खिताब की ओर अग्रसर करेंगे। हैडिन अभी आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सहायक कोच है। वह सनराइजर्स हैदराबाद के कोचिंग स्टाफ का भी हिस्सा रहे हैं। ऐसे में उनके लंबे अनुभव से भीन्यू साउथ वेल्स को लाभ होगा।

हम फीफा विश्वकप खेलने तैयार पर अमेरिका नहीं जाएंगे - ईरान फुटबॉल संघ

तेहरान। ईरान फुटबॉल संघ ने कहा है कि वह फीफा विश्व कप 2026 का नहीं बल्कि अमेरिका का बहिष्कार करने जा रहा है। इसलिए विश्वकप में अमेरिका में होने वाले उसके मैचों को अन्य जगहों पर स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिये। ईरान के फुटबॉल संघ के प्रमुख मेहदी ताज ने कहा कि टीम टूर्नामेंट की तैयारियों को जारी रखेगी हालांकि टीम अमेरिका खेलने नहीं जाएगी। फुटबॉल विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से आयोजित किया जा रहा है। अमेरिका के साथ

जारी संघर्ष को देखते हुए ईरान की टीम सुरक्षा कारणों से अमेरिका नहीं जाना चाहत है। इसलिए उसने अमेरिका में अपने प्रस्तावित मैच खेलने से इनकार कर दिया है। ताज ने कहा, नेशनल टीम तुर्की में ट्रेनिंग कैंप लगाएगी और वहां दो मैत्रीपूर्ण मैच खेलेगी। हम अमेरिका का बहिष्कार करेंगे पर विश्व कप का नहीं।

ताज का यह बयान ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान विश्व कप में भाग नहीं लेगा। ईरान की पुरुष टीम को जून में अमेरिका में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ मैच खेलने हैं।

वहीं मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने ईरान के अमेरिका में विश्व कप मैचों के बहिष्कार पर कहा कि इस मामले में अंतिम फैसला फीफा करेगा। वहीं फीफा ने भी कहा है कि वे ईरान फुटबॉल फेडरेशन के संपर्क में हैं और चाहते हैं कि सभी टीमें अपने तय कार्यक्रम के अनुसार टूर्नामेंट में शामिल। ऐसे में फीफा ईरान के मैच किसी अन्य जग पर स्थानांतरित करे इसकी संभावना कम ही नजर आती है।

चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में पहुंची बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख

मैड्रिड । स्पेनिश क्लब बार्सिलोना ने इंग्लैंड के न्यूकैसल यूनाइटेड को 7-2 से जबकि बायर्न म्यूनिख ने एलियांज एरिना में अटलांटा को 4-1 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। इस मुकाबले में बार्सिलोना दूसरे हाफ में पूरी तरह हावी रही। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक रुख अपनाया। पहले हाफ में ही पांच गोल हुए। बार्सिलोना की ओर से मैच के छठे मिनट में ही राफिन्हा के गोल से बढ़त मिल गयी। इसके बाद न्यूकैसल की ओर से एंथनी एलंगा ने गोल दागकर कर स्कोर बराबरी पर ला दिया। फर्मिन लोपेज और मार्क बर्नल की सहायता से बार्सिलोना ने फिर बढ़त हासिल की, पर एलंगा ने न्यूकैसल की ओर से एक गोल कर अपनी टीम को मुकाबले में बनाये रखा। पहले हाफ लामिन यामल के गोल से बार्सिलोना को 3-2 की बढ़त दिलाई। वहीं दूसरे हाफ में रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे, जबकि

फर्मिन लोपेज ने भी एक और गोल किया।मैच के अंतिम चरण में राफिन्हा ने अपना दूसरा गोल कर स्कोर 7-2 कर दिया और बार्सिलोना को जीत दिला दी। वहीं एक अन्य मुकाबले में बायर्न म्यूनिख ने एलियांज एरिना में अटलांटा को 4-1 से हराया। अब क्वार्टरफाइनल में उसका सामना रियल मैड्रिड से होगा। बायर्न की जीत में हैरी केन की मुख्य भूमिका रही। हेन ने 2 गोल कर अपने करियर के 50 गोल पूरे किए। मैच के 25वें मिनट में हैरी केन ने पेनल्टी पर गोल दागकर टीम को 1-0 से बढ़त दियालया। दूसरी हाफ के 54वें मिनट में केन ने एक और गोल कर बढ़त दोगुनी की। इसके बाद लेनार्ट कार्ल ओर लुइस डियाज ने गोल दागे। । 85वें मिनट में अटलांटा की तरफ से लजार वुजादिन समार्डजिक ने हेडर कर गोल किया पर तब तक काफी देर हो गयी थी।

राजस्थान रॉयल्स पर लगी है कई हजार करोड़ की बोली

मुम्बइ। 28 मार्च से जहां आईपीएल 2026 के मुकाबले शुरु हो रहे हैं। वहीं दूसरी और दो प्रमुख टीमों के मालिकाना अधिकार में बदलाव आने वाला है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अलावा राजस्थान रॉयल्स भी बिकने के लिए तैयार है। इन दौनो ही फ्रैंचाइजी के लिए कई हजार करोड़ की बोलियां लगी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रॉयल्स का खरीदने के लिए कम से कम तीन बड़े निवेशकों ने बोली लगायी है। इसमें आदित्य बिड़ला समूह ने अमेरिकी निवेशक डेविड ब्लिटजर के साथ मिलकर बड़ी बोली लगाई है। रॉयल्स की ओर से शुरुआत में कुछ शेयर बेचने की बातें कही जा रही थीं पर अब पूरी फ्रेंचाइज़ी को ही बेचने की बात कही जा रही है। राजस्थान रॉयल्स की बाजार कीमत इस समय 1.1 से 1.35 अरब डॉलर (करीब 9,000 से 12,000 करोड़ रुपये) है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम पर करीब 11,956 करोड़ रुपये की बोली लग गयी है जिससे ये आईपीएल का सबसे महंगा सौदा भी हो सकता है।

मुख्य चयनकर्ता अगरकर ने बीसीसीआई से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की

2027 तक पद पर बने रहना चाहते हैं

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर साल 2027 तक अपने पद पर बने रहना चाहते हैं। अगरकर ने इसी को लेकर बोर्ड से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगरकर ने टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद ही बीसीसीआई से मुख्य चयनकर्ता के रूप में अपना कार्यकाल बढ़ाने की मांग की थी। अगरकर 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक इस पद पर बने रहना चाहते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अगरकर के अनुरोध पर विचार कर रहा है। वहीं मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर की जगह लेने के लिए एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर का नाम भी उछला है हालांकि इसपर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है।

अगरकर जून 2023 में चयन समिति के प्रमुख बने थे। इसके बाद उनका कार्यकाल जून 2026 तक बढ़ा दिया गया है। मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर का कार्यकाल काफी अच्छा रहा है। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता है। इसके अलावा साल 2023 और 2025 का एशिया कप भी भारतीय टीम ने जीता था। टेस्ट में हालांकि भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहो। टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के फाइनल में जगह नहीं बना पायी। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में टीम को करारी हार मिली।

अगरकर के मुख्य चयनकर्ता रहते भारतीय टीम ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है, इससे भी उनका कार्यकाल आगे बढ़ाने जाने की संभावना बढ़ गयी है।

यूट्यूबर एल्विश को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत, यूपी पुलिस की दर्ज एफआईआर की रद्द

2023 में रेव पार्टी में सांप के जहर के इस्तेमाल के आरोपों के बाद मामला दर्ज किया था

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव को राहत देते हुए 2023 के चर्चित स्नेक वेनम मामले में यूपी पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। दरअसल, नवंबर 2023 में यूपी के नोएडा में कथित रेव पार्टी में सांप के जहर के इस्तेमाल के आरोपों के बाद एल्विश के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बाद में 17 मार्च 2024 को उन्हें गिरफ्तार किया था उन पर आरोप था कि पार्टियों में सांपों और उनके जहर का इस्तेमाल मनोरंजन और नशे के लिए किया जा रहा था, जो वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत गंभीर अपराध है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की युगलपीठ ने कहा कि जिस कथित साइकोट्रॉपिक पदार्थ की बात कही गई, वह कानून की तय सूची में शामिल ही नहीं है। साथ ही कोर्ट ने यह भी नोट किया कि एल्विश के पास से कोई

बरामदगी नहीं हुई थी और चार्जशीट में केवल यह आरोप था कि उन्होंने एक सहयोगी के जरिए ऑर्डर दिया था। इन तथ्यों को देखते हुए कोर्ट ने माना कि एनडीपीएस एक्ट का इस्तेमाल इस मामले में कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है।

दूसरे अहम पहलू पर कोर्ट ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून के तहत अभियोजन केवल अधिकृत अधिकारी की शिकायत के आधार पर ही शुरू किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि मौजूदा एफआईआर इस प्रक्रिया का पालन नहीं करती, इसलिए यह विधिसम्मत नहीं मानी जा सकती। साथ ही कोर्ट ने यह भी दर्ज किया कि भारतीय दंड संहिता के तहत लगाए गए आरोप स्वतंत्र रूप से स्थापित नहीं होते, क्योंकि वे एक पहले की शिकायत का हिस्सा थे जिसे पहले ही बंद किया जा चुका है। इन सभी कानूनी आधारों पर सुप्रीम कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि एफआईआर न्यायिक जांच की कसौटी पर खरी नहीं उतरती और इसे रद्द किया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि उसने मामले के तथ्यों या आरोपों की मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

बता दें पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट इस मुद्दे को लेकर सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था कि अगर लोकप्रिय लोग आवाजहीन जीवों जैसे सांपों का इस तरह इस्तेमाल करते हैं, तो इससे समाज में गलत संदेश जा सकता है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या किसी को चिड़ियाघर जाकर जानवरों के साथ खेलने की अनुमति दी जा सकती है और क्या यह कानून का उल्लंघन नहीं होगा। एल्विश यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी थी कि वह एक वीडियो शूट के लिए गायक फाजिलपुरिया के निमंत्रण पर पार्टी में गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि न तो किसी रेव पार्टी के ठोस सबूत हैं और न ही किसी मादक पदार्थ के इस्तेमाल के प्रमाण। साथ ही लैब रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया कि बरामद किए गए नौ सांप विषैले नहीं थे और एल्विश घटनास्थल पर मौजूद भी नहीं थे।

वहीं, दूसरी ओर राज्य पक्ष का कहना था कि पुलिस ने मौके से नौ सांप, जिनमें पांच कोबरा शामिल थे, बरामद किए थे और सांप के जहर के इस्तेमाल के संकेत भी मिले थे। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी पूछा था कि आखिर सांप का जहर कैसे निकाला जाता है और पार्टियों में इसका इस्तेमाल किस तरह होता है।

देश के बैंकों पर लोन डिफॉल्ट का नया खतरा बढ़ा...रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। देश के बैंकों पर लोन डिफॉल्ट का नया खतरा बढ़ रहा है। सबसे डरावनी बात यह है कि जिन 2 सेक्टर्स ने सबसे ज्यादा लोन लिया था, उसी के कर्ज लौटाने पर जोखिम बढ़ा है। रेटिंग एजेंसी और उद्योग मंडल एसोचैम ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया है कि खुदरा और छोटे उद्यमों में उभरते दबाव के कारण निकट भविष्य में बैंकों में कर्ज के मामले में नई चूक बढ़ने की आशंका है। डिफॉल्ट के इस नए जोखिम से एमएसएमई सेक्टर को कर्ज मिलने में दिक्कतें हो सकती है।

रिपोर्ट में बताया गया हैं कि डिफॉल्ट के जोखिम के बावजूद समग्र परिसंपत्ति गुणवत्ता पर प्रभाव सीमित रहेगा और सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) और शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनएनपीए) अनुकूल स्तर पर बनी रहेंगी। क्षेत्र के प्रमुख परिसंपत्ति गुणवत्ता मापदंडों में लगातार सुधार हो रहा है और सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति एक दशक के निचले स्तर पर है। यह कर्ज लौटाने में कम चूक और लगातार वसूली के कारण संभव हुआ है। इससे फंसे कर्ज की संख्या में कमी आई है। कर्ज वृद्धि के मोर्चे पर रेटिंग एजेंसी को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 25 से 26 लाख करोड़ रुपये यानी 13.7-14.3 फीसदी की वार्षिक वृद्धि की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कर्ज विस्तार 23.50 से 25 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। एजेंसी का अनुमान है कि कर्ज की मांग मजबूत रहेगी। इस गति में खुदरा और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यम) की प्रमुख भूमिका आगे भी बनी रहेगी, बावजूद इसके कि डिफॉल्ट का खतरा भी इसी सेक्टर पर सबसे ज्यादा है।

वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत में कर्ज की मांग धीमी रही, क्योंकि बैंक खुदरा क्षेत्र और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के प्रति सतर्क थे। दूसरी ओर, कंपनियों ने कम ब्याज दर के कारण बॉन्ड बाजारों को प्राथमिकता दी। हालांकि, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के अंत तक कर्ज वृद्धि में तेजी आई और यह गति वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में भी जारी रही। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि सबसे ज्यादा जोखिम उन एमएसएमई को है, जिनके कारोबार पर असर पड़ा है और नौकरियां जाने की वजह से खुदरा क्षेत्र में भी लोन न लौटा पाने का दबाव बना हुआ है।

सीबीएसई ने बताया, मध्य पूर्व में रद्द हुई कक्षा 10 की परीक्षाओं के लिए मूल्यांकन कैसे होगा

नई दिल्ली । केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मध्य पूर्व में रद्द हुई कक्षा 10 की परीक्षाओं के लिए मूल्यांकन योजना जारी की है। सीबीएसई कक्षा 10 की परीक्षाएं बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में 17 से 28 फरवरी तक सफलतापूर्वक आयोजित की गई थीं, लेकिन 28 फरवरी के बाद होने वाली परीक्षाएं इज़राइल-ईरान युद्ध के कारण रद्द कर दी गईं। सीबीएसई ने मूल्यांकन योजना का विवरण जारी किया है, जिसके आधार पर कक्षा 10 की परीक्षा का परिणाम तैयार किया जाएगा। जिन छात्रों ने सभी परीक्षाओं में भाग लिया, इसतरह के छात्रों का परिणाम परीक्षाओं में उनके प्रदर्शन के आधार पर घोषित किया। जिन छात्रों ने 4 परीक्षाओं में भाग लिया, उस छात्रों का परिणाम, जिन विषयों की परीक्षाएं आयोजित नहीं की गई हैं, उनके लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले तीन विषयों में प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर घोषित किया जाएगा।

जिन छात्रों ने 3 परीक्षाओं में भाग लिया, उन छात्रों का परिणाम, जिन विषयों की परीक्षाएं आयोजित नहीं की गई हैं, उनके लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले दो विषयों में प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर घोषित किया जाएगा। जिन छात्रों ने 2 परीक्षाओं में भाग लिया, इसतरह के बहुत कम छात्र हैं जिन्होंने केवल 2 विषयों की परीक्षाओं में भाग लिया है। उनके परिणाम शेष विषयों में से दो विषयों के अंकों के औसत के आधार पर घोषित किए जाएंगे।

नौसेना अलर्ट, भारत ने ऊर्जा सुरक्षा के लिए खाड़ी क्षेत्र में युद्धपोतों की तैनाती बढ़ाई

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव चरम पर पहुंच गया है। इस संवेदनशील समुद्री मार्ग पर बढ़ते खतरों को देखते हुए भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। भारतीय नौसेना ने खाड़ी क्षेत्र में अपने युद्धपोतों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है, ताकि कच्चे तेल और गैस लेकर आने वाले भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जा सके। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस जलमार्ग के एक तरफ फारस की खाड़ी और दूसरी ओर ओमान की खाड़ी स्थित है। भारत अपनी तेल और गैस की जरूरतों के लिए कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों पर निर्भर है, जिनके टैंकर इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। वर्तमान में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव के कारण इस मार्ग पर आवाजाही लगभग ठप हो गई है, जिससे भारत के करीब 22 व्यापारिक जहाज वहां फंसे हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नौसेना ने वहां मौजूद तीन युद्धपोतों के साथ अतिरिक्त जहाजों को तैनात करने का निर्णय लिया है, जिससे कुल संख्या छह से सात तक हो जाएगी। भारतीय नौसेना यह मिशन ऑपरेशन संकल्प के तहत चला रही है। इस अभियान की शुरुआत वर्ष 2019 में समुद्री सुरक्षा और भारतीय व्यापारिक जहाजों में भरोसा बनाए रखने के उद्देश्य से की गई थी। नौसेना की इस मुस्तैदी का सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिला है। हाल ही में शिवालिक और नंदा देवी नामक दो एलपीजी जहाजों को करीब 92,712 मीट्रिक टन गैस के साथ सुरक्षित भारतीय तटों तक पहुँचाया गया है। इसके अलावा, एक भारतीय युद्धपोत ने हाल ही में यूएई के फुजैरा पोर्ट से निकले तेल टैंकर को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराया। उल्लेखनीय है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से वैश्विक कच्चे तेल की लगभग 20 प्रतिशत आपूर्ति होती है। ऐसे में भारत की यह सैन्य तैनाती न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अनिवार्य है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्गों में स्थिरता बनाए रखने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। नौसेना अदन की खाड़ी में भी 2008 से लगातार एंटी-पायरेसी मिशन चला रही है, जो समुद्र में भारत की बढ़ती शक्ति और जिम्मेदारी को दर्शाता है।

कांग्रेस से जबरन हुई थी शादी, रिश्ते में घुटन थी इसीलिए लेना पड़ा तलाक...

खड़गे के मोहब्बत और शादी वाले बयान पर पूर्व पीएम देवगौड़ा ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चर्चित बयान मोहब्बत और शादी पर प्रतिक्रिया दी है। बुधवार को राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देवेगौड़ा के साथ कांग्रेस के संबंधों को याद करते हुए कहा था कि देवेगौड़ा साहब ने मोहब्बत कांग्रेस से की लेकिन शादी मोदी साहब से कर ली। खड़गे के इस बयान की सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक खूब चर्चा हुई।

अब पूर्व पीएम देवेगौड़ा ने कहा है कि कांग्रेस के साथ उनकी जबरन शादी हुई थी और इस रिश्ते में घुटन थी इसलिए उन्हें तलाक लेना पड़ा। पूर्व पीएम देवेगौड़ा ने एक्स पर एक लंबे पोस्ट में अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने खड़गे को अपना प्रिय मित्र कहकर संबोधित किया। एचडी देवेगौड़ा 1 जून 1996 से 21 अप्रैल 1997 तक भारत के पीएम रहे थे। उनका कार्यकाल करीब 10-11 महीने का था। वे भारत के 11वें पीएम थे और उनकी सरकार यूनाइटेड फ्रंट गठबंधन की थी, जिसे कांग्रेस का समर्थन मिला था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एचडी देवेगौड़ा ने एक्स पर लिखा- मेरे प्रिय मित्र खड़गेजी ने संसद में कांग्रेस के प्रति मेरे प्रेम और बीजेपी के साथ मेरे विवाह पर एक मज़ाकिया टिप्पणी की। जब उन्होंने यह बात कही तब मैं सदन में उपस्थित नहीं था। यहां मेरा जवाब है। जो हल्का-फुल्का भी है और तथ्यों पर आधारित भी। आखिर मुझे कांग्रेस से तलाक लेने के लिए क्यों मजबूर होना पड़ा। देवेगौड़ा ने लिखा- मुझे उगाडी उत्सव में शामिल होने बेंगलुरु जाना था। अगर मैं अपने मित्र को उसी शादी वाली भाषा में जवाब दूं, तो मैं कहना चाहूंगा कि कांग्रेस के साथ मेरी शादी; एक जबरदस्ती की शादी थी, लेकिन मुझे उनसे तलाक लेना पड़ा क्योंकि इस रिश्ता प्रताड़नापूर्ण था। खड़गे जी को याद होगा कि 2018 में कांग्रेस ने गुलाम नबी आजाद को भेजा था और कुमारस्वामी को सीएम पद की पेशकश की थी। मैंने इसका समर्थन नहीं किया था। मैंने सबके सामने कहा था कि खड़गे जी को सीएम बनाया जाना चाहिए। उस समय सिद्धारमैया भी वहां मौजूद थे। हालांकि आजाद ने कुमारस्वामी के नेतृत्व पर जोर दिया था, लेकिन इस पूरे नाच-गाने और शादी के बाद, 2019 में उन्होंने क्या किया? उन्होंने हमें छोड़ दिया। पूर्वी पीएम ने कहा कि कांग्रेस के कितने विधायक बीजेपी में चले गए और उन्हें किसने भेजा। यह सब अब आम जानकारी है। अगर उस दिन कांग्रेस ने उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की होती, जिसने विधायकों के दल-बदल को बढ़ावा दिया, तो आज मेरे मित्र खड़गे की स्थिति कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में और बेहतर होती। रिकॉर्ड को स्पष्ट करने के लिए मैं कहना चाहता हूं कि मैंने कांग्रेस गठबंधन नहीं छोड़ा था बल्कि वे ही हमसे दूर चले गए। उन्होंने मुझे मजबूर कर दिया कि मैं उनसे तलाक लूं और एक अधिक योग्य पार्टनर की तलाश करूं।

बता दें बुधवार को राज्यसभा में रिटायर हो रहे सदस्यों को विदाई दी जा रही थी। इस दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा का जिक्र किया और कहा कि उन्हें नहीं मालूम लेकिन देवगौडा जी ने मोहब्बत हमारे साथ की और शादी मोदी साहब से कर ली।

बैंकिंग सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दिखाने लगा असर...बैंक में 20,000 कर्मचारियों की नौकरी संकट में

मुंबई। बैंकिंग सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का असर दिखाने लगा है। दुनिया के बड़े बैंकों में शामिल एचएसबीसी होल्डिंग्स में बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी आने वाले कुछ वर्षों में करीब 20,000 कर्मचारियों की नौकरी खत्म कर सकती है, जो कुल वर्कफोर्स का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा है।

एचएसबीसी में यह कदम एआई आधारित तकनीकों को अपनाने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का मानना है कि कई काम अब ऑटोमेशन और एआई के जरिए किए जा सकते हैं, जिससे कर्मचारियों की जरूरत कम हो जाएगी। यह बदलाव इसका संकेत है कि आने वाले समय में बैंकिंग सेक्टर में टेक्नोलॉजी का दबदबा और बढ़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, छंटनी का सबसे ज्यादा असर उन कर्मचारियों पर पड़ेगा जो सीधे ग्राहकों से जुड़े नहीं हैं। खासतौर पर बैक ऑफिस, ग्लोबल सर्विसेज सपोर्ट फंक्शन आदि। इन क्षेत्रों में एआई के जरिए काम किया जा सकता है, इसलिए यहां नौकरियों में कटौती की संभावना ज्यादा है।

एचएसबीसी की यह योजना 3 से 5 साल की अवधि में लागू की जा सकती है। हालांकि, अभी इस पर अंतिम फैसला नहीं हुआ है और कंपनी अंदरूनी स्तर पर चर्चा कर रही है। 2025 के अंत तक एचएसबीसी में करीब 2.1 लाख कर्मचारी थे, इसतरह 20,000 की छंटनी एक बड़ा कदम माना जा रहा है। कंपनी पहले ही लागत कम करने की दिशा में काम कर रही है। एचएसबीसी ने हाल ही में 1.5 अरब डॉलर की लागत बचत का लक्ष्य तय किया था, जिसे समय से पहले हासिल करने की उम्मीद जाहिर की है। सीईओ जॉर्ज एल्हेडेरी के नेतृत्व में कंपनी कई बड़े बदलाव कर चुकी है, जिसमें कारोबार बेचना और स्ट्रक्चर बदलना शामिल है। ब्लूमबर्ग इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले 3ङ्क5 वर्षों में दुनियाभर के बैंक एआई के कारण 2 लाख तक नौकरियां खत्म कर सकते हैं। वहीं 2026 में ही टेक सेक्टर में छंटनी का असर दिखने लगा है।

यानी एचएसबीसी में संभावित छंटनी यह दिखाती है कि एआई अब सिर्फ तकनीक नहीं बल्कि रोजगार पर असर डालने वाली बड़ी ताकत बन चुका है। आने वाले समय में कंपनियां तेजी से ऑटोमेशन की ओर बढ़ेंगी, जिससे जॉब मार्केट में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

गुजरात के सूरत में सिलेंडर ब्लास्ट, दो लोगों की मौत, 9 झुलसे

सूरत। गुजरात के सूरत जिले में सिलेंडर ब्लास्ट से बड़ा हादसा हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 9 झुलस गए। हादसा कपोदरा इलाके के रचना सर्किल में स्थित एक इमारत में गुरुवार सुबह करीब 5.30 बजे एक के बाद एक दो सिलेंडर्स में साथ ब्लास्ट हुए। इसकी वजह से इमारत की तीसरी मंजिल पर भीषण आग लग गई और फैल गई। बताया जा रहा है कि इमारत में एंब्रॉडरी की इकाई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात के सूरत शहर में एक एम्ब्रॉयडरी यूनिट वाली इमारत में गुरुवार सुबह आग लगने के बाद गैस सिलिंडर फट गए। यह हादसा तब हुआ जब लोग गहरी नींद में थे कि अचानक धमाके की आवाज ने पूरे इलाके को हिला दिया। घटना सुबह करीब 5ऱ30 बजे हुई। वहां एम्ब्रॉयडरी का काम होता था और आठ गैस सिलिंडर स्टोर किए गए थे। फायर विभाग के अधिकारी ने बताया कि आग लगते ही दो सिलिंडर फट गए, जिससे आग और तेजी से फैल गई। चार फायर गाड़ियां वहां पहुंची, लेकिन पहले ही धमाका हो चुका था।

अधिकारी ने कहा कि आग तीसरी मंजिल पर भड़क रही थी। फायरमैनों ने इमारत के तीसरे फ्लोर पर लगी शीट तोड़ी और अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। कुल 11 लोगों को बचाया गया है। बचाए गए लोगों में से नौ के झुलसने के निशान थे, जबकि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। घायलों की स्थिति स्थिर है। पुलिस और फायर विभाग अब पूरे मामले की जांच कर रहे हैं कि आग लगने की असली वजह क्या थी और सिलिंडर कहां से और कैसे स्टोर किए गए थे।

दुनिया ईरान-अमेरिका जंग में उलझी...इधर भारत ने कर दिया कमाल, पड़ोसी पाकिस्तान की जान हल्क में

नई दिल्ली। एक ओर मिडिल ईस्ट में ईरान की इजराइल और अमेरिका के साथ बेहद खतरनाक जंग जारी है। मिसाइलें, ड्रोन और एयर स्ट्राइक हर दिन हालात और ज्यादा गंभीर बना रहे हैं। लेकिन इसी बीच भारत ने चुपचाप एक ऐसा कदम उठाया हैं, जिसने पूरी दुनिया को दो टूक संदेश दिया कि भारत अब सिर्फ देख नहीं रहा बल्कि पूरी तैयारी में है। भारत ने पहली बार पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट के दो प्रोडक्शन बेंचों का सफल परीक्षण किया है। इस ऐतिहासिक परीक्षण को राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में अंजाम दिया गया। वहीं पोखरण जहां भारत ने अपने परमाणु परीक्षणों से दुनिया को चौंका दिया था और अब उसी धरती से फिर भारत की ताकत की गूंज सुनाई दे रही है। इस टेस्ट में कुल 24 पिनाका एनहांस रॉकेट लांच किए गए। इस परिक्षण के बाद पड़ोसी आंतकी मुल्क पाकिस्तान की हल्क में जान आ गई है।

इनका उद्देश्य था इनकी सटीकता, निरंतरता और मारक क्षमता को परखना और रिपोर्ट्स के मुताबिक इन रॉकेट्स ने हर पैरामीटर पर शानदार प्रदर्शन किया। अब सवाल उठता है कि यह पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट आखिर है क्या? दरअसल पिनाका एक मल्टीबैरल रॉकेट लांच सिस्टम है, जो कि पूरी तरह भारत में विकसित किया गया है। यह सिस्टम कुछ ही सेकंड में दर्जनों रॉकेट दाग सकता है और दुश्मन के बड़े इलाके को तबाह कर सकता है। लेकिन इस नए वर्जन यानी कि एक्सटेंडेड रेंज की खास बात यह है कि इसकी मारक क्षमता पहले से कहीं ज्यादा बढ़ा दी गई है। जहां पहले इसकी रेंज करीब 40 कि.मी.थी, वहीं अब 70 से 90 कि.मी. तक सटीक वार कर सकता है। यानी अब भारतीय सेना दुश्मन को दूर से और ज्यादा सटीक तरीके से निशाना बना सकती है। और सबसे बड़ी बात यह टेस्ट सिर्फ एक प्रोटोटाइप का नहीं था बल्कि दो अलग-अलग प्रोडक्शन बेंचों का था। इसका मतलब होता है कि अब यह टेक्नोलॉजी सिर्फ लैब तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार है।

इस पूरे परीक्षण को निजी डिफेंस कंपनी सोलार ग्रुप ने अंजाम दिया। यह दिखाता है कि भारत में प्राइवेट सेक्टर भी अब डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। अब जरा इस खबर को ग्लोबल परिपेक से समझिए। एक तरफ ईरान और इजराइल के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिका भी संघर्ष में सीधे शामिल है। पूरी दुनिया में युद्ध जैसे हालात बनते जा रहे हैं। इसके बाद भारत का यह परीक्षण सिर्फ एक सैन्य उपलब्धि नहीं बल्कि एक रणनीतिक संदेश है। संदेश यह है कि भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। संदेश यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर नहीं है और संदेश यह है कि भारत अब टेक्नोलॉजी और ताकत दोनों में तेजी से आगे बढ़ चुका है। बता दें, आधुनिक युद्ध सिर्फ सैनिकों की संख्या से नहीं जीते जाते। आज की लड़ाई टेक्नोलॉजी सटीकता और दूरी से लड़ी जाती है और पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट इसी नई युद्ध नीति का सबसे बड़ा हिस्सा है। खैर आज जब दुनिया में हर तरफ अनिश्चितता है।

भारत के लोगों ने ईरान भेजी मदद, ईरानी दूतावास ने दयालु लोगों का माना आभार, फिर क्या हुआ

नई दिल्ली,। भारत के लोगों ने ईरान को चिकित्सा सहायता भेजी, जो इस समय इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संघर्ष में उलझा है। यह खेप भारत की ओर से ईरानी जनता को भेजी गई पहली खेप है। इसके जवाब में ईरान ने भारत के लोगों के प्रति आभार जताया है। भारत में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के दूतावास ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत के सम्मानित लोगों की ओर से भेजी गई चिकित्सा सहायता की पहली खेप ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी को सौंप दी गई है। हम भारत के दयालु लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले, भारत में ईरानी दूतावास ने भी सहायता के संबंध में एक संदेश साझा किया था। दूतावास ने भारतीयों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और मदद करने के लिए एक आधिकारिक खाता संख्या जारी की। सूत्रों के मुताबिक अभी तक भारत सरकार की तरफ से ईरान को किसी तरह की मदद नहीं भेजी गई है। ईरानी दूतावास ने भी अपनी पोस्ट में कहा था कि मदद भारत के लोगों ने भेजी है, इसमें भारत सरकार की मदद शामिल नहीं है। भारत में ईरानी दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया था कि यह मदद ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी को सौंपी गई है। पोस्ट में दूतावास ने भारत के लोगों के प्रति आभार जताया।

रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के रक्षा मंत्री काट्ज़ ने बुधवार को घोषणा की कि इजराइली हमलों में ईरान के खुफिया मंत्री इस्माइल खतीब मारे गए। यह घटना दो अन्य वरिष्ठ ईरानी अधिकारियों- ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी और ब्रिगेडियर जनरल गुलामरेज़ा सुलेमानी की हत्या के ठीक एक दिन बाद हुई। काट्ज़ ने कहा कि इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने सेना को बिना किसी अतिरिक्त अनुमति के अपनी सूची में शामिल किसी भी अन्य उच्च पदस्थ ईरानी अधिकारी को निशाना बनाने और खत्म करने की अनुमति दी है।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को आतंकवाद का नंबर एक प्रायोजक बताया और कहा कि इससे निपटने के लिए सक्रिय कदम उठाए गए हैं। ट्रम्प ने अमेरिका के सहयोगियों पर भी कटाक्ष करते हुए उन्हें गैर-जिम्मेदार बताया।

रालोद से शामिल होंगे केसी त्यागी

मेरठ। जनता दल यूनाइटेड के सीनियर नेता केसी त्यागी के राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) में शामिल होने की चर्चा तेज है। सूत्रों के मुताबिक, वह 22 मार्च को दिल्ली में जयंत चौधरी की मौजूदगी में रालोद की सदस्यता ले सकते हैं। नाम न छापने की शर्त पर रालोद के एक सीनियर नेता ने यह जानकारी दी है। वहीं केसी त्यागी ने कहा- वह अपने आगामी राजनीतिक सफर को लेकर विचार कर रहे हैं। टिकट और चुनाव से जुड़े फैसले बाद में लिए जाएंगे। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत 17 मार्च को हुई। केसी त्यागी ने एक पत्र जारी कर बताया था- वह 22 मार्च को दिल्ली के मालवांकर हॉल में अपनी आगे की राजनीतिक दिशा का खुलासा करेंगे। पत्र के नीचे उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, बाबा भीमराव आंबेडकर और कर्पूरी ठाकुर के नाम लिखे थे।

न्यूज गैलरी

अवैध काष्ठ परिवहन करते ट्रक पकड़ा, 177 नग खैर लकड़ी जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में खैर प्रजाति की काष्ठ का अवैध परिवहन करते एक ट्रक को पकड़ा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी एवं वनमंडल अधिकारी नित्यानंदम एल. के निर्देशानुसार वन परिक्षेत्र खैरलांजी सामान्य अंतर्गत यह कार्रवाई की गई। दिनांक 11 मार्च 2026 को पुलिस थाना रामपायली द्वारा रात्रिकालीन गश्ती के दौरान ट्रक क्रमांक MH35K1239 को संदिग्ध अवस्था में रोका गया, जिसमें खैर प्रजाति की लकड़ी का अवैध

परिवहन किया जा रहा था। पुलिस ने वाहन को पकड़कर इसकी सूचना वन विभाग को दी। इसके बाद 12 मार्च 2026 को सुबह लगभग 5ः20 बजे उक्त वाहन को वन परिक्षेत्र खैरलांजी को सुपुर्द कर दिया गया। वन विभाग द्वारा ट्रक को परिसर में लाकर जांच की गई, जिसमें कुल 177 नग खैर प्रजाति के लट्ठे पाए गए, जिनका कुल आयतन 4.131 घन मीटर मापा गया। इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ वन अपराध प्रकरण क्रमांक 12634/08 दिनांक 12-03-2026 के तहत भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41 एवं मध्यप्रदेश अभिवहन (वनोपज) नियम 2022 के नियम 3 के अंतर्गत मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है। इस कार्रवाई में परिक्षेत्र अधिकारी डी.सी. वासनिक, उप वनपरिक्षेत्र अधिकारी युवराज बोरकर, विजय सिंह कुशरे, वनपाल राकेश साहू, चंद्रकुमार कडव, वनरक्षक जामेंद्र सिंहमारे, मनोज सेलोकर, निलयकीर्ति सुखदेवे सहित सुरक्षा श्रमिकों का सराहनीय सहयोग रहा।

गर्रा में नवरात्रि पर प्रतिमा स्थापना को लेकर विवाद

शासकीय भूमि पर मंदिर निर्माण को लेकर दिनभर तनाव, प्रशासन ने प्रतिमा हटाकर अन्य मंदिर में कराया स्थापित

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

ग्राम पंचायत गर्रा में चैत्र नवरात्रि के पहले ही दिन मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना को लेकर विवाद खड़ा हो गया। जानकारी के अनुसार ग्रामीणों द्वारा जिस स्थान पर प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी , वह शासकीय भूमि बताई जा रही है और मामला अतिक्रमण से जुड़ा हुआ है। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शाम के समय स्थापित की गई दुर्गा प्रतिमा को वहां से हटवाकर विधि-विधान के साथ अन्य मंदिर में स्थापित कराया। प्रशासन का कहना है कि शासकीय भूमि पर बिना अनुमति निर्माण और प्रतिमा स्थापना नियमों के विरुद्ध है। पूरे घटनाक्रम के दौरान सुबह से ही ग्राम पंचायत गर्रा चौक में पुलिस बल तैनात रहा। दिनभर क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी रही, हालांकि प्रशासन की मौजूदगी में स्थिति नियंत्रित रही।

चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन जिला मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत गर्रा में दुर्गा प्रतिमा की स्थापना को लेकर बड़ा विवाद सामने आया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन को भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा और देर शाम तक कार्रवाई जारी रही। जानकारी के अनुसार, नवरात्रि के अवसर पर ग्राम पंचायत गर्रा की कुछ महिलाओं द्वारा अल सुबह गर्रा चौक स्थित निर्माणाधीन मंदिर में मां दुर्गा सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं विधि-विधान से स्थापित कर दी गईं। हालांकि, यह मंदिर शासकीय भूमि पर बनाया जा रहा है, जिसे अतिक्रमण की श्रेणी में बताया जा रहा है। इस मामले को लेकर पूर्व में प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायत को नोटिस जारी कर निर्माण कार्य पर रोक भी लगाई जा चुकी थी। साथ ही यह प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। प्रतिमा स्थापना की जानकारी मिलते ही उसी गांव के कुछ अन्य ग्रामीणों, जो उक्त भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग कर रहे हैं, उनके द्वारा इसकी शिकायत जिला प्रशासन से की गयी । प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए सुबह से ही गर्रा में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। देखते ही देखते तीन से चार थानों का पुलिस अमला और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिससे क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। देर शाम वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित भूमि शासकीय है और न्यायालय में मामला लंबित होने के कारण यहां मंदिर निर्माण और प्रतिमा स्थापना की अनुमति नहीं दी जा सकती। साथ ही मंदिर का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने की बात भी कही, जिससे किसी अप्रिय घटना की आशंका जताई गई। प्रशासन की समझाइश के बाद ग्रामीणों ने सहयोग किया, जिसके बाद स्थापित की गई दुर्गा प्रतिमा सहित अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों को विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के अनुरूप वहां से हटाकर अन्य मंदिर में स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की गई। यह कार्रवाई देर रात तक चलती रही।

प्रशासन द्वारा मंदिर हटाने की कार्रवाई गलत हैं - वैभव बिसेन

ग्राम पंचायत गर्रा के सरपंच वैभव बिसेन ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए अपनी बात रखी। श्री बिसेन ने बताया कि गर्रा चौक में वर्षों पुराना मंदिर स्थित था और उसी स्थान पर पुन: मंदिर का निर्माण कार्य किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है तथा उक्त स्थल पर ग्रामवासियों एवं समिति का कब्जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन ग्राम के लोगों एवं समिति के सदस्यों ने विधि-विधान से मां दुर्गा सहित अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों की स्थापना मंदिर परिसर में कर दी थी। सुबह से ही जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के कई अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने इस प्रकार का घेरा बना लिया था, मानो गांव में कोई अप्रिय घटना घटने वाली हो। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण एवं प्रतिमा स्थापना कार्य ग्रामवासियों द्वारा श्रमदान और चंदा एकत्रित कर किया जा रहा है, जिसमें पूरे गांव का सहयोग रहा है। इसके साथ ही सरपंच वैभव बिसेन ने यह भी आरोप लगाया कि उनके द्वारा पूर्व में गर्रा से शराब दुकान हटाने को लेकर याचिका दायर की गई थी, जिसमें निर्णय उनके पक्ष में आया था। उनका कहना है कि उसी के चलते कुछ लोग मंदिर निर्माण का विरोध कर रहे हैं।

प्रतिमा को अन्य मंदिर में विराजित किया जा रहा है - कार्तिकेय

गर्रा में मंदिर निर्माण को लेकर उत्पन्न विवाद के बीच वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने प्रशासन की कार्रवाई पर जानकारी दी । एसडीएम ने बताया कि शासकीय भूमि पर निर्मित मंदिर में विराजित प्रतिमाओं को हिंदू परंपरा और मान्यताओं के अनुसार पूरे सम्मान के साथ अन्य मंदिर में स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित भवन शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की श्रेणी में आता है, जिसके चलते यह कार्रवाई आवश्यक थी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि मंदिर का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिससे भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा एहतियातन कदम उठाए गए हैं। कार्तिकेय जायसवाल ने कहा कि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए मौके पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। साथ ही उन्होंने संतोष जताया कि अधिकांश ग्रामीणों ने प्रशासन का सहयोग किया, जिससे स्थिति को शांतिपूर्वक नियंत्रित किया जा सका।

दर्दनाक हादसा- करेंट की चपेट में आने से दो युवक की मौके पर मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोडुंदा कला में गुरुवार को एक बेहद हृदय विदारक घटना सामने आई। जहां खेत में बिछाए गए करेंट युक्त तार की चपेट में आने से दो यूवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।दोनो युवक स्नेहल पिता जयराम पटले 16 वर्ष और उज्जवल शरणागत पिता सुरेश शरणागत 15 वर्ष का शव मौके से बरामद किये और पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सोप दिए है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बोडुंदा कला निवासी कृषक टेकचंद बिठोले के खेत में वन्य प्राणियों का शिकार करने के उद्देश्य से जीआई तार बिछाकर उसमें विद्युत करेंट प्रवाहित किया

गया था।बताया जा रहा है कि 19 मार्च की सुबह करीब 10 बजे चार युवक स्नेहल पटले, उज्जवल शरणागत, चहल राऊत, नयन शरणागत तोते की तलाश में घर से निकले थे। इसी दौरान प्यास लगने पर वे बाघ नदी के किनारे स्थित टेकचंद बिठोले के खेत की ओर गए। खेत में प्रवेश करते ही स्नेहल और उज्जवल अनजाने में करंटयुक्त तार की चपेट में आ गए।जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।उनके साथ मौजूद अन्य दो युवक किसी तरह बच निकले और गांव पहुंचकर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।यह घटना रजेगांव पुलिस चौकी क्षेत्र में हुई थी। की सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी निरीक्षक कौशल सुर्या, सहायक उप निरीक्षक ग्लैडविन छतरियां, सहायक उप निरीक्षक गणेश चौधरी सहित अन्य पुलिस कर्मचारी मौके पर पहुंचे और दोनों युवको के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए किरनापुर अस्पताल भिजवाये। और पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सोप दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किरनापुर क्षेत्र में यह पहली घटना नहीं है इसके पूर्व बीते वर्षों में दर्जनों घटना हो चुकी है और वन प्राणियों के शिकार के लिए बिछाए गए विद्युत तार के चपेट में आने से मौत हुई है।यह घटना न केवल बेहद दुखद है बल्कि खेतों में वन्य प्राणियों के शिकार के लिए अवैध रूप से करंट फैलाना खतरनाक और मानव जीवन के लिए भी घातक साबित हो रही है।

बंद मकान में चोरी, अलमारियां तोड़ ले गए सामान

गोंदिया रोड स्थित लोहिया चौक की घटना, पुलिस ने दर्ज किया मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते नजर आ रहे हैं। एक के बाद एक सामने आ रही चोरी की घटनाएं पुलिस के लिए चुनौती बनती जा रही हैं। ताजा मामला गोंदिया रोड स्थित वार्ड क्रमांक-18 के लोहिया चौक का है, जहां करीब चार महीने से बंद पड़े एक मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया।

मिली जानकारी के अनुसार, उक्त मकान में रहने वाले गौरव कसार अपनी मां के साथ अमेरिका चले गए थे, जबकि उनकी बहन गरिमा कसार भोपाल में निवासरत हैं। लंबे समय तक घर सूना रहने की जानकारी लगते ही अज्ञात बदमाशों ने मौके का फायदा उठाते हुए घर में धावा बोल दिया और अंदर रखी अलमारियों को निशाना बनाया। बताया गया कि बुधवार को जब गरिमा भोपाल से बालाघाट अपने घर पहुंचीं, तो घर का नजारा देख उनके होश उड़ गए। मकान के अंदर तीन बड़ी अलमारियां जमीन पर गिरी पड़ी थीं, उनके ताले टूटे हुए थे और भीतर रखा सामान तथा कपड़े अस्त-व्यस्त हालत में बिखरे हुए थे। घटना के बाद उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी और गुरुवार को कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। गरिमा कसार ने पुलिस को बताया कि वह भोपाल स्थित एक निजी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी में एचआर पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनके भाई गौरव कसार अमेरिका में नौकरी करते हैं। उनके पिता स्वर्गीय भगवत प्रसाद कसार का 14 नवंबर 2025 को बरसी कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें शामिल होने के बाद 27 नवंबर 2025 को घर में ताला लगाकर दोनों अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए थे। गरिमा के अनुसार, चोरों ने घर में रखी अलमारियों को तोड़कर अंदर का सामान खंगाला, जिससे लगभग 25 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। हालांकि, घर से कोई बड़ा कीमती सामान चोरी होने की बात सामने नहीं आई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि चोर किसी विशेष वस्तु की तलाश में थे या केवल सूना मकान देखकर अंदर घुसे। कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(4), 305(ए), 62 एवं 324(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके।

सूने मकान बन रहे आसान निशाना

शहर में लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं से यह स्पष्ट हो रहा है कि लंबे समय से बंद पड़े मकान चोरों के आसान निशाने बन रहे हैं। ऐसे में पुलिस द्वारा नियमित पेट्रोलिंग बढ़ाने और नागरिकों को सतर्क रहने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। स्थानीय लोगों ने भी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट